हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

रांची, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024 | वर्ष : 12 अंक : 152 | www.koylanchalsamvad.com

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-टास्क फोर्स ने क्या किया: बंगाल... | कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट की जांच क्यों नहीं? | अपने बच्चों को हाई बीपी से करें बचाव मूल्य : 2 रुपए

झारखंड की 81 विधानसभा सीटों पर 13 और 20 नवंबर को वोटिंग, 23 नवंबर को मतगणना

▪ झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में 2.58 करोड़ मतदाता

▪ आदिवासी क्षेत्रों में भी पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे. पोलिंग बूथों में सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगीं

▪ किसी भी प्रलोभन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी.

महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को चुनाव

नई दिल्ली : झारखंड की 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा कर दी गई है. भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा की. चुनाव आयुक्त ने बताया कि झारखंड में इस बार 2 चरणों में वोटिंग होगी. पहले चरण की वोटिंग 13 नवंबर को और 20 नवंबर को दूसरे चरण की वोटिंग होगी. 23 नवंबर को मतगणना होगी. पहले चरण में 43 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी, जबकि दूसरे चरण में 38 सीटों पर लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी की जाएगी. दूसरे चरण की अधिसूचना 25 अक्टूबर को जारी होगी.

पहले चरण के लिए होने वाले नामांकन की जांच 28 अक्टूबर को और दूसरे चरण के नामांकन की जांच 30 अक्टूबर को होगी. पहले चरण में नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवार 30 अक्टूबर तक अपने नाम वापस ले सकेंगे, जबकि दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवार 1 नवंबर तक अपना नाम वापस ले पाएंगे. पहले चरण की वोटिंग 13 नवंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 20 नवंबर को होगी. चुनाव आयोग ने बताया कि 25 नवंबर 2024 तक चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी.

चुनाव की तारीखों के साथ ही पूरे झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. अब राज्य सरकार जनहित में कोई फैसला नहीं ले पाएगी. न ही सरकार का कोई मंत्री या विधायक किसी सरकारी सुविधा का लाभ ले सकेगा. इस तरह से झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की प्रक्रिया समाप्त होने तक चुनाव आयोग का शासन चलेगा. ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर चुनाव वाले क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती तक का आदेश जारी करने का अधिकार चुनाव आयोग को मिल गया है.

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में 2.58 करोड़ मतदाता

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में 2,57,78,149 (2 करोड़ 57 लाख 78 हजार 149) मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. इसमें 1,30,65,449 (1 करोड़ 30 लाख 65 हजार 449) पुरुष मतदाता हैं, तो 1,27,12,266 (1 करोड़ 27 लाख 12 हजार 266) महिला और 434 थर्ड जेंडर वोटर हैं.

झारखंड के 5 प्रमंडल में 24 जिले और 81 विधानसभा सीटें

बिहार से अलग होकर 15 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आया झारखंड राज्य 5 प्रमंडल में बंटा हुआ है. राज्य में 24 जिले हैं. इनमें 81 विधानसभा सीटें हैं. संताल परगना प्रमंडल के 6 जिलों में 18 विधानसभा सीटें हैं. 7 विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हैं. संताल परगना की देवघर विधानसभा सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है.

रांची में पहले चरण में वोटिंग, जानें कब कहां पड़ेंगे वोट

भारत चुनाव आयोग ने आज मंगलवार को 3.30 बजे प्रेस कांफ्रेंस कर झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि झारखंड में दो चरणों में चुनाव होंगे. पहला चरण 13 नवबंर, और दूसरा 20 नवंबर को होगा. पहले चरण में 43 और दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे. वहीं वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी.

पहला चरण - 13 नवंबर

झारखंड में पहले चरण में 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे.

सीट - कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा, भवनाथपुर.

दूसरा चरण - 20 नवंबर

दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे.

सीट- राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पौड़ेयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली व खिजरी.

वहीं, महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को और झारखंड का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। लोकसभा सीटों में केरल की वायनाड में 13 नवंबर और महाराष्ट्र के नांदेड़ में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं, 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। महाराष्ट्र में फिलहाल महायुति गठबंधन की सरकार है, जिसके मुखिया शिवसेना के एकनाथ शिंदे हैं.

संक्षिप्त खबरें

टाटा समूह अगले पांच साल में विनिर्माण क्षेत्र में देगा 5 लाख रोजगार के अवसर

मुंबई (ईएमएस)। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि उनका समूह अगले पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों से जुड़े विनिर्माण क्षेत्र में पांच लाख रोजगार के अवसर रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगा। इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट की एक संगोष्ठी में बोलते हुए टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि यदि भारत विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियों के अवसर नहीं दे सकता तो वह विकसित राष्ट्र होने के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में टाटा समूह के निवेश, प्रीसीजन मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में हमारे निवेश के बीच, मुझे लगता है कि हम अगले पांच वर्षों में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेंगे। असम में टाटा समूह के आगामी सेमीकंडक्टर संयंत्र और इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के लिए अन्य नई विनिर्माण इकाइयों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हम कई संयंत्र स्थापित कर रहे हैं। हालांकि उन्हें पूरी जानकारी नहीं मिली है लेकिन चंद्रशेखरन ने कहा कि बुनियादी गणित के आधार पर, इन नौकरियों का कई गुना प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चूंकि पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किया जाना है, इसलिए कम से कम 5 लाख कंपनियां- छोटी, मध्यम स्तर की कंपनियां भी पारिस्थितिकी तंत्र में आएंगी।

विदेश यात्रा आसान बनाने सरकार ने लांच किया ई-माइग्रेट पोर्टल एवं मोबाइल ऐप

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के लोगों के लिए विदेश यात्रा सुरक्षित और आसान हो सके इसके लिए भारत सरकार ने संशोधित ई-माइग्रेट पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जीवन को आसान बनाने और लोगों पर केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले साल, सुरक्षित और कानूनी आवागमन चैनलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विदेश मंत्रालय ने अभियान जारी किया था। इस अभियान के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं के आदर्श वाक्य पर आधारित डाक टिकट जारी किया था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री की उसी भावना को दर्शाता है। उन्होंने नए ई-माइग्रेट पोर्टल वी2.0 को विदेशों में भारतीय कामगारों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और समावेशी आवागमन बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। यह पोर्टल देश के सतत विकास के लिए बनाए गए एजेंडा 2030 के लक्ष्य 10 के अनुरूप है। इसके माध्यम से व्यवस्थित, सुरक्षित और नियमित प्रवास को बढ़ावा देने का काम किया गया है।

बीजेपी एमएलए के बयान से एनडीए गठबंधन में फिर दिखा तनाव

-हरिभूषण ने की सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग

पूर्णिया,(ईएमएस)। बिहार में एनडीए गठबंधन में फिर तनाव नजर आ रहा है। तनाव की वजह बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल की सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग है। बचौल का कहना है कि सीमांचल में हिंदुओं की सुरक्षा को खतरा है। जेडीयू ने बचौल के बयान की आलोचना करते हुए बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द का दावा किया है। गठबंधन में विवाद उस समय शुरू हुआ जब बीजेपी विधायक बचौल ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि सीमांचल के किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार जिलों को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इन इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों का कब्जा है और हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। बचौल ने कहा कि धर्म के नाम पर देश का विभाजन हुआ था। भारत हिंदू राष्ट्र तो पाकिस्तान मुस्लिम राष्ट्र बना। इसलिए सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सीमांचल में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। बचौल के बयान पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई बिहार में मिलकर रहते आए है और रह रहे हैं। बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द का वातावरण है। बचौल के बयान का कोई औचित्य नहीं है। इसके अलावा, राजीव रंजन ने हाल ही में मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी का जन्म बिहार में हुआ था। उनका बिहार से गहरा जुड़ाव था। मौत-हत्या पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

वायनाड में 13 और महाराष्ट्र के नांदेड़ में 20 नवंबर को उपचुनाव, 23 को रिजल्ट

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, केरल की वायनाड लोकसभा सीट के लिए 13 नवंबर को उपचुनाव होगा तथा मतणगना 23 नवंबर को होगी. जबकि महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को उपचुनाव कराए जाएंगे.

विधानसभा की 48 सीट के लिए 13 नवंबर को मतदान

चुनाव आयोग ने बताया, विधानसभा की 48 सीट के लिए 13 नवंबर तथा उत्तराखंड के केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए 20 नवंबर को मतदान कराए जाएंगे. 23 नवंबर को रिजल्ट आएंगे. 15 राज्यों के 48 विधानसभा सीट और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव कराए जाएंगे. जिसमें असम की 5, बिहार की 4, छत्तीसगढ़ की एक, गुजरात की एक, कर्नाटक की 3, केरल की एक विधानसभा और एक लोकसभा (वायनाड), मध्य प्रदेश की दो, महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट, मेघालय की एक, पंजाब की 4, राजस्थान की 7, सिक्किम की दो, उत्तर प्रदेश की 9, उत्तराखंड की एक और पश्चिम बंगाल की 6 सीटों पर उपचुनाव कराए जाएंगे.

उपचुनाव मुख्य डेट्स

नोटिफिकेशन – 18-10-24
नामांकन की आखिरी तारीख – 25-10-24

नामांकन की जांच – 28-10-24
नाम वापसी की आखिरी तारीख – 30-10-24
मतदान – 13 नवंबर
रिजल्ट – 23 नवंबर

13 नवंबर को यूपी की 9 सीटों पर उपचुनाव

उत्तर प्रदेश में 13 नवंबर को 9 सीटों पर उपचुनाव होंगे. जिसमें मिल्कीपुर सीट पर अभी चुनाव नहीं होगा. फूलपुर, खैर, करहल, मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, सीसामऊ, मझवां में 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे.

उत्तराखंड और महाराष्ट्र उपचुनाव के मुख्य डेट्स

नोटिफिकेशन – 22.10.24
नामांकन की आखिरी तारीख – 29-10-24
नामांकन की जांच – 30-10-24
नाम वापसी की आखिरी तारीख – 4-11-24, वोटिंगः 20 नवंबर, रिजल्ट – 23 नवंबर

महाराष्ट्र में सभी 288 विधानसभा सीट के लिए एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा तथा मतगणना 23 नवंबर को होगी. महाराष्ट्र में 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी तथा नामांकन की आखिरी तिथि 29 अक्टूबर होगी. नामांकन पत्र चार नवंबर, 2024 तक वापस लिए जा सकते हैं. 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना होगी. महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है.

2019 यानी महाराष्ट्र के पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। सरकार बनने से पहले ही उद्धव ने पाला बदल लिया। इसके बाद पिछले 5 साल में इतनी उठापटक मची कि सारे समीकरण ही बदल गए।

2019: नतीजों के बाद पाला बदलकर सीएम बने उद्धव ठाकरे

शिवसेना और बीजेपी 1984 में करीब आईं। 2014 में कुछ समय के लिए इस गठबंधन में दरार आई। हालांकि 2019 विधानसभा चुनाव दोनों पार्टियों ने मिलकर लड़ा और जीता। जानकार बताते हैं कि उद्धव का इशारा सीएम पद की तरफ था। इसके बाद उद्धव ने विपरीत विचारधारा वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई।

रांची के नए डीसी बने वरुण रंजन, मंजूनाथ भजंत्री से ग्रहण किया पदभार

रांची : आईएएस अधिकारी वरुण रंजन रांची के नए डीसी (उपायुक्त) बनाए गए हैं. मंजूनाथ भजंत्री को पिछले दिनों रांची का उपायुक्त बनाया गया था. मंगलवार को रांची के नए उपायुक्त वरुण रंजन ने मंजूनाथ भजंत्री से पदभार ग्रहण किया. वरुण रंजन 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. राज्य सरकार की ओर से इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी गयी है. झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राज्य सरकार ने एक बार फिर आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया. रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को हटाकर वरुण रंजन को नया उपायुक्त बनाया गया है. मंजूनाथ भजंत्री को जेएसएलपीएस का नया सीईओ नियुक्त किया गया है.

मनरेगा आयुक्त बनाए गए मृत्युंजय कुमार बरणवाल

जेएसएलपीएस के सीईओ के रूप में कार्यरत मृत्युंजय कुमार बरणवाल को स्थानांतरित करते हुए मनरेगा का नया आयुक्त बनाया गया है. हालांकि वे पहले से जेएसएलपीएस के अलावा इसके अतिरिक्त प्रभार में थे.

मंजूनाथ भजंत्री की जगह अब वरुण रंजन

झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन को राज्य सरकार ने मंगलवार को तबादला कर दिया. उन्हें रांची की कमान सौंपी गयी है. मंजूनाथ भजंत्री की जगह उन्हें रांची का नया उपायुक्त नियुक्त किया गया है. राहुल सिन्हा को हटाकर पिछले दिनों मंजूनाथ भजंत्री को रांची जिले की कमान सौंपी गयी थी.

कांग्रेस की पूर्व विधायक ममता देवी को बड़ी राहत, झारखंड हाईकोर्ट ने सजा पर लगायी रोक

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व विधायक ममता देवी को बड़ी राहत मिली है. दरअसल रामगढ़ की इस पूर्व विधायक की सजा पर हाईकोर्ट ने मंगलवार को रोक लगा दी है. जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ममता देवी के समर्थकों में खुशी का माहौल है. दरअसल हजारीबाग व्यवहार न्यायालय स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें कुल 7 साल की सजा सुनायी थी. कोर्ट के इस फैसले के बाद अब वह फिर से सक्रिय राजनीति में लौट सकेंगी.

दरअसल पूरा मामला ये है कि गोला प्रखंड के टोनागातू में इनलैंड पावर प्लांट निर्माण किया गया था. इसके निर्माण के समय कई ग्रामीण यहां से विस्थापित हुए थे. इन लोगों को हटाने से पहले नौकरी, मुआवजा और रोजगार देने का आश्वासन दिया गया. प्रबंधन ने अपने कहे के अनुसार कुछ लोगों को नौकरी तो दी लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हे पर्याप्त सुविधा और रोजगार नहीं दिया गया. इसी मांग को लेकर 29 अगस्त, 2016 को तत्कालीन पार्षद ममता देवी एवं राजीव जायसवाल के नेतृत्व में यहां पर धरणा प्रदर्शन का आयोजन किया गया था.

मोदी बोले- विदेश में डेटा भारत से 10 गुना महंगा:भारत का मिशन दुनिया को जोड़ना; अंबानी ने एआई डेटा सेंटर के लिए इंसेंटिव मांगा

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 15 अक्टूबर को इंडिया मोबाइल कांग्रेस के आठवें एडिशन की नई दिल्ली में शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दूसरे देशों में मोबाइल डेटा की कीमत भारत की तुलना में दस गुना महंगी है। भारत का एक ही मिशन है- दुनिया को जोड़ना। इस टेक इवेंट में दुनियाभर के 120 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। 400 से ज्यादा एग्जिबिटर और लगभग 900 स्टार्टअप भी शामिल हुए है। आईएमसी 2024 के एग्जीबिशन में पीएम मोदी को टेक इनोवेशन्स दिखाए गए। पीएम के साथ केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी थे। पीएम मोदी ने वर्ल्ड टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्डाइजेशन असेंबली 2024 का भी उद्घाटन किया, जिसे पहली बार भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन ने आयोजित किया है। 190 से अधिक देशों के 3,000 से अधिक प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए हैं।

पीएम बोले- भारत में 120 करोड़ मोबाइल यूजर्स, भाषण के 6 पॉइंट्स

▪ पिछले दस साल में, भारत ने जो ऑप्टिकल फाइबर बिछाए हैं, वे चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी से आठ गुना अधिक हैं। दो साल पहले, हमने 5जी लॉन्च किया था। आज हर जिला 5जी से जुड़ गया है। अब हम 6जी तकनीक पर भी तेजी से काम कर रहे हैं।

▪ दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों से इंटरनेट डेटा की कीमतों में गिरावट आई है। आज भारत में मोबाइल डेटा की कीमत 12 सेंट प्रति जीबी है। दूसरे देशों में एक जीबी डेटा दस गुना महंगा है। आज भारतीय हर महीने औसतन 30 जीबी डेटा का उपभोग करते हैं।

▪ फोन तब तक सस्ते नहीं हो सकते थे जब तक कि हम उन्हें भारत में निर्मित नहीं करते। 2014 में, केवल दो मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट थीं। आज यह 200 से अधिक हैं। पहले हम विदेशों से स्मार्टफोन आयात करते थे। अब, हम भारत में छह गुना अधिक फोन बनाते हैं।

▪ आज भारत टेलीकॉम और उससे जुड़ी टेक्नोलॉजीज के मामले में दुनिया के सबसे हैपनिंग देशों में से एक है। भारत में 120 करोड़ यानी 1200 मिलियन मोबाइल फोन यूजर्स हैं। भारत में 95 करोड़ यानी 950 मिलियन इंटरनेट यूजर्स हैं। भारत में दुनिया का 40% से ज्यादा का रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन होता है।

सिंधिया बोले- डीबीटी ट्रांसफर्स दूरसंचार की शक्ति दिखाती है

▪ इवेंट में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा- 'दूरसंचार की शक्ति के कुछ सबसे अच्छे उदाहरण डीबीटी या डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम्स हैं। ये स्कीम्स एक दिन में लोगों के बैंक खातों में डेली बेसिस पर 1 करोड़ से अधिक डायरेक्ट कैश ट्रांसफर करती है।'

▪ सिंधिया ने कहा- भारत में मोबाइल कनेक्शन आज 904 मिलियन से बढ़कर 1.16 बिलियन हो गए हैं। भारत में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के 924 मिलियन यूजर्स हैं। भारत में ओएफसी पहले केवल 11 मिलियन रूट किमी था, आज यह 41 मिलियन रूट किमी है।

▪ उन्होंने कहा- अगले साल के मध्य तक, हम पूरे भारत में 4जी सेवा शुरू कर देंगे। हमने भारत में सबसे तेज़ 5जी रोलआउट किया है। केवल 21 महीनों की अवधि में 98 प्रतिशत जिलों और 90 प्रतिशत गांवों को कवर किया गया।

आकाश अंबानी ने डेटा सेंटर के लिए इंसेंटिव मांगा

▪ एआई हमारे जीवन के हर पहलू को बदल देगी। 2047 तक विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने के लिए एआई महत्वपूर्ण है। इसलिए, भारत को एआई तुरंत अपनाना चाहिए।'

▪ हम सरकार से डेटा सेंटर पॉलिसी के 2020 के ड्राफ्ट को अपडेट करने में तेजी लाने का अनुरोध करते हैं। भारतीय डेटा भारत के डेटा केंद्रों में ही रहना चाहिए।

▪ एआई और एमएल डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए तैयार भारतीय कंपनियों को बिजली खपत सहित सभी जरूरी इंसेंटिव मिलना चाहिए।

ना खपत बढ़ी, न उत्पादन घटा, फिर भी सब्जियों के दामों में 78% तक का इजाफा

रांची: सब्जियों पर महंगाई की मार देखने को मिल रही है. सितंबर में सब्जियों की थोक महंगाई दर 48.73 फीसदी बढ़ गयी है. वहीं आलू और प्याज की कीमतों में 78 फीसदी, जबकि टमाटर की कीमतों में 48 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है. खुदरा महंगाई के आंकड़ों ने भी चिंता बढ़ा दी है. यह रिजर्व बैंक के 5 प्रतिशत की सीमा को पार कर गयी है और सब्जियों की महंगाई लगभग 36% बढ़ी है. सितंबर में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 9.24% तक पहुंच गयी है, जो अगस्त में 5.66% थी. खुदरा महंगाई के सूचकांक में सब्जियों का योगदान लगभग 7.46% है. आमतौर पर यह माना जाता है कि महंगाई किल्लत से बढ़ती है. लेकिन आलू, प्याज, और टमाटर की उपज लगातार बढ़ रही है. वर्ष 2022 तक पिछले एक दशक में उनकी पैदावार में 63% का इजाफा हुआ है. 2022-23 में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आलू-टमाटर का उत्पादक है. वहीं भारत प्याज का सबसे बड़ा उत्पादक है. इसके बावजूद सब्जियों पर महंगाई बढ़ती ही जा रही है. आंकड़े बताते हैं कि उपभोक्ताओं के मासिक खर्च में सब्जियों का हिस्सा पिछले एक दशक से 3-4% पर स्थिर है. कुल उत्पादन का केवल 8.6% प्याज और 2% आलू-टमाटर निर्यात होता है. इसका मतलब है कि यह पूरी तरह से घरेलू खपत के लिए होते हैं, फिर भी महंगाई क्यों इतनी अधिक है?

हर रुपये के खर्च में किसानों को सिर्फ 33-37 पैसे मिलते

आलू, प्याज, और टमाटर की क्रांति ने किसानों को अमीर नहीं बनाया है. रिजर्व बैंक के अनुसार, उपभोक्ताओं द्वारा हर रुपये के खर्च में किसानों को केवल 33 से 37 पैसे मिलते हैं. थोक व्यापारी भी 32 से 37 पैसे का मुनाफा कमाते हैं और बचे हुए पैसे का हिस्सा रेहड़ी वालों के पास जाता है, जो बड़ी कीमतों को बढ़ाकर बेची न गयी सब्जियों के नुकसान की भरपाई करता है.

बंडासिंगा मोड़ में जिओ की मिनी टावर फैल, उपभोक्ता परेशान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंडासिंगा मोड़ स्थित जिओ की मिनी टावर फैल होने से उपभोक्ता परेशान हो गए हैं। इस संबंध में स्थानीय निवासी सुजीत कुमार ने बताया कि पिछले 15 दिनों से जिओ का नेटवर्क सही से काम नहीं कर रहा है। वहीं नेटवर्क सही से काम नहीं होने बच्चे की पढ़ाई बाधित हो रही है। कहा कि मेरे घर से मात्र 100मीटर दूरी स्थित मिनी टावर लगाई गई है। जिसके बाद भी भरपूर नेटवर्क नहीं रहता है तथा बातचीत भी सही नहीं हो पाती है। अगर 5जी की बात करें तो वह बिल्कुल नहीं रहती है। जिओ कंपनी के अधिकारी भी मौन धारण किए हैं। अगर ऐसी हालत रही तो उपभोक्ता पोर्ट करने में देर नहीं करेगी। रिचार्ज खत्म होते ही उपभोक्ता एयरटेल में आना शुरू कर दिए हैं।

मेसरा गैस प्लांट के पास आज्ञात युवक का शव गली सड़ी अवस्था में रोड़ किनारे पानी टंकी में मिला

ओरमांझी(मोहसीनआल):मेसरा थाना क्षेत्र के मेसरा आक्सीजन गैस प्लांट के रांची रामगढ़ मुख्य मार्ग पर रोड़ किनारे पानी पाईप लाईन के टंकी में मंगलवार की सुबह लगभग 9 बजे आज्ञात अधेड़ युवक का शव मिला है,शव पूरी तरह से गली सड़ी अवस्था में था,मौके पर मेसरा ओपी पुलिस टीम पहुंची है,शव को टंकी से निकालने में काफी मुस्कक्त का सामना करना पड़ा,शव मिलने की सूचना पर काफ़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जुट गए हैं,शव से काफी बदबूदार दुरगंध आ रहा था,शव में कीड़े भी पड़ गए है, पुलिस के घंटों प्रयास के बाद टंकी से शव क़ो बाहर निकाल कर पंचनामा के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गया है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि थाने में गुमसुदगी का कोई मामला दर्ज नहीं है, चेहरा से युवक कि पहचान नहीं हुई है,

चुनावी बिगुल बजने से पहले निरसा विधायक ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास

धनबाद : झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने मंगलवार को अपने क्षेत्र में योजनाओं के शिलान्यास की झड़ी लगा दी. चुनाव की घोषणा से ठीक पहले उन्होंने कई योजनाओं का शिलान्यास किया. पंडरा क्षेत्र के लोगों के लिए रानी तलाब के जिर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया. यहां के लोगों की यह वर्षों पुरानी मांग थी. रानी तालाब का जिर्णोद्धार लघु सिंचाई प्रमंडल धनबाद की से 3 करोड़ 99 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा. साथ ही मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कालूबथान, यशपुर व पंचेत में कई सड़कों का शिलान्यास किया गया. विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने बताया कि रानी तालाब का जिर्णोद्धार व सौंदर्यीकारण होने से क्षेत्र के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा.

गोल बिल्डिंग के पास दूसरे वाहन से टकराई कार, 2 लोग घायल

धनबाद : सरायढेला थाना क्षेत्र के गोल बिल्डिंग के समीप मंगलवार को एक कार ने दूसरे वाहन में टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया गया कि एसयूवी कार संख्या बीआर 08 पी 4971 गोविंदपुर की तरफ से धनबाद आ रही थी. स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को निजी नर्सिंग होम पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है.

एसएनएमएमसीएच अस्पताल के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर, ओपीडी सेवा ठप, मरीज हलकान

धनबाद : कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में जूनियर डॉक्टर की रेप व हत्या के विरोध में दो महीने से डॉक्टरों का आंदोलन जारी है. वहीं करीब 200 घंटे से सभी डॉक्टर भूख हड़ताल पर हैं. भूख हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों के समर्थन में मंगलवार को झारखंड समेत देशभर के सभी जूनियर डॉक्टर भी भूख हड़ताल पर हैं. आईएमए ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है.धनबाद मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर भी आज अस्पताल परिसर में भूख हड़ताल पर बैठे हैं. डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने से ओपीडी और ओटी सेवाएं बंद हैं. हालांकि जूनियर डॉक्टरों ने आपातकालीन सेवाएं बहाल रखने का निर्णय लिया है. हड़ताल के कारण मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है. दूर-दराज से मरीज इलाज कराने आ रहे हैं, लेकिन सेवाएं बंद होने के कारण इलाज नहीं हो पा रहा है. भूख हड़ताल पर बैठे चिकित्सक ने कहा कि कोलकता में भूख हड़ताल कर रहे डॉक्टरों की हालत बिगड़ रही है. कुछ की स्थिति गंभीर है. हड़ताल के डॉक्टरों के समर्थन में देशभर के जूनियर डॉक्टर मंगलवार को एक दिन की हड़ताल कर रहे हैं. इस दौरान वे अपनी सेवा नहीं देंगे.

बड्स गार्डेन स्कूल में 29 वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को स्कूल प्रबंधन एवं थाना प्रभारी द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान किया

राजगंज (धनबाद) ,बड्स गार्डेन स्कूल परिसर में क्षेत्र के नए थाना प्रभारी, सुश्री अलीशा अग्रवाल के माध्यम से आज स्कूल प्रबंधन द्वारा 29वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किया गया। इस दौरान सुश्री अलिशा अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनकी कड़े मेहनत और खेल की प्रतिभा की काफी प्रशंसा की। साथ ही प्राचार्य प्रमोद चौरसिया ने इन महिला ने खिलाड़ियों को झारखंड की टीम में चयन होने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी और उनके कड़े मेहनत को सैल्यूट किया। साथ ही स्कूल की निदेशका श्रीमती गौरी ने पुष्पगुच्छ देकर ने थाना प्रभारी का स्वागत किया एवं स्कूल की स्काउट एंड एनसीसी बैंड ग्रुप द्वारा थाना प्रभारी और सभी फुटबॉल खिलाड़ियों को मार्च पास्ट और सलामी देकर स्वागत किया 1 स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रमोद कुमार ने ट्रायल कैंप के मुख्य सलेक्टर के रूप में झारखंड फुटबॉल टीम के मुख्य सलेक्टर एवं मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब कोलकाता के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद नियाजउद्दीन का एवं अध्यक्ष, ऐ के पाल ने टीम कोच पारस करमाली का पुष्प कुछ देकर स्वागत किया। इस दौरान स्कूल के सभी छात्राओं व शिक्षक परिवार ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी खिलाड़ियों का हौसला बढाया 1 जिससे सभी खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा था.

झारखंड विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के निमित्त नगर आयुक्त ने स्वीप कार्यक्रम को लेकर की बैठक

धनबाद, आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह नगर आयुक्त, रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में स्वीप एक्टिविटी को लेकर समाहरणालय में बैठक आयोजित की गई। वरीय पदाधिकारी ने स्वीप कर्मियों से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में शहरी क्षेत्रों में वोट प्रतिशत कैसे बढ़ाए इस पर चर्चा की गई एवं इसका विस्तार से प्रारूप बनाया गया। साथ ही कार्य योजना भी तैयार की गई। बैठक में शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए गठित स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने कहा कि स्वीप योजना के तहत जिले में कारगर कार्य होना चाहिए। स्वीप कोषांग का मुख्य लक्ष्य मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान के प्रतिशत में वृद्धि करना। स्वीप योजना के तहत कैलेंडर तैयार किया गया है 1 उसके अनुसार कार्यक्रमों को आयोजित करना सुनिश्चित करें। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, डीपीएम जेएसएलपीएस, शैलेश रंजन, सहायक नगर आयुक्त सुश्री शिखा कुमारी, एसएमपीओ सुश्री विनीता कुमारी, समेत सीडीपीओ एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

बाइक व टोटो में टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

साहिबगंज जिले के मंडरो प्रखंड के भगैया मेहंदी चौक पर टोटो व बाइक के बीच टक्कर में बाइक सवार युवक सुशील बेसरा की मौत हो गई. जबकि बाइक पर पीछे बैठे दो अन्य लोग घायल हो गए. घटना सोमवार शाम गी बताई जाती है. मृतक सुशील बेसरा मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के बिरनियांकिता गांव निवासी लाल बेसरा का पुत्र था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और टोटो जब्त कर थाना ले गई. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि ट्रिपल लोड बाइक सुशील बेसरा चला रहा था, जबकि पीछे उसके दो साथी रोशन कुमार (16 वर्ष) व आशीष कुमार (12 वर्ष) बैठे थे. दोनों साथी घायल हैं.

झारखंड विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर प्रेस कांफ्रेंस का हुआ आयोजन

चतरा जिले में आज से आदर्श आचार संहिता लागू आदर्श आचार संहिता के अवहेलना करने वालों पर होगी कार्रवाई

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः झारखंड विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप ने प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दिया कि आज भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा कर दी गई है। जिले में आज से आदर्श आचार संहिता लागू हो चुका है। आदर्श आचार संहिता के अवहेलना करने वालों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। जिले में कुल 19 कोषांगों का गठन कर लिया गया इसके सफल संचालन हेतु सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। पूरे राज्य में पहले चरण में 13 नवंबर व दूसरा चरण का चुनाव 20 नवंबर को होगा । जिसमे चतरा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में चुनाव 13 नवंबर 2024 को पहले चरण में होगा। जिसके लिए 18 अक्टूबर 2024 से 25 अक्टूबर 2024 तक उम्मीदवारों का नामांकन, 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों का स्क्रुटनी होनी है वहीं नाम वापसी तिथि 30 अक्टूबर है। मतगणना 23 नवंबर को होगा। उम्मीदवारों का नामांकन निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी चतरा व सिमरिया के कार्यालय कक्ष में होना है। चतरा विधानसभा क्षेत्र में कुल 419 मतदान केंद्र हैं। सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में कुल 475 वहीं चतरा जिले के 20 मतदान केंद्र बड़कागांव विधासभा क्षेत्र में आता है। जिले में अगर कुल मतदान केंद्रों की बात करें तो कुल 914 मतदान केंद्र हैं। दोनों विधानसभा क्षेत्र मिलाकर कुल 8,04,392 मतदाता हैं। इसमें सिमरिया विधानसभा में 3,77,183 मतदाता, चतरा विधानसभा 4,27,209 मतदाता हैं। सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,92,872 है, महिला 1,84,311 है। चतरा विधानसभा क्षेत्र में पुरुष मतदाताओं की संख्या 2,17,096, महिला मतदाताओं की संख्या 2,10,111, थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 2 है। साथ ही उन्होंने बताया कि जिले में लगभग सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

इस प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, वन प्रमंडल दक्षिणी मुकेश कुमार, अपर समाहर्ता चतरा अरविंद कुमार, निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, उप निर्वाचन पदाधिकारी चतरा वेदवती कुमारी समेत अन्य सम्बंधित उपस्थित थे।

केदल में जलसा सीरत उन नबी स.का किया गया आयोजन, तालीमी इनामी मुकाबले में मकतब के बच्चौं ने हिस्सा लेकर मारी बाजी

ओरमांझी(मोहसीनआलम):केदल गांव में मंगलवार को अंजुमन इस्लामिया कमेटी केदल के बैनर तले जलसा सीरत उन नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का आयोजन किया गया,जिसमें मेहमान-ए-खुसूसी के तौर पर हजरत मौलाना अकरम साहब कासमी और शायरे इस्लाम मुमताज़ आतिफ़ शामिल हुए।जलसा से पूर्व मकतब के बच्चौं का तालीमी इनामी मुक़ाबले का आयोजन किया गया।जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने तरह तरह के इस्लामिक कार्यक्रम पेश कर लोगों का दिल जीत लिया। बच्चों के बीच नात पाक, इस्लामिक सवाल जवाब,तक़रीर,तिलावत-ए-कुरआन और मोकालमा जैसे इनामी मुकाबला किया गया। शानदार प्रदर्शन करने वाले बच्चों को इनाम देकर सम्मानित किया गया. बच्चों की प्रस्तुति देख आयोजक व ग्रामीण ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में निखार आता है। जलसा सीरत उन नबी सल्लल्लाहु अलैहि

वसल्लम में मेहमान-ए- खुसूसी हजरत मौलाना अकरम साहब कासमी ने मोहम्मद सल्लल्लाहो वाले वसल्लम के सीरत को बयान करते हुए कहा कि हजरत मोहम्मद स.पूरी दुनिया वालों के लिए रहमतुल आलमीन बना कर भेजे गए थे, लोगों की कामयाबी कुरान और हदीस के मुताबिक जिंदगी गुजारने से ही होगी,वहीं शायर ए इस्लाम मुमताज आतिफ ने अपने सुरीली आवाज से नात पाक पढ़ कर लोगों क़ो खुश कर दिया,जलसा कि समाप्ति पर सभी लोगों ने देश कि अमन चैन व खुशहाली कि दुआ मांगी, मौके पर मुख्य रूप से मौलाना आफताब आलम कासमी,हाफिज तौफीक,हाफिज वारिस,हाफिज इस्लाम और मेसरा ओपी के एस आई जुल्फेकार सदर रुस्तम अंसारी सेक्टरी समीम आलम, महमूद अंसारी,मास्टर फिरोजअंसारी,जेएमएम नेता मोइन अंसारी,निजाम नाज,आजाद अंसारी,ऐनुल हक अंसारी,गफूर आलम, मुख्तार अंसारी तनवीरअंसारी,समाउद्दीनअंसारी सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मंत्री ने किया 350 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

जमशेदपुर : घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में झारखंड सरकार के मंत्री रामदास सोरेन ने घाटशिला स्थित पार्टी कार्यालय में मंगलवार को एक साथ शिलापट रखकर 350 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली कई योजनाओं का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया. इस मौके पर मंत्री ने कहा कि मुसाबनी प्रखंड के चाकड़ी गांव में 3 करोड़ रुपये की लागत से 2.8 किलोमीटर सड़क, घाटशिला प्रखंड के कोनदरनाला पर दो चेक डैम तथा लेदा गांव उप स्वास्थ्य केंद्र 2.30 लाख की लागत से बनेगा. धालभूमगढ़ प्रखंड में विधायक निधि से तीन सड़क, एक सिंचाई नाल, चेंजिंग रूम, स्नानघाट 42 लाख रुपये की लागत से बनेगा. घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में 254 करोड़ 90 लाख की लागत से पॉलिटेक्निक कॉलेज, 39.8 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज एवं 4 करोड़ की लागत से नेत्रबेड़ा से दुर्गाआटा गांव तक सड़क निर्माण किया जाएगा

इसके अलावा अन्य कई योजना का शिलान्यास किया गया. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार क्षेत्र के लिए विकास योजनाओं की बाढ़ लाई है. हर गांव में सड़क, नदी पर पुल, शिक्षा के लिए कॉलेज, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, बकाया बिजली बिल माफ कराने को लेकर कृत संकल्प है. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने जिस तरह यहां की जनता के हित का काम किया है, जनता का आशीर्वाद इस चुनाव में मिलेगा. शिलान्यास समारोह में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि दिनेश साव, काली पदों गोराई, कान्हु सामंत, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, काजल डॉन, विकास मजूमदार, अशोक अग्रवाल, गोपाल कोइरी सहित काफी संख्या में झामुमो एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

घर के बाहर सोए स्कूली वैन चालक की वर्चस्व में गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर : बागबेड़ा के ग्वालापट्टी साई मंदिर के पीछे रहने वाले रोहित कुमार सिंह (25) की आपसी वर्चस्व में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त वह घर के पीछे खटाल में चौकी पर सोया हुआ था। चौकी के पास बुलेट खड़ी की थी। धात लगाकर बैठे बदमाशों ने अंधेरे का फायदा उठाकर उसके सिर के बीच में गोली मारी। गोली मारने के बाद रोहित को कंबल से ढंक कर फरार हो गए। घटनास्थल के आसपास कई मकान हैं, लेकिन किसी ने भी फायरिंग की आवाज नहीं सुनी।

घटना रविवार रात लगभग 11.40 बजे की है। रोहित बिष्टुपुर नरभेराम हंसराज स्कूल के बच्चों को स्कूली वैन से पहुंचाने का काम करता था। सुबह छह बजे मां कांति देवी जब रोहित को जगाने पहुंची तो बेटे को लहूलुहान अवस्था में चौकी पर देखा। उसे टीएमएच ले गए। डॉक्टरों ने सिर के बीच में गोली मारकर हत्या की बात कही। घटना को अंजाम अपराधी गणेश सिंह गिरोह से जुड़े प्रधानटोला निवासी कुंदन सिंह ने दोस्तों के साथ मिलकर दिया है।

पुलिस फरार कुंदन की बहन, जीजा और बागबेड़ा लकड़िया बगान निवासी राजा शर्मा और उसके पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने तकिया के नीचे से एक खोखा बरामद किया है। बागबेड़ा थाना में रोहित के बड़े भाई

राहुल सिंह के बयान पर राजा शर्मा, कुंदन सिंह और मनीष कुमार वर्मा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। रोहित के पिता संतोष सिंह राउरकेला में अनाज गोदाम में गाड़ी चलाने का काम करते हैं। वहीं, पुलिस को सीसीटीवी फुटेज हाथ लगा है जिसमें कुंदन सिंह अपने एक साथी के साथ घटना के बाद भागता दिख रहा है।- शेष पेज 09 पर

हिरासत में रख कर पूछताछ की जा रही

कुंदन सिंह सीतारामडेरा में अखिलेश सिंह गिरोह और सुधीर दुबे गिरोह के बीच हुए गैंगवार में शामिल सचिन सिंह का भाई है। कुंदन सिंह एरिया का बॉस बनना चाह रहा था। कुछ माह से रोहित सिंह भी किसी की मदद के लिए खड़ा हो जाता था। इसको लेकर रोहित का नाम उसके दोस्तों और आसपास के लोगों की जुबान पर रहने लगा था। यह बात कुंदन सिंह को नागवार लगी। इस पर कुंदन ने रोहित को टारगेट में लिया और गोली मारने की धमकी देने लगा। घटना को अंजाम देने के बाद कुंदन सिंह अपने साथी के साथ पैदल भागने लगा। रात 12 बजे के लगभग कुंदन को जाते हुए रोहित सिंह के बाइक सवार दोस्त ने देखा था। कुंदन बाइक सवार को देखकर मुंह भी छुपाया था। फिर पीछे मुड़कर देखा। चूंकि बाइक सवार मोबाइल पर बात करते जा रहा था, इस वजह से उसने कुंदन पर कोई शक नहीं किया। कुंदन और रोहित दोनों एक दूसरे के परिचित भी थे। सुबह में रोहित की हत्या की बात सामने आने पर बाइक सवार ने राज खोला। उसने लोगों को बताया कि कुदन और उसके साथी को रात में रोहित के घर से मेनरोड की तरफ जाते देखा था।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन तैयार- उपायुक्त

धनबाद, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, माधवी मिश्रा ने विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के बाद पत्रकार वार्ता कर मीडिया से कहा की धनबाद में 22 अक्टूबर 2024 को विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर 2024 रहेगी। 30 अक्टूबर 2024 को नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी की जाएगी। वहीं 1 नवंबर 2024 को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रहेगी।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में धनबाद में 20 नवंबर 2024 को मतदान किया जाएगा। 23 नवंबर 2024 को मतगणना की जाएगी तथा 25 नवंबर 2024 को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा की शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने मुकम्मल तैयारी की है। उन्होंने शहरी एवं युवा वोटरों को लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव में धनबाद में 62.28% मतदान हुआ। वहीं लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत 2.53% बढ़कर 64.81% रहा। विधानसभा चुनाव में भी स्वीप एक्टिविटी के तहत मतदाताओं को जागरुक कर मतदान प्रतिशत को और बढ़ाने का जिला प्रशासन का उद्देश्य रहेगा।

आगे उन्होंने कहा कि 38 सिंदरी, 39 निरसा, 40 धनबाद, 41 झरिया, 42 टुंडी एवं 43 बाघमारा विधानसभा को लेकर 1318 भवनों में 2372 मतदान केंद्र में मतदाता मतदान करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा 38 सिंदरी, 39 निरसा, 40 धनबाद, 41 झरिया, 42 टुंडी एवं 43 बाघमारा को लेकर कुल 20 लाख 75 हजार 869 मतदाता है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 10 लाख 72 हजार 596, महिला मतदाताओं की संख्या 10 लाख 3 हजार 221 एवं 52 ट्रांसजेंडर मतदाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि धनबाद में 27944 पीडब्ल्यूडी, 85 वर्ष से अधिक उम्र के 5443 वोटर है। 18 - 19 वर्ष के वोटरों की संख्या 76656 है। 18 से 19 वर्ष के वोटरों में मेल वोटर की संख्या 33347, फीमेल वोटर की संख्या 43308 तथा एक ट्रांसजेंडर मतदाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है। चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार इसका अक्षरशः पालन किया जाएगा।

उन्होंने बताया की निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए 63 स्टेटिक सर्विलांस टीम, 18 विडीयो सर्विलांस टीम, 12 विडीयो व्यूइंग टीम, 63 फ्लाइंग स्क्वॉड टीम, 22 अकाउंटिंग टीम तथा 12 असिस्टेंट एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 11 इंटर स्टेट तथा 5 इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट पर लगातार आने जाने वालों की जांच की जाएगी।

शराबी पिता ने अपनी ही दुधमुंही बच्ची को पटक कर मार डाला, गिरफ्तार

धनबादः धनबाद जिले के गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र के सियारकनाली गांव में शराबी पिता ने अपनी 21 दिन की दुधमुंही बच्ची को पटक कर मार डाला. यह आरोप बच्ची की मां ममता देवी ने लगाया है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल की आरोपी पिता दीपक पासवान को गिरफ्तार कर ले गई. पुलिस उससे पूछताछ कर रही है. वहीं, बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया. बच्ची के पिता दीपक पासवान ने आरोप को ग़लत बताया है. उसने पुलिस को बताया कि वह अपनी बीमार पत्नी का इलाज करवा रहा है. उसे टीबी की बीमारी है. बच्ची को पटक कर मारने की बात झूठी है. वहीं, ममता देवी ने बताया कि सोमवार की शाम पति दीपक पासवान शराब के नशे में धुत होकर घर आया और बेवजह झगड़ा करने लगा. इसी दौरान उसने दुधमुंही बच्ची को पटक दिया. बच्ची को अंदरूनी चोट आई और उसने दूध पीना छोड़ दिया. मंगलवार की सुबह उसकी मौत हो गई. ममता ने बताया कि पति दीपक शराब पीकर उसके साथ अक्सर मारपीट करता है. बूढ़ी मां के साथ भी मारपीट करता है. ग्रामीणों ने भी दीपक की करतूत बयां करते हुए कहा कि मारपीट के डर से ममता और उसकी सास गांव में छुपती फिरती हैं.

भगवान बिरसा मुंडा के परिवारों से समस्यआये सुनी

अड़की - भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राज कुमार रोत ने बिरसा मुंडा के पोरपोता और उनके परिवारों से मिला और पूजा अर्चना कर भगवान बिरसा मुंडा को उलीहातु मे श्रद्धा सुमन अर्पित की गई . भगवान बिरसा मुंडा के परिवारों से समस्यआये सुनी और सांसद राज कुमार रोत ने कहा की बिरसा मुंडा के नाम से सिर्फ राजनीती हुई है। बिरसा मुंडा के सपनो का झारखण्ड आज भी अधूरा है उलीहातु का बुनियादी समस्या का समाधान नहीं हुआ है न ग्राम सभा की शक्ति बहाल की गई है पेसा क़ानून लागू नहीं किया गया है और बिरसा के इतिहास को मिटाया जा रहा है. भारत आदिवासी पार्टी बिरसा मुंडा के सपनो का देश बनाएंगी और जल जंगल जमीन के मुद्दों और इस छेत्र की समस्या का समाधान के लिए को सांसद मे उठाऊंगा.

इस कार्यक्रम मे प्रभारी बबिता कच्छप, प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा, कार्य कारी अध्यक्ष अजय कच्छप, अभय भुत कुंवर, कुंदरसी मुंडा, सिदाम मुंडा, प्रो सोबरन मुंडा, दीपक टूटी, बिरसा पाहन, हरी सोय, महेश मुंडा सोमा मुंडा सुरज मुन्डा रामधन मुंडा लिखीचरण मुंडा सुशिला मुंडा यमुना मुन्डा ललिनसिंह मुंडा, आदि कई महिला-पुरुष शामिल थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

सूचना

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित निविदा संख्या **01/JMT/2024-25**, PR No. **326381, Relocation of Defunct Tube Well of 125 mm x 115 mm dia x 60 Mtr Deep Av) Drilled Tube Well complete with Installation of India Mark II H.P (IS 15500 Part-2/2004) etc all complete job in different blocks under D. W. & S. Division Jhumri Telaiya for 2024-25 On "Turn Key Basis"** को अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है।

(ई0 अनुज कुमार सिन्हा)
कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

PR 338995 Drinking Water and Sanitation(24-25)#D

दो चरण में चुनाव घोषणा का स्वागत लेकिन प्रथम चरण की तिथि पर पुनर्विचार करे चुनाव आयोग : कैलाश यादव

रांचीः प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा झारखंड में दो चरण में चुनाव कराने का स्वागत किया है लेकिन तिथि पर आपत्ति व्यक्त किया है . यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने राज्य में प्रथम चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 20 नवंबर को घोषित किया है लेकिन राजद की ओर से चुनाव आयोग को सुझाव है कि इस बीच हिन्दू धर्म का कई बड़ा त्यौहार है ,जिसमें 31अक्टूबर को दीपावली 2 नवंबर को भैयादूज एवं आस्था का महान पर्व छठ 6 एवं 7 नवंबर को होना है ! इसलिए चुनाव आयोग प्रथम चरण का चुनाव की तिथि 15 नवंबर के बाद घोषित करने पर पुनर्विचार करने पर निर्णय लेने चाहिए. यादव ने कहा कि चुनाव आयोग राज्य में समय से पूर्व चुनाव कराने का फैसला लिया लेकिन कहीं न कहीं स्पष्ट संकेत है कि झारखंड में दो चरण में तिथि निर्धारण में निश्चित रूप से बीजेपी के इशारे पर घोषणा की गई है इसलिए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कुछ सवाल भी खड़े होते हैं .

केंद्र सरकार के असंवेदनशीलता से राज्य में ओबीसी आरक्षण नहीं बढ़ा : राजेश गुप्ता

रांचीः केंद्र सरकार की असंवेदनशीलता के कारण राज्य में ओबीसी का आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव अभी तक अधर में लटका हुआ है। केंद्र सरकार अभिलंब ओबीसी का आरक्षण बढ़ाए। इसके लिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने पूरे 5 साल लगातार आंदोलन करते रहा है। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कही है। उन्होंने कहा कि कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियां में आरक्षण संशोधन विधेयक 2022 झारखंड विधानसभा द्वारा दिनांक 11.11.2022 को जो पारित किया गया था। उक्त विधेयक राज्यपाल सचिवालय झारखंड रांची के द्वारा माननीय राष्ट्रपति के समक्ष 14% से 27% आरक्षण बढ़ाने के लिए विचारार्थ रखने हेतु गृह मंत्रालय भारत सरकार को भेजा गया है। बावजूद केंद्र सरकार ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाए हुए हैं। जो झारखंड के ओबीसी समुदाय के लिए घोर निराशाजनक है। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा भारतीय जनता पार्टी से सवाल करता है कि ओबीसी हितैषी की बात करने वाली पार्टी ओबीसी के हक अधिकार देने के प्रति गंभीर क्यों नहीं है?

चुनाव तारीखों के एलान पर बोले बाबूलाल – झारखंड को बचाने का है यह चुनाव

रांचीः प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मैं चुनाव आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा का स्वागत करता हूं. झामुमो कांग्रेस राजद के जंगलराज से त्रस्त झारखंड की जनता-जनार्दन अब परिवर्तन चाहती है. यह चुनाव झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की अस्मिता को बचाने का चुनाव है. यह चुनाव आदिवासी समाज के अस्तित्व को घुसपैठियों से बचाने का चुनाव है. यह चुनाव युवा साथियों को नौकरी, रोजगार और न्याय दिलाने का चुनाव है. झारखंड के गरीब, किसान, महिलाओं को उनका हक दिलाने का चुनाव है. यह चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव है. पूरा विश्वास है कि इस विधानसभा चुनाव में झारखंड के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर लोक कल्याणकारी सरकार बनायेंगे.

हेमंत सरकार ने ऐसा दीपावली बम फोड़ा कि भाजपा की गोगो योजना चारों खाने हुई चित्त : कांग्रेस

रांचीः भाजपा के ताबड़तोड़ प्रहार और हताशा को नजरअंदाज कर झारखंड की इंडियन गठबंधन सरकार ने दीपावली के पूर्व ही ऐसा बम फोड़ा है कि भाजपा की गोगो दीदी योजना चारों खाने चित्त हो गयी. हेमंत सोरेन सरकार ने दिसंबर से मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि को 1000 से बढ़ाकर 2500 कर दी है. उक्त बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष सतीश कुमार मुंजनी ने कही.

भाजपा गोगो योजना से नहीं सकी तो ईडी का ले रही सहारा

सतीश कुमार मुंजनी ने कहा कि भाजपा ऐन केन प्रकरेण कर झारखंड की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है. इसके लिए वह ईडी का सहारा लेती है. भाजपा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न दलों के नेताओं के घर पर ईडी रेड करवाती है. इसका ताजा उदाहरण झारखंड सरकार के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के भाई विनय कुमार ठाकुर, आईएएस मनीष रंजन सहित विभाग के कई लोगों के 18 ठिकानों पर की गयी छापेमारी है. कहा कि झारखंड की जनता सारी चीजों को समझती है. पूर्व के चुनाव और उपचुनाव में जिस तरह गठबंधन ने भाजपा को धूल चटाई है. आसन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में उनका यही हश्र होने वाला है. मुंजनी ने कहा कि इस बार मतदाता किसी के बहकावे में नहीं आने वाली है.

झारखंड HC का निर्देश, सभी यूनिवर्सिटी के वीसी-रजिस्ट्रार 22 अक्टूबर को सशरीर हों उपस्थित

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के सभी यूनिवर्सिटी के वीसी और रजिस्ट्रार हाईकोर्ट के समक्ष 22 अक्टूबर को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है. घंटी आधारित शिक्षक प्रसिला सोरेन की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एस एन पाठक की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. सोमवार को प्रार्थी की ओर से कोर्ट में कहा गया कि राज्य के सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में घंटी आधारित शिक्षकों की एडहॉक नियुक्ति की जाती है. पूर्व में हाईकोर्ट ने कहा था कि ऐसी नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए. जिसपर अदालत ने कहा कि घंटी आधारित शिक्षकों को नियमित शिक्षकों की तुलना में कम वेतन मिलता है और इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है. इसका असर यह भी होता है कि राज्य के छात्रों और शिक्षको का पलायन दूसरे राज्यों में होता है. वहीं अदालत ने JPSC से पूछा है कि शिक्षकों के कितने पद खाली हैं, कितने पद भरने के लिए JPSC ने पहल की है. इस मामले में प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने बहस की.

सड़क दुर्घटना में मृत वकील के परिजनों को 50.90 लाख मुआवजा देने का आदेश

झारखंड हाईकोर्ट ने सड़क दुर्घटना में मृत अधिवक्ता के परिजनों को 50 लाख 90 हजार 176 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है. साथ ही कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दी है, जिसमें उसने मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें इंश्योरेंस कंपनी को सड़क दुर्घटना में मारे गये वकील के परिवार को मुआवजा देने का आदेश दिया गया था. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, एफआईआर, चार्जशीट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना का तथ्य पर्याप्त रूप से सिद्ध है. इसलिए कंपनी की याचिका खारिज की जाती है.

ऑप्यूलेंट दिवाली और ब्राइडल बाज़ार का हुआ शानदार उद्घाटन

रांची : होटल रैडिसन ब्लू, रांची में दो दिवसीय ऑप्यूलेंट दिवाली और ब्राइडल बाज़ार का भव्य उद्घाटन मंगलवार को हुआ. कार्यक्रम की शोभा **विशेष अतिथि एक्ट्रेस युक्ति कपूर** ने बढ़ाई, जो लोकप्रिय टीवी शो *मैडम सर* में करिश्मा सिंह की भूमिका के लिए जानी जाती हैं. उद्घाटन **मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी** द्वारा किया गया, जिन्होंने इस अद्भुत फैशन प्रदर्शनी की सराहना की। यहां देशभर के मशहूर डिज़ाइनर्स के शानदार संग्रह पेश किए गयें हैं. जहां आप करवा चौथ धनतेरस दिवाली और वेडिंग जोरदार खरीददारी कर सकते हैं.

समारोह की शुरुआत **अपग्रेडेड प्राइमरी स्कूल, सिंदवार टोला, रांची** के बच्चों द्वारा, **लायंस क्लब रांची समर्पण** के सहयोग से प्रस्तुत स्वागत नृत्य से हुई, जिसने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मौके पर युवा समाजसेवी सह भोजपुरी गायक, आशुतोष द्विवेदी , यूनिवर्सल इंडिया इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट की फर्स्ट रनरअप रिद्धिमा मित्तल उपस्थित रहीं.

प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षणः

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, वाराणसी, बेंगलुरु, कश्मीर और रांची के प्रसिद्ध डिज़ाइनरों का नवीनतम संग्रह।

हर शैली के लिए खास डिज़ाइन किए गए परिधान।

हर घंटे **लकी ड्रा**, जिसमें चांदी के सिक्के पुरस्कार के रूप में दिए जा रहें हैं.

प्रदर्शनी में शामिल डिज़ाइनर कलेक्शनः

आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला।

डिज़ाइनर एथनिक वेयर, जिसमें सूट, कुर्तियाँ, साड़ियाँ, लहंगे और ब्राइडल वेयर शामिल हैं।

प्रदर्शनी में विशेष **विंटर कलेक्शन** भी प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसमें लक्ज़री कोट, जैकेट, स्वेटर और कार्डिगन शामिल हैं।

यहां Embellish Skin स्टॉल घरेलू स्किनकेयर ब्रांड है जो रासायनिक मुक्त उत्पादों से बनाया गया है। पौष्टिक साबुनों और कोमल जैविक क्लींजर से लेकर कुमकुमादी तेल जैसे शानदार फेशियल ऑयल तक, हर उत्पाद शुद्ध और प्राकृतिक स्किनकेयर देने के लिए सावधानी से तैयार किया गया है।

वहीं डिजायनर एवं सिल्क की साड़ियों का अद्भुत कलेक्शन उपलब्ध है, इसके साथ ही, **द पॉश** द्वारा **दिवाली बोनांजा** प्रस्तुत किया गया है, जिसमें हैंड एम्ब्रॉइडेड बेड कवर, कॉटन सैटिन बेड कवर, प्रिंटेड बेडशीट्स और कस्टम बेड कवर शामिल हैं। *The wrap studio द्वारा उपहार प्रायोजित किए गए हैं,एक्ट्रेस **युक्ति कपूर** का मेकओवर **लुक्स सैलून, रतू रोड** द्वारा किया गया है।

एग्जीबिशन की डायरेक्टर रीना अग्रवाल ने बताया रांची के फैशन प्रेमियों ने इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया,उन्होंने सभी को सादर आमंत्रित किया है कहा कि वे इस अद्भुत प्रदर्शनी का हिस्सा बनें।

झारखंड के जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल खत्म,काम पर लौटे

रांचीः कोलकाता की घटना को लेकर जहां एक तरफ कोलकाता में डॉक्टरों का आंदोलन 2 महीने से जारी है. वहीं करीब 200 घंटे से सभी डॉक्टर भूख हड़ताल पर हैं. वहीं अब इस आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है. मंगलवार से आईएमए, जेडीएन और एफएआईएमए के आह्वान पर डॉक्टरों ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन की शुरुआत की है. इस आंदोलन का समर्थन रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने भी किया. मंगलवार सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक के लिए भूख हड़ताल की थी. लेकिन जेडीए रिम्स ने झारखंड में घोषित होने वाले आदर्श आचार संहिता को लेकर डब्ल्यूबीजेडीएफ (आरजी कार मामले के लिए) के साथ एकजुटता में आईएमए (जेडीएन और एमएसएन) और एफएआईएमए द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय भूख हड़ताल वापस ले लिया है. इससे पहले भूख हड़ताल की वजह से रिम्स की तमाम ओपीडी और ओटी सेवाएं बंद थी. जिसे अब बहाल कर दिया गया है. हालांकि जूनियर डॉक्टरों ने आपातकालीन सेवाएं पहले भी बहाल रखने का निर्णय लिया था. हड़ताल के कारण मरीज भी बेहद परेशान नजर आ रहे थे, जो अब राहत की सांस ले रहे हैं. दूर-दराज से आए इलाज के लिए आए लोग पहले लौट रहे थे, लेकिन अब इलाज शुरू होने से उन्हें राहत मिली है.

क्षेत्रीय लेखा कार्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

रांचीः क्षेत्रीय लेखा कार्यालय, आयकर विभाग, सी. बी. डी. टी., वित मंत्रालय, मेन रोड राँची, स्थित कार्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा का आज समापन किया गया जो कि 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक कार्यक्रम चलाया गया। जिसके अंतर्गत क्षेत्रीय लेखा अधिकारी अमित कुमार गुप्ता एवं सहायक लेखा अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं प्रेम प्रकाश और नोडल ऑफिसर सैफुल हक़ के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान कार्यालय के प्रांगण में चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से हरेन्द्र कुमार, राकेश कुमार झा, अखिलेश कुमार, नरेश कुमार महतो, विकास कुमार, कुमारी ज्योति रंजना, अजीत कुमार, सुशीला सांगा इत्यादि ने अपना योगदान दिया ।

इंटर स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

रांचीः सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी में इंटर स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

इस खेलकूद प्रतियोगिता मे सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल नॉज,(ठाकुरगाँव)रांची एवं सेक्रेड नॉलेज प्ले स्कूल,बेड़ो रांची के लगभग 400 बच्चों ने कबड्डी,खो-खो,चम्मच दौड़,बिस्किट दौड़,वाद विवाद,चित्रकला,भाषण प्रतियोगिता आदि मे भाग लिया।विशेषज्ञ शिक्षकों के देखरेख में सभी प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। जिसमें कबड्डी,खो-खो, चित्रकला,भाषण,बिस्कुट दौड़, चम्मच दौड़ एवं वाद विवाद प्रतियोगिता में सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी लोहरदगा के बच्चों ने बाजी मारकर प्रथम स्थान पर रहे जबकि सेक्रेट नॉलेज प्ले स्कूल बेड़ो,रांची एवं सेक्रेट नॉलेज पब्लिक स्कूल नॉज (ठाकुरगांव) रांची के बच्चे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप मे छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक छत्रपाल राम उस्ताद,कांजो मध्य विद्यालय के भूतपूर्व प्रधानाचार्य शंभू कुमार राणा जी की गरिमामय उपस्थिति रही।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी के निदेशक अमित कुमार ने अपने संबोधन मे कहा बच्चे देश के भविष्य हैं,बच्चे के बीच ऐसे प्रतियोगिता के आयोजन होने से बच्चों मे अपनी कमियों अपनी खूबियों को जानने का अवसर मिलता है।भविष्य मे भी विद्यालय मे इस तरह का प्रतियोगिता का आयोजन होते रहेगा जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभाओं को दिखाने का अवसर मिलता रहेगा।सेक्रेड नॉलेज प्ले स्कूल बेड़ो के निर्देशक संजय कुमार ने कहा खेल में हार जीत लगी रहती है जो हार गए उसे हताश नहीं होना है और जो जीत गए उसे अति उत्साहित भी नहीं होना है,खेल के जैसा ही जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता है और उसे पूरा करने के लिए हमें गतिशील रहने की आवश्यकता है।सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल नॉज के निदेशक विष्णु कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा पढ़ाई के साथ-साथ खेल खुद भी बहुत ही महत्वपूर्ण है खेलकूद हमें अनुशासित रखता एवं जीवन में आगे की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने बच्चों के उत्साहवर्धन करते हुए कहा झारखंड के अनेक बच्चों ने खेलकूद के क्षेत्र मे झारखंड का नाम देश मे रौशन किया है केवल इन बच्चों को दिशा निर्देश एवं गाइड की आवश्यकता है वहीं भूतपूर्व प्राचार्य शंभू कुमार राणा ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से विद्यालय के शिक्षक लक्ष्मी शर्मा,मार्था लकड़ा,गुलशन कुमार,राहुल सिंह,तुषार खन्ना,नीलम कुमारी,अर्चना लकड़ा,पूजा कुमारी,नीरू खालको,पंकज कुमार आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक ने हैदरनगर कबरा कला मुख्य सड़क में परता गांव के समीप पुल निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

रांचीः भाजपा के वरिष्ठ नेता सह हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने मंगलवार को हैदरनगर कबरा कला मुख्य पथ में परता गांव के समीप मुरही नदी पर पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस सड़क का निर्माण पहले से चल रहा है। ग्रामीणों की मांग पर पुल निर्माण कार्य को स्वीकृत कराकर मंगलवार से कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। जर्जर पुल होने की वजह ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी। विधायक ने पुल निर्माण कार्य के अलावा विधायक कोटा की अन्य कई योजनाओं का भी ऑनलाइन शिलान्यास कर कार्य प्रारंभ कराया। शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की एक एक सड़क पुल पुलिया का निर्माण कराने का काम किया है। इसके साथ ही जानता की हर एक समस्या के समाधान का ईमानदारी के साथ समाधान किया। हो सकता है कुछ काम नहीं हो सके होंगे। मगर सड़क स्वास्थ्य शिक्षा के साथ साथ गली नाली चबूतरा विवाह मंडप आदि जनता की मांग पर पूरा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरिहरगंज हुसैनाबाद की जनता उनके परिवार के सदस्य हैं। उनकी समस्या का समाधान करना उनका दायित्व है। शिलान्यास कार्यक्रम मे विधायक का फूल माला गाजा बाजा के साथ स्वागत किया गया। भाजपा नेता विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह ने कहा कि विधायक ने सम्पूर्ण इलाके का बिना भेद भाव कार्य किया है। जिससे सभी जात धर्म व समुदाय के लोगों को फायदा हो रहा है। हुसैनाबाद में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क व बिजली के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। दोनों कार्यकाल के दौरान उन्होंने जो कार्य किया है, उससे जनता वाकिफ है। शिलान्यास के मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित थे।

झामुमो ने मंईयां सम्मान की राशि बढ़ने पर निकाला विजय जुलूस

रांचीः मंईयां सम्मान योजना को एक हजार रूपए से बढ़ाकर 2500 रूपए करने की खुशी में झामुमो ने विजय जुलूस निकाला. राजधानी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार का आभार प्रकट करने हुए जिला स्कूल से अलबर्ट एक्का चौक तक विजय जुलूस निकाल कर हेमंत सरकार को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दृढ़ संकल्प का परिणाम है. उन्होंने यहां की बेटियां, बहनों और महिलाओं के लिए बहुत ही संवेदनशील होकर सोचा और उन्हें मुख्य धारा से जुड़ने के लिए 2500 रुपए की सम्मान राशि की योजना देने का काम किया.

मंईयां सम्मान योजना की तीन किस्त राज्य की 52 लाख से भी अधिक महिलाओं के खाते में जा चुकी है और इसी दिशा में उन्हें सशक्त करने के लिए 2500 की सम्मान राशि महिलाओं को दी जाएगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो कहते हैं वो करते हैं, भाजपा की तरफ फर्जी घोषणा और योजना नहीं लाते. समनूर मंसूरी, अश्विनी शर्मा, जनक नायक, बीरू साहू, कलाम आजाद, रामानंद बेदिया,डॉ हेमलाल कुमार मेहता, नयन तारा उरांव, राखी देवी, अंशु लकड़ा, उषा उरांव, संध्या गुड़िया, सुषमा बरदेवा, राधा हेंब्रम, पुष्पा बरदेवा, फरीद खान, सबीबुल रहमान, परवेज़ आलम गुड्डू, विलयम रिचर्ड लकड़ा आदि उपस्थित थे.

झारखंड बनने के बाद अब तक हुए 4 चुनाव, 13 मुख्यमंत्रियों ने ली शपथ, 3 बार लगा राष्ट्रपति शासन

रांचीः बिहार से अलग होकर 15 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आए झारखंड राज्य को अभी 24 साल भी पूरे नहीं हुए हैं. इस दौरान 4 बार विधानसभा के चुनाव हुए हैं. राज्य ने 24 साल में प्रदेश में 13 मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण देखे हैं. 3 बार प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग चुका है. 3-3 मुख्यमंत्रियों ने 3-3 बार पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. वर्ष 2009 से 2013 के बीच 3 बार राष्ट्रपति शासन लगा है. झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 से पहले आइए, जान लेते हैं कि अब तक कौन-कौन झारखंड के मुख्यमंत्री बने. कब-कब सीएम बने और कितना लंबा रहा उनका कार्यकाल.

बाबूलाल मरांडी बने झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री

बाबूलाल मरांडी ने रामगढ़ विधानसभा सीट से वर्ष 2000 में उपचुनाव लड़ा था. चुनाव लड़ने से पहले उन्होंने 15 नवंबर 2000 को झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी. वह 18 मार्च 2003 तक मुख्यमंत्री रहे. उनका कार्यकाल 2 साल 123 दिन का था.

बाबूलाल मरांडी के बाद अर्जुन मुंडा ने ली सीएम पद की शपथ

झारखंड के दूसरे मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा खरसावां विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे. बाबूलाल मरांडी के इस्तीफा देने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अर्जुन मुंडा को झारखंड का मुख्यमंत्री बनाया था. अर्जुन मुंडा ने 18 मार्च 2003 को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. वह 2 मार्च 2005 तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे. उनका कार्यकाल 1 साल 349 दिन का रहा.

मात्र 10 दिन तक मुख्यमंत्री रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के तीसरे मुख्यमंत्री बने. उन्होंने 2 मार्च 2005 को मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. महज 10 दिन बाद 12 मार्च 2005 को उनको अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था.

शिबू सोरेन के बाद फिर अर्जुन मुंडा बने चीफ मिनिस्टर

शिबू सोरेन के इस्तीफा देने के बाद अर्जुन मुंडा फिर मुख्यमंत्री बने. 12 मार्च 2005 को उन्होंने शपथ ली. 18 सितंबर 2006 तक वह इस पद पर रहे. इस बार उनका कार्यकाल 1 साल 190 दिन का रहा.

कांग्रेस के समर्थन से निर्दलीय मधु कोड़ा बने मुख्यमंत्री

18 सितंबर 2006 को कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन से मधु कोड़ा 18 सितंबर 2006 को झारखंड के मुख्यमंत्री बने. वह जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे. उनका कार्यकाल 27 अगस्त 2008 तक रहा. वह 1 साल 343 दिन झारखंड के मुख्यमंत्री रहे.

शिबू सोरेन फिर मुख्यमंत्री बने, 145 दिन तक पद पर रहे

27 अगस्त 2008 को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन फिर सूबे के मुख्यमंत्री बने. इस बार उनका कार्यकाल 145 दिन का रहा. वह 19 जनवरी 2009 तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे. वर्ष 2009 में हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में जामताड़ा से चुनाव जीतने वाले शिबू सोरेन 30 दिसंबर 2009 को फिर झारखंड के मुख्यमंत्री बने. इस बार वह 1 जून 2010 तक पद पर रहे. इस बार उनका अब तक का सबसे लंबा 153 दिन का कार्यकाल रहा.

शिबू सोरेन के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा. 1 जून 2010 से 11 सितंबर 2010 तक यानी 102 दिन तक झारखंड में राष्ट्रपति शासन रहा.

मुख्यमंत्री के रूप में तीसरी बार हुई अर्जुन मुंडा की ताजपोशी

11 सितंबर 2010 को अर्जुन मुंडा की झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में ताजपोशी हुई और राष्ट्रपति शासन का समापन हुआ. अर्जुन मुंडा भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए. 18 जनवरी 2013 को एक बार फिर झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगा, जो 13 जुलाई 2013 यानी 176 दिन तक रहा.

हेमंत सोरेन पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने

इसके बाद दुमका विधानसभा सीट से निर्वाचित झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन 13 जुलाई 2013 से 28 दिसंबर 2014 तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे. मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल 1 साल 168 दिन का रहा.

रघुवर दास सीएम बने, कार्यकाल पूरा करने वाले पहले मुख्यमंत्री बने

वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी ने रघुवर दास के नेतृत्व में सरकार का गठन किया. रघुवर दास पूर्वी सिंहभूम जिले की जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से जीतकर विधायक बने थे. उन्होंने 28 दिसंबर 2014 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. वह 29 दिसंबर 2019 तक पद पर रहे. इस तरह झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल पूरा करने वाले वह एकमात्र सीएम हैं. वह 5 साल 1 दिन तक पद पर रहे.

महागठबंधन ने चुनाव जीता, हेमंत सोरेन दूसरी बार सीएम बने

वर्ष 2019 के चुनाव में रघुवर दास के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही भाजपा 25 सीटों पर सिमट गई. झामुमो ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा और बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया. दुमका और बरहेट से विधानसभा का चुनाव जीतने वाले हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बने. हेमंत सोरेन ने बाद में दुमका विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने 29 दिसंबर 2019 को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. हालांकि, एक जमीन घोटाला मामले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी से पहले हेमंत सोरेन ने सीएम के पद से इस्तीफा दे दिया. वह 29 दिसंबर से 2 फरवरी 2024 तक सीएम रहे. इस तरह उनका यह सबसे लंबा कार्यकाल रहा, जो 4 साल 35 दिन का था.

संक्षिप्त ख़बरें

गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई के मध्य नई ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (ईएमएस)। गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन 22358/22357 गया-लोकमान्य तिलक-गया एक्सप्रेस का नियमित परिचालन गया से दिनांक 23 अक्टूबर से प्रत्येक बुधवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई से दिनांक 25 अक्टूबर से प्रत्येक शुक्रवार को किया जाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि गाड़ी सं. 22358 गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस गया से प्रत्येक बुधवार को 19.00 बजे खुलकर 20.15 बजे कोडरमा, 21.20 बजे हजारीबाग टाउन, 22.30 बजे बरकाकाना, 23.34 बजे मेसरा रूकते हुए गुरूवार को 00.05 बजे रांची, 00.25 बजे हटिया, 03.10 बजे राउरकेला, 04.53 बजे झारसुगडा, 05.52 बजे रायगढ़, 08.00 बजे बिलासपुर, 09.55 बजे रायपुर, 10.55 बजे दुर्ग, 12.57 बजे गोंदिया, 14.55 बजे नागपुर, 15.58 बजे वर्धा, 18.16 बजे बडनेरा, 19.15 बजे अकोला, 21.25 बजे भुसावल, 21.58 बजे जलगांव, शुक्रवार को 01.42 बजे नासिक रोड एवं 04.47 बजे कल्याण रूकते हुए 05.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 22357 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गया एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल से प्रत्येक शुक्रवार को 13.15 बजे खुलकर उपरोक्त स्टेशनों पर रूकते हुए शनिवार को 15.50 बजे हटिया, 16.20 बजे रांची, 17.08 बजे मेसरा, 18.00 बजे बरकाकाना, 19.10 बजे हजारीबाग टाउन एवं 20.15 बजे कोडरमा रूकते हुए 22.50 बजे गया पहुंचेगी। इस नई ट्रेन में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के 03 कोच, शयनयान श्रेणी के 06 कोच तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे। अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, मेसरा, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगडा, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, बडनेरा, अकोला, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी।

झारखंड में 2 नहीं 11 सीटों पर लड़ेगी जेडीयू: खीरू महतो

पटना (ईएमएस)। झारखंड विधानसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा से पहले झारखंड जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो का बड़ा बयान सामने आया है। महतो के बयान से एनडीए के अंदर जेडीयू-बीजेपी के संबंधों में खटास आ सकती है। दरअसल महतो ने कहा है कि जदयू ने झारखंड में 11 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। अभी सीट को लेकर बातचीत जारी है।दरअसल झारखंड चुनाव प्रभारी और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा झारखंड में जदयू को दो सीट देने की बात कर रहे है। सरमा के बयान के बाद महतो ने यह बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने 11 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह दी है। महतो ने कहा कि कौन क्या बोलता है इससे फर्क नहीं पड़ता है।हालांकि झारखंड जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष महतो ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला जदयू के आलाकमान को करना है।बता दें, इसके पहले एनडीए के अंदर जेडीयू को 2 सीट देने की चर्चा थी। इसके लिए 2 उम्मीदवार राजा पीटर और सरयू राय के नाम की भी चर्चा होने लगी थी। लेकिन, महतो के बयान झारखंड में एनडीए के अंदर जेडीयू और बीजेपी के रिश्तों में खटास की बात भी सामने आने लगी है। बता दें, झारखंड में जीतन राम मांझी और चिराग पासवान ने पहले ही अपनी दावेदारी पेश कर दी है।वहीं मामले पर जदयू के झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अभी बातचीत अभी फाइनल नहीं हुई है। बता दें, झारखंड चुनाव की घोषणा से पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की झारखंड जेडीयू के चुनाव प्रभारी चौधरी की बैठक खत्म हो गई है।

यशी सिंह का केस पटना हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपा

मुजफ्फरपुर (ईएमएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से जुड़ा एक और केस अब सीबीआई के हवाले हुआ है। वहीं सीबीआई की टीम ने मामले की जांच भी शुरू कर दी हैं। दरअसल केस मुजफ्फरपुर के चर्चित एमबीए छात्रा यशी सिंह के गायब होने से जुड़ा है। पटना हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने यशी के गायब होने से जुड़े मामले की पड़ताल शुरू कर दी हैं। सीबीआई की टीम केस दर्ज मामले की छानबीन में जुट गई है। इसके लिए सीबीआई इंस्पेक्टर मुकेश कुमार पांडे ने यशी के केस से संबंधित जानकारी जुटाई। वहीं इससे पहले यह केस सीआईडी के पास था। लेकिन, सितंबर महीने में पटना हाईकोर्ट ने केस को सीबीआई के हवाले कर दिया।दरअसल भगवानपुर में अपने नाना-नानी के घर पर रहकर एमबीए की पढ़ाई करने वाली 23 वर्षीय यशी सिंह 12 दिसंबर को अपने घर से महज 500 मीटर दूरी पर कॉलेज के लिए निकली थी। उसके बाद से यशी अचानक गायब हो गई। जानकारी के अनुसार यशी कॉलेज भी नहीं पहुंची थी। परिजनों ने सब जगह तलाश की। लेकिन, यशी का कोई सुराग नहीं मिला, तब जाकर घटना के 4 दिन बाद यशी के नाना राम प्रसाद राय ने 16 दिसंबर को अज्ञात के खिलाफ यशी के अपहरण करने का आरोप लगाकर केस दर्ज कराया। लेकिन, अब तक यशी कहां गायब हुई इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। यशी के पिता संजय कुमार लखीसराय के रहने वाले हैं, जो राइट्स में इंजीनियर के पद पर हैं। वहीं यशी की मां रश्मि सिंह गृहणी है और अपने पिता के घर पर मुजफ्फरपुर में ही रहती हैं। यशी के नाना रामप्रसाद राय साहेबगंज कॉलेज के प्रिंसिपल से रिटायर्ड हैं। वहीं नानी भी कॉलेज की प्रोफेसर थी। यशी के मामा मधुबनी के जज हैं।जब यशी गायब हुई थी। तब यशी को लेकर कई तरह की खबर सामने आई थी। यशी के फेसबुक अकॉउंट के माध्यम से परिजनों ने कई पॉइंट्स जुटाकर पुलिस को दिये। उसके माध्यम से कई लोगों पर यशी के गलत नियत अपहरण का आरोप लगा, जिसमें बताया गया कि यशी को रेड लाइट एरिया में बेचा गया है, जिसके बाद पुलिस की टीम ने मुजफ्फरपुर के चतुर्भुज स्थान में छापेमारी भी की थी। हालांकि इस लेकर विशेष कुछ सफलता नहीं मिली।

मूर्ति विसर्जन जुलूस में लगाए आपत्तिजनक नारे, पुलिस ने किया डीजे जब्त

150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पटना,(ईएमएस)। बिहार के कैमूर जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के जुलूस में आपत्तिजनक नारे लगाए गए। इस संबंध में कैमूर जिला अधिकारी और कैमूर एसपी के निर्देश पर थाने में 24 नामजद और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही जुलूस में इस्तेमाल किए जा रहे डीजे को भी जब्त कर लिया है।कुदरा पुलिस ने थाना परिसर में पहले ही शांति समिति की बैठक की थी। बैठक में डीजे पर रोक लगा दी थी। किसी भी तरह के आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कुछ लोगों ने ऐसी हरकत की। इस पर पुलिस ने कार्रवाई की है। घटना की जानकारी मिलते ही कैमूर डीएम सावन कुमार, एसपी ललित मोहन शर्मा, एसडीएम राकेश कुमार सिंह और डीएसपी प्रदीप कुमार कुदरा थाने पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश भी दिए गए। कुदरा थाने में 24 नामजद और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।डीएसपी ने बताया कि कुदरा प्रखंड मुख्यालय में दुर्गा पूजा की प्रतिमा का विसर्जन के दौरान कुछ लोगों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए आपत्तिजनक नारे लगाए। इसे देखते हुए डीजे को जब्त कर लिया गया है और 24 लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है, साथ ही 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

जंगली हाथियों ने गांव में मचाया आतंक,

पटना,(ईएमएस)। पश्चिम चम्पारण वाल्मिकि टाइगर रिज़र्व से सटे गांवों में जंगली हाथियों का खौफ छाया हुआ है। विगत दिवस देर रात क़रीब आधा दर्जन जंगली हाथियों का झुंड वीटीआर से सटे बिसहा गांव के नजर आया जिसके बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। नेपाल के चितवन से आए जंगली हाथियों ने खेतों में खड़ी धान और गन्ने की फसल को बर्बाद कर दिया। अपनी फसल बर्बाद होते देखते ग्रामीणों ने मशाल जलाया और शोर मचाते हुए हाथियों को खदेड़ा। गनीमत रही कि कुछ देर की अफरा तफरी के बाद जंगली हाथियों से गांव को बड़े नुकसान से बचा लिया।ग्रामीणों का कहना है हाथी पहले खेतों में घुसकर करीब दस एकड़ में फैली फसलों को रौंद दिया। उनकी गन्ने और धान की खड़ी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई। ऐसे में उनमें आक्रोश पैदा हो हो गया। देखते ही देखते हाथियों का झुंड गांव की बस्ती की ओर बढ़ने लगा। ग्रामीणों ने तुरंत एकजुट होकर मशालें जलाईं और शोर मचाते हुए हाथियों को खदेड़ने लगे। लोगों और मशालों को देखकर हाथी जंगल लौट गए। ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ी घटना टल गई।वाल्मीकि नगर रेंजर ने बताया कि प्रभावित फसलों का सर्वे कराया जा रहा है, जिसके बाद किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा।

एनडीए गठबंधन में फिर तनाव

हरिभूषण ने की सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग

पूर्णिया,(ईएमएस)। बिहार में एनडीए गठबंधन में फिर तनाव नजर आ रहा है। तनाव की वजह बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल की सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग है। बचौल का कहना है कि सीमांचल में हिंदुओं की सुरक्षा को खतरा है। जेडीयू ने बचौल के बयान की आलोचना करते हुए बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द का दावा किया है।गठबंधन में विवाद उस समय शुरू हुआ जब बीजेपी विधायक बचौल ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि सीमांचल के किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार जिलों को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इन इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों का कब्जा है और हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। बचौल ने कहा कि धर्म के नाम पर देश का विभाजन हुआ था। भारत हिंदू राष्ट्र तो पाकिस्तान मुस्लिम राष्ट्र बना। इसलिए सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए।उन्होंने कहा कि सीमांचल में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। बचौल के बयान पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई बिहार में मिलकर रहते आए है और रह रहे हैं। बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द का वातावरण है। बचौल के बयान का कोई औचित्य नहीं है। इसके अलावा, राजीव रंजन ने हाल ही में मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भी बयान दिया।उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी का जन्म बिहार में हुआ था। उनका बिहार से गहरा जुड़ाव था। मौत-हत्या पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हर हत्या-मौत न सिर्फ उस परिवार की क्षति है बल्कि उनसे जुड़े लोग भी ऐसी घटनाओं से दुखी होते हैं। बाबा सिद्दीकी के हत्यारों को कठोर सजा मिलनी चाहिए।बता दें कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सीमांचल को लेकर पहले से ही मुखर रहे हैं। बेगूसराय सांसद अब इन इलाकों में यात्रा करने वाले हैं। यात्रा से पहले बीजेपी विधायक बचौल की इस मांग को लालू यादव और नीतीश कुमार से जोड़कर देख जा रहा है। माना जा रहा है कि अगर सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है तो सियासी तौर पर नीतीश और लालू सेट हो जाएंगे। फिलहाल बचौल के बयान पर बिहार का सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

मेला देखने गए युवक का तालाब में मिला शव

सहरसा : सहरसा जिले के बसनही थानाक्षेत्र में सोमवार को एक युवक का शव तालाब में उतराता मिला। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान तमकुल्हा गांव के वार्ड-11 निवासी रामचंदर शर्मा के बेटे शिपू शर्मा (24) के रूप में हुई है। युवक का शव बरामद होने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार, मृतक अपने पीछे चार साल और दो साल की दो बच्चियों को छोड़कर गया है। वहीं, घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि हम लोगों को पता चला कि वह मेला घूमने गया। फिर वहां से अपनी बहन के घर गया है। जब शाम तक नहीं आया तो हम लोगों ने खोजबीन की।

इसी दौरान गांव के एक व्यक्ति ने बताया कि तालाब में एक शव उतरा रहा है। उसकी सूचना पर जब शव को देखा तो शव शिपू शर्मा का निकला। उसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को सोमवार की देर रात पानी से बरामद कर मंगलवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

आरा में डबल मर्डर से सनसनी

आरा, (ईएमएस)। बिहार के भोजपुर जिले के आरा में दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैली हुई है। बताया गया है कि पुलिस ने दो दोस्तों का शव बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को आरा के आनंद नगर मोहल्ला निवासी 18 वर्षीय रजनीश कुमार सिंह अपने दोस्त 27 वर्षीय रौशन कुमार के साथ घूमने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन सोमवार को उनका शव चवरिया गांव स्थित आहर से बरामद किए गए। मृतक रजनीश 12 अक्टूबर को विजयदशमी के दिन अपने दोस्त रौशन के साथ घर से निकला था। जब काफी देर तक वह घर नहीं लौटा, तो मां ने उसे फोन किया। फोन पर उसने बताया कि वो एकवारी गांव में प्रकाश भईया के पास है। इसके बाद से दोनों का फोन बंद हो गया। परिजनों ने स्थानीय थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सोमवार को पुलिस ने सूचना दी कि दोनों युवकों के शव आहर से मिले हैं।

जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि शवों पर चोट के गहरे निशान थे, जिससे यह साफ हो रहा है कि उनकी हत्या की गई है। रजनीश की मां और पिता का कहना है कि कुछ महीने पहले रजनीश का एक निजी स्कूल में करमन टोला निवासी रोहित कुमार से विवाद हुआ था, जिसमें रोहित ने रजनीश को जान से मारने की धमकी दी थी। परिजनों को शक है कि उसी विवाद को लेकर रजनीश और रौशन की हत्या की गई है। उधर घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल मन पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों को सौंप दिया।

कैबिनेट बैठक में 22 प्रस्ताव पास

पटना : मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 22 एजेंडों पर कैबिनेट ने मुहर लगाईं है। बैठक में मोकामा को विशेष सौगात दी गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोकामा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि युवक-युवतियों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने 43 पदों को सृजन किए जाने की भी मंजूरी दी है। 2024-25 में सवा करोड़ तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2 करोड़ 39 लाख रुपये की खर्च सरकार वहां करेगी।

बिहार पुलिस अब होगा हाईटेक

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार पुलिस को हाईटेक बनाने के प्रस्ताव पर मुहर लगाया है। उन्होंने कहा कि अब बिहार की पुलिस को लैपटॉप और स्मार्ट फोन से लैस कर दिया जायेगा ताकि केस की जांच में तेजी लाने के लिए आईओ को हाईटेक बनाया जा सके और केस का अनुसंधान तुरंत किया जा सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार पुलिस को हाईटेक बनाने के पीछे मंशा यह है कि केस का अनुसंधान में जुटे पुलिस अधिकारी तुरंत जटिल से जटिल केस को भी तुरंत संपादित का सकें। कैबिनेट ने इसके लिए 190 करोड़ 63 लाख रुपए स्वीकृत की है।

जंगल में पशु चराने गई महिला से दुष्कर्म

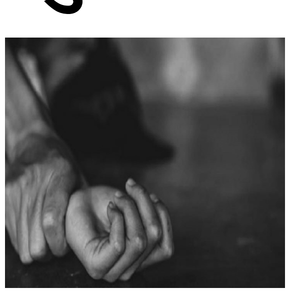

नवादा : नवादा जिले के सिरदला थानाक्षेत्र में एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां एक 40 वर्षीय महिला से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। यह घटना सिरदला थानाक्षेत्र के एक गांव के पास स्थित एक बधार (खेत) में हुई, जहां महिला पशु चराने गई थी। घटना के आरोपी युवक रामअवतार चौधरी को ग्रामीणों ने मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, महिला रोजाना की तरह जानवर चराने के लिए बंगला पर स्थित बधार में गई थी। इसी दौरान परतापुर गांव निवासी रामअवतार चौधरी (पिता कुलेशर चौधरी) ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ छेड़खानी की और फिर दुष्कर्म का प्रयास किया। जब महिला ने विरोध किया, तो रामअवतार ने पहले उसके साथ मारपीट की और फिर जबरन दुष्कर्म किया। वहीं, महिला की चीख-पुकार को अनसुना कर आरोपी युवक ने वीभत्स तरीके से उसके कई अंगों को दांतों से काटकर लहूलुहान कर दिया। यहां तक कि उसने महिला के हाथ की उंगली भी चबा डाली। लगभग आधे घंटे तक आरोपी ने महिला को नोच-खसोट कर उसकी अस्मिता को तार-तार किया। इधर, महिला की चीखें सुनकर आस-पास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने आरोपी की जमकर पिटाई की और उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम और सिरदला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। साथ ही, गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए सिरदला पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) में भर्ती कराया गया।सिरदला थाना अध्यक्ष संजीत राम ने पीएचसी पहुंचकर पीड़ित महिला का बयान दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम भेजकर जांच की। महिला का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया और पुलिस ने आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नवादा के पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने बताया कि महिला जंगल में पशु चराने गई थी, तभी आरोपी ने उसे अकेला पाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। महिला के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस की तत्परता से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और महिला को अस्पताल में भर्ती कराकर उसका इलाज शुरू कर दिया गया है।इस दर्दनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है। लोग दुष्कर्म जैसी गंभीर घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई जारी रखते हुए आरोपी को जेल भेज दिया है।

पोखर में डूबने से 7 साल के मासूम की मौत

पूर्णिया : पूर्णिया में खेलने के दौरान पोखर में डूबने से सात वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। घटना पूर्णिया जिले के डगरूआ थाना क्षेत्र के लालबालू की है। मृतक बालक की पहचान डगरूआ थाना क्षेत्र के लालबालू गांव निवासी दिलीप बढ़ई के सात वर्षीय पुत्र प्रतीक बाला के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक बालक के मामा दीपक बढ़ई ने बताया कि प्रतीक बाला के पिता प्रलय बाला मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रायगंज निवासी थे। पांच साल पूर्व बीमारी की वजह से उनकी मौत हो गई थी। उसके बाद प्रतीक बाला अपने मां दीपाली बाला के साथ पूर्णिया में ही रहने लगा। सोमवार देर शाम पोखर के पास खेल रहा था। खेलने के दौरान पोखर में कब डूबा यह हम सब को पता नहीं चला। शाम के समय घर में नहीं दिखने पर आसपास काफी खोजबीन किए इसके बाद भी कुछ पता नहीं चला। जब घर के पीछे पोखर के पास गया तो देखा कि प्रतीक का चप्पल बाहर में है। उसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से पोखर में तीन घंटे तक लगातार खोजबीन करने के बाद प्रतीक का लाश मिली। प्रतीक का लाश पोखर में मिलने के बाद घर में मातम पसरा हुआ है। प्रतीक की मां का रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस घटनास्थल पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। डगरूआ थाने की पुलिस ने बताया कि खेलने के दौरान पोखर में डूबने से एक 07 वर्षीय बालक की मौत हुई। मौत के बाद लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

नौकरी छोड़ चंदन राज ने भारत में शुरू किया स्वेदशी चिप प्लांट

मुजफ्फरपुर : विदेशी कंपनियों में करोड़ों का पैकेज छोड़कर देश में रोजगार सृजन का सपना लेकर लौटे मुजफ्फरपुर के चंदन राज को अब बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण में जुटे चंदन ने मुजफ्फरपुर में सुरेश चिप्स एंड सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की थी। लेकिन खराब सड़क, बिजली और अन्य आधारभूत समस्याएं उनके काम में रुकावट बन रही हैं। चंदन राज ने इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन में बीटेक के बाद सैमसंग, इंटेल और नोकिया जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में मलेशिया, इस्राइल और शंघाई में काम किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से प्रेरित होकर उन्होंने 2020 में मुजफ्फरपुर में अपनी सेमीकंडक्टर चिप्स की कंपनी स्थापित की। यह प्लांट देश में मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण पर काम करता है। चंदन ने बताया कि उनके ऑफिस और प्लांट के आसपास की सड़कें जर्जर स्थिति में हैं। बिजली की स्थिति भी दयनीय है और पिछले तीन साल से वह सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं।

उत्पाद विभाग पर रिश्वतखोरी का आरोप

युवक को फर्जी तरीके से 50 हजार में छोड़ा

औरंगाबाद : औरंगाबाद शहर के सिन्हा कॉलेज मोड़ के पास उत्पाद विभाग की पुलिस द्वारा एक युवक को फर्जी तरीके से गिरफ्तार करने और फिर 50 हजार रुपये में मामला रफा-दफा करने का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसमें रुपये गिनने और सौदे की बातचीत साफ-साफ सुनी जा सकती है। इस वीडियो के वायरल होने से उत्पाद विभाग की छवि पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं और कई अधिकारियों पर गाज गिरने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार सुबह छह से सात बजे के बीच की है। औरंगाबाद शहर के सिन्हा कॉलेज मोड़ पर उत्पाद विभाग की पुलिस ने तेंदुआ गांव निवासी धीरज कुमार को कथित रूप से फर्जी तरीके से गिरफ्तार कर लिया। धीरज कुमार के अनुसार, वह रमेश चौक पर सुबह चाय पीने गया था और वापस घर लौटते वक्त सिन्हा कॉलेज मोड़ पर उत्पाद विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया। धीरज ने बताया कि टीम ने 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी और पैसे नहीं देने पर उस पर शराब से संबंधित केस लगाकर जेल भेजने की धमकी दी।

50 हजार में हुआ मामला तय

धीरज ने तत्काल अपने परिजनों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद काफी बातचीत के बाद उत्पाद विभाग की टीम ने मामला 50 हजार रुपये में तय कर लिया। पैसे देने के बाद धीरज को रिहा कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें रुपये गिनते और सौदेबाजी की बातचीत सुनी जा सकती है। वीडियो में यह भी स्पष्ट दिख रहा है कि किस तरह पैसे का लेन-देन हुआ।

उत्पाद विभाग पर लगे गंभीर आरोप

वीडियो वायरल होने के बाद उत्पाद विभाग पर गंभीर आरोप लगने शुरू हो गए हैं। इस पूरे मामले को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। यह मामला पहले भी सुर्खियों में रहा था, जब जदयू नेता ने एक समान मामले को उजागर किया था। लेकिन उस वक्त उत्पाद अधीक्षक अनिल आजाद ने मामले को खारिज कर दिया था। इस मामले पर जब उत्पाद अधीक्षक अनिल आजाद से बातचीत की गई। उन्होंने कहा कि घटना उनके संज्ञान में आई है और जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की गहनता से जांच होगी और दोषी पाए गए अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधीक्षक ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कदम उठाने का वादा किया है। इस घटना के बाद समाज में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यह पहला मौका नहीं है जब उत्पाद विभाग की ओर से इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं। पूर्व में भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन आरोपों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

महाराष्ट्र की 'महायुति' सरकार ने अपने आखिरी के दिनों में अदाणी ग्रुप को उपहार दिए: कांग्रेस

कांग्रेस ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की संभावित घोषणा से कुछ देर पहले आरोप लगाया कि प्रदेश की 'महायुति' सरकार ने अपने आखिरी दिनों में अदाणी समूह को उपहार दिए हैं। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ 'महायुति' में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। निर्वाचन आयोग मंगलवार

को महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा करेगा। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है जबकि झारखंड विधानसभा का कार्यकाल अगले साल पांच जनवरी को समाप्त होने वाला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, उम्मीद है कि चुनाव आयोग आज दोपहर 3:30 बजे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर देगा। 'महायुति' को पता है कि वे सत्ता में वापस नहीं आ रहे हैं, इसलिए हताशा में उन्होंने अपने आख़िरी कुछ दिन मुंबई और महाराष्ट्र के लोगों की क़ीमत पर 'मोदानी' को उपहार देने में बिताए हैं। उन्होंने दावा किया, 15 सितंबर, 2024 को 'मोदानी' को 6,600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करने के लिए ऊर्जा अनुबंध मिला। हम पहले ही बता चुके हैं इससे उपभोक्ताओं को ज़्यादा पैसे देने होंगे। 30 सितंबर, 2024 को 255 एकड़, पारिस्थितिकी की दृष्टि से संवेदनशील 'साल्ट पैन' भूमि मोदानी को सौंपी गई। 10 अक्टूबर 2024 को मध में 140 एकड़ जमीन 'मोदानी' को सौंपी गई। 14 अक्टूबर 2024 को मुंबई में देवनार लैंडफिल से 124 एकड़ जमीन 'मोदानी' को दी गई। रमेश ने कहा ऊपर से स्पष्ट निर्देश हैं कि महायुति का 'चुनावी भविष्य' अंधकारमय है, लेकिन सत्ता गंवाने से पहले उसे 'मोदानी' के 'वित्तीय भविष्य' की रक्षा करनी होगी। अमेरिकी संस्था 'हिंडेनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में अदाणी समूह पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे और इसको लेकर कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले कर रही है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है।

सुनील मित्तल ने सैटेलाइट कंपनियों को स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए किया प्रोत्साहित

दूरसंचार दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने उपग्रह कंपनियों के लिए लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने के साथ-साथ अपनी दूरसंचार सेवाओं के लिए 'एयरवेव' खरीदने की मंगलवार को वकालत की जैसा कि पुरानी कंपनियां करती हैं, ताकि समान अवसर उपलब्ध कराया जा सके। भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में कहा कि मौजूदा दूरसंचार कंपनियां उपग्रह सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाएंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में उन्होंने कहा, और जो उपग्रह कंपनियां शहरी क्षेत्रों में आकर खुदरा ग्राहकों को सेवा देने की महत्वाकांक्षा रखती हैं, उन्हें भी बाकी लोगों की तरह दूरसंचार लाइसेंस के लिए भुगतान करना होगा। उन पर भी समान शर्तें लागू होंगी। मित्तल ने कहा, उन्हें दूरसंचार कंपनियों की तरह स्पेक्ट्रम खरीदने की जरूरत है, उन्हें दूरसंचार कंपनियों की तरह लाइसेंस के लिए भुगतान करना होगा और साथ ही दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क को सुरक्षित करना होगा। इससे पहले अंबानी की रिलायंस जियो ने पिछले सप्ताह दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर दूरसंचार नियामक ट्राई की इस सिफारिश का विरोध किया था कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड को नीलाम न करके, आवंटित किया जाए। एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर जैसी वैश्विक कंपनियां प्रशासनिक आवंटन का समर्थन करती हैं।

इलेक्ट्रिक इंजन फेल होने पर डीजल इंजन से चलेगी ट्रेन, रेलवे का वैकल्पिक प्लान

नई दिल्ली (ईएमएस)। यात्री गाड़ियां इंजन फेल होने अथवा इलेक्ट्रिक लाइन में आई किसी भी गड़बड़ी के कारण लेट ना हो। इसके लिए रेलवे ने सभी रेल मंडलों को निर्देश दिया है। यात्री गाड़ियां समय पर अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचे। इसके लिए यदि इलेक्ट्रिक इंजन फेल होता है। इलेक्ट्रिक लाइन ट्रिप होती है। इलेक्ट्रिक लाइन कहीं टूट जाती है। ऐसी स्थिति में डीजल इंजन के माध्यम से यात्री गाड़ियों को अगली स्टेशन पहुंचाया जाए। यात्री गाड़ियां समय पर चलें। इसके लिए यह विकल्प सभी रेल मंडलों को दिया गया है। सभी जंक्शन और रेल मंडल में डीजल इंजन तैयार रखे जाएंगे। ताकि जरूरत पड़ने पर यात्री गाड़ियों मे विकल्प के रूप में उनका इस्तेमाल किया जा सके। रेलवे के अधिकांश मार्ग का इलेक्ट्रि फिकेशन हो चुका है। इलेक्ट्रिक लाइनों में समय-समय पर फाल्ट आता है। जिसको सुधारने में समय लगता है। कभी-कभी इलेक्ट्रिक इंजन फेल हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में यात्री गाड़ियों को डीजल इंजन की सहायता से आगे की स्टेशन पर भेजने का विकल्प अपनाने का निर्देश सभी रेल मंडलों को जारी किया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रत्येक रेल मंडल या जोन में 10 से 15 शिकायतें इलेक्ट्रिक फॉल्ट के कारण, यात्री गाड़ियों के लेट होने की बात सामने आती है।

बीजेपी विधायक गुर्जर ने डासना मंदिर हमले की घटना से सीएम को कराया अवगत

लखनऊ,(ईएमएस)। बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें डासना मंदिर की घटना के सभी पहलुओं से अवगत कराया है। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती द्वारा पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ दिए बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद इलाके में तनाव फैल गया था। नंद किशोर गुर्जर यूपी के गाजियाबाद जिले के लोनी विधानसभा से विधायक हैं। दरअसल, 4 अक्टूबर की रात डासना मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जमा हो गए थे और उन्होंने कथित रूप से मंदिर पर पथराव किया था। बीजेपी विधायक गुर्जर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज सीएम योगी आदित्यनाथ से भेंट कर देवी डासना मंदिर के सभी पक्षों से अवगत करा दिया है। सीएम ने मामले में शांति बना कर रखने के लिए कहा है। साथ ही उन्होंने कहा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। नंद किशोर गुर्जर ने अपनी मुलाकात के दौरान सीएम योगी के साथ खींची गई एक फोटो भी शेयर की है। बता दें विधायक गुर्जर को डासना मंदिर पर हमले के विरोध में बुलाई गई हिंदू महापंचायत में हिस्सा लेने जाते समय रास्ते में ही रोक दिया गया था। उन्होंने रोहिंग्या मुसलमानों को देश से बाहर निकालने की मांग की है। नरसिंहानंद को पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ उनकी टिप्पणियों के लिए कई एफआईआर और मुस्लिम समूहों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने 29 सितंबर को एक कार्यक्रम में जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध से संबंधित का उल्लंघन करते हुए ये टिप्पणियां की थी।

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-टास्क फोर्स ने क्या किया: बंगाल सरकार बोली- वो सुझाव देना चाहती है, उन्हें 7800 अस्पतालों ने जानकारी दी

कोलकाता: कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने रेप-मर्डर केस और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सीबीआई को 3 हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने बंगाल सरकार से पूछा कि टास्क फोर्स ने इस मामले में अब तक क्या किया? इस पर सरकार ने जवाब दिया कि टास्क फोर्स को 7800 अस्पतालों ने जानकारी दी है। इसके आधार पर वो सुझाव देना चाहती है। कोर्ट ने राज्य के अस्पतालों में सिविक वॉलंटियर्स की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। दरअसल, आरोपी संजय रॉय कोलकाता पुलिस के साथ वॉलंटियर के तौर पर जुड़ा था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की आगे की सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद के लिए टाल दी है।

वहीं, घटना के विरोध में 5 अक्टूबर से जारी डॉक्टरों के आमरण अनशन का आज 10वां दिन है। 14 अक्टूबर को एक और डॉक्टर की हालत बिगड़ने के बाद उसे सीसीयू में भर्ती करवाया गया। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। इसे लेकर डॉक्टरों ने 42 दिन तक देशभर में प्रदर्शन किया था।

कोर्ट रूम लाइव:

सीबीआई: कोलकाता रेप-मर्डर मामले में जांच पूरी गंभीरता से की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने अब तक की जांच को लेकर सीबीआई की पांचवीं स्टेटस रिपोर्ट देखी। सुप्रीम कोर्ट ने नोट किया कि रेप-मर्डर मामले में आरोपी संजय रॉय के खिलाफ 7 अक्टूबर को चार्जशीट दायर की गई है। सियालदह अदालत ने भी इस रिपोर्ट को देखा है।

सुप्रीम कोर्ट: सीबीआई की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि रेप-मर्डर मामले में अन्य लोगों की भूमिका की जांच अभी जारी है। सीबीआई तीन हफ्ते के अंदर मामले की जांच पर आगे की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे।

सुप्रीम कोर्ट: सितंबर के पहले हफ्ते के बाद से नेशनल टास्क फोर्स (एनटीएफ) की कोई बैठक नहीं हुई है, केंद्र को सक्रिय कदम उठाने चाहिए। एनटीएफ की बैठकें समय-समय पर होनी चाहिए। कोलकाता के डॉक्टरों की सुरक्षा पर सिफारिशें तीन हफ्ते के अंदर तैयार की जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने सिविक वॉलंटियर्स की नियुक्ति पर पश्चिम बंगाल सरकार से सवाल पूछे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन स्वयंसेवकों की नियुक्तियों और उनकी योग्यताओं से संबंधित जानकारी मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी थी स्टेटस रिपोर्ट

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से पूछा था कि आरजी कर में जांच प्रक्रिया कितनी आगे बढ़ी है। सीजेआई ने जांच के दायरे में आए लोगों के नामों की लिस्ट भी अदालत को सौंपने का भी निर्देश दिया था। 14 अक्टूबर को सीनियर एडवोकेट इंदिरा जय सिंह ने मांग की थी कि मामला गंभीर हो गया है, इसलिए इसकी जल्द सुनवाई की जाए। इस पर कोर्ट ने इसे लिस्टेड करने कहा था। कल्याण बनर्जी का तंज- यह अनशन असली नहीं टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने डॉक्टरों की हड़ताल पर सवाल उठाते हुए कहा- यह किस तरह की भूख हड़ताल है? यह विरोध स्थल से शुरू होती है और अस्पताल में भर्ती होने के बाद खत्म होती है। हम जानते हैं कि भूख हड़ताल आमरण अनशन है, अस्पताल में भर्ती होने का अनशन नहीं। ये डॉक्टर जो कर रहे हैं, वह अस्पताल में भर्ती होने का अनशन है। क्या उनके पेट में बस इतनी ही आग है?

टीएमसी सांसद ने भूख हड़ताल की समय-सीमा पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि यह धरना स्थल से शुरू होकर अस्पताल में खत्म होती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों का मुख्य लक्ष्य मीडिया का ध्यान आकर्षित करना और अस्पताल में भर्ती होना था।

मीटिंग के बाद डॉक्टर बोले- अहंकारी हो गई है ममता सरकार

सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत के साथ बैठक हुई, जो बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई।मीटिंग से बाहर आने के बाद पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फोरम के अध्यक्ष डॉ. कौशिक ने कहा, 'कुछ नहीं हुआ, रिजल्ट जीरो। 10 दिन हो गए हैं, 4 डॉक्टर आईसीयू में हैं और एक बहुत बीमार है। हमने सरकार से उन प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से बात करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने कहा कि वे देखेंगे, उन्हें अनुमति की आवश्यकता होगी। वे अहंकारी हो रहे हैं।'

फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और ईसी को नोटिस: याचिकाकर्ता की मांग- मुफ्त की योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित करें

नई दिल्ली: राजनीतिक दलों के द्वारा चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं के वादों पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचुड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। कर्नाटक के शशांक जे श्रीधर ने याचिका में चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट से यह भी मांग की गई है कि चुनाव आयोग ऐसी योजनाओं पर फौरन रोक लगाए। कोर्ट ने पुरानी याचिकाओं के साथ आज की याचिका को सुनवाई के लिए मर्ज कर लिया।

श्रीधर के वकील विश्वदित्य शर्मा और बालाजी श्रीनिवासन ने याचिका में कहा- 'चुनाव के बाद फ्रीबीज की योजनाओं को पूरा करने का कोई मैकेनिज्म नहीं है, जिस पर वोट हासिल किए गए थे। मुफ्त योजनाएं और कैश देने के वादे जनप्रतिनिधित्व

अधिनियम, 1951 के तहत रिश्वत देकर वोट देने के लिए प्रेरित करने की भ्रष्ट प्रथा है।' याचिकाकर्ता ने कहा कि, 'राजनीतिक दल ऐसी योजनाओं को कैसे पूरा करेंगे, यह नहीं बताते। इससे सरकारी खजाने पर बेहिसाब बोझ पड़ता है। यह वोटर्स और संविधान के साथ धोखाधड़ी है। इसलिए इस पर रोक के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।'

सुप्रीम कोर्ट में 2 मुख्य याचिकाएं...

अक्टूबर 2024 : याचिकाकर्ता शशांक जे श्रीधर बोले- फ्रीबीज को रिश्वत माना जाए

याचिकाकर्ता शशांक जे श्रीधर के वकील बालाजी श्रीनिवासन ने सोमवार (14 अक्टूबर) को सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने इस मामले को उठाया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों का फ्री योजनाओं का वादा करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत रिश्वत या वोट के लिए प्रलोभन माना जाए।

जनवरी 2022 : बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने एक जनहित याचिका दाखिल की

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय फ्रीबीज के खिलाफ एक जनहित याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अपनी याचिका में उपाध्याय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्रीबीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक लगाने की अपील की। इसमें मांग की गई है कि चुनाव आयोग को ऐसी पार्टियों की मान्यता रद्द करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में अब तक क्या-क्या हुआ?

फ्रीबीज मामले की सुनवाई पूर्व चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुआई में तीन सदस्यीय बेंच ने अगस्त 2022 में शुरू की थी। इस बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस हिमा कोहली भी थे। बाद में तत्कालीन चीफ जस्टिस यूयू ललित ने सुनवाई की और अब सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ मामले की सुनवाई कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने कहा था- फ्री स्कीम्स की परिभाषा आप ही तय करें

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 11 अगस्त को चुनाव आयोग ने कहा था कि फ्रीबीज पर पार्टियां क्या पॉलिसी अपनाती हैं, उसे रेगुलेट करना चुनाव आयोग के अधिकार में नहीं है। चुनावों से पहले फ्रीबीज का वादा करना या चुनाव के बाद उसे देना राजनीतिक पार्टियों का नीतिगत फैसला होता है। इस बारे में नियम बनाए बिना कोई कार्रवाई करना चुनाव आयोग की शक्तियों का दुरुपयोग करना होगा। कोर्ट ही तय करे कि फ्री स्कीम्स क्या हैं और क्या नहीं। इसके बाद हम इसे लागू करेंगे।

भारत वैश्विक स्तर पर 6G क्रांति का नेतृत्व करने के लिए तैयार: ज्योतिरादित्य सिंधिया

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि भारत 6जी के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश के दूरसंचार क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ने वाला और महत्वाकांक्षी करार दिया। इंडिया मोबाइल कांग्रेस और विश्व दूरसंचार मानकीकरण (डब्ल्यूटीएसए) 2024 के उद्घाटन के अवसर पर सिंधिया ने कहा, यह हमारा विश्वास और हमारी प्रतिबद्धता है... भारत ने 4जी में दुनिया का अनुसरण किया, हम 5जी में दुनिया के साथ आगे बढ़े, लेकिन हम 6जी में दुनिया का नेतृत्व करेंगे। सिंधिया ने कहा कि भारत में सबसे तेजी से 5जी सेवाएं शुरू की गईं। केवल 21 महीने के अंतराल में 98 प्रतिशत जिलों और 90 प्रतिशत गांवों तक इसे पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का न केवल 6जी प्रौद्योगिकी को अपनाने का बल्कि देश को इस दिशा में अग्रणी बनाने का लक्ष्य है।

मंत्री ने कहा, यह उल्लेखनीय है कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस और अंतरराष्ट्रीय 6जी संगोष्ठी, 6जी में स्थानीय तथा वैश्विक प्रगति को प्रदर्शित करती है... । सिंधिया ने कहा कि दूरसंचार अधिनियम 2023 में हाल में किए गए बदलाव की रूपरेखा इस आधार पर तैयार की गई कि भारत के दूरसंचार ढांचे का आधुनिकीकरण हो सके, उपग्रह संचार के उच्च क्षमता वाले क्षेत्र जैसे अब तक अनसुलझे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जा सके, डिजिटल युग की चुनौतियों का समाधान किया जा सके, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा है। उन्होंने कहा, भारत में विकास के लिए महत्वपूर्ण अन्य क्षेत्रों की तरह दूरसंचार क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ने वाला और महत्वाकांक्षी है तथा अमृत काल से शताब्दी काल तक की हमारी यात्रा में इसका लक्ष्य विश्व का नेतृत्व करना है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी), दूरसंचार विभाग (डीओओ) और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित किया जाने वाला वार्षिक कार्यक्रम है।

दिल्ली में पटाखे बैन, ऑनलाइन डिलीवरी भी नहीं होगी: एक जनवरी तक लागू रहेगा

नई दिल्ली: दिवाली से पहले दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने 1 जनवरी 2025 तक पटाखों को बैन कर दिया है। सरकार के आदेश के मुताबिक पटाखे बनाने, उन्हें स्टोर करने, बेचने और इस्तेमाल पर बैन है। इतना ही नहीं पटाखों की ऑनलाइन डिलीवरी भी प्रतिबंधित रहेगी। इसमें ग्रीन पटाखे भी शामिल हैं। इस बैन को सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। दिल्ली पुलिस रोज इसकी रिपोर्ट डीपीसीसी को सौंपेगी। हालांकि, दिल्ली भाजपा ने पटाखों पर बैन के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया। साथ ही आम आदमी पार्टी सरकार पर बिना कोई वैज्ञानिक सबूत पेश किए इसे लागू करने का आरोप लगाया।

पंजाब में केवल ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन

इधर, पंजाब सरकार ने कहा है कि दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान केवल ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन दी जाएगी। ग्रीन पटाखे, जो बेरियम लवण या एंटीमनी, लिथियम, पारा, आर्सेनिक, सीसा या स्ट्रोंटियम क्रोमेट के कम्पाउंड्स से मुक्त हैं। केवल उनके इस्तेमाल की परमिशन है। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण कपूर ने दावा किया- दिल्ली सरकार ने पटाखों को प्राथमिक प्रदूषक के रूप में पहचानने वाली कोई रिपोर्ट तैयार नहीं की गई है। आप सरकार ने पहले एक सुरक्षित विकल्प के रूप में हरित पटाखों के उपयोग को बढ़ावा दिया था, लेकिन तब से उसने खुद को उस पहल से दूर कर लिया है।

कपूर ने कहा, दिल्ली सरकार ने अभी तक कोई वैज्ञानिक रिपोर्ट पेश नहीं की है जो साबित करती हो कि दिवाली की रात जलाए गए पटाखे सर्दियों के प्रदूषण की वजह हैं। सोमवार को दिल्ली का एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 200 पार होने के बाद दिल्ली एनसीआर में ग्रैप-1 लागू कर दिया है। होटलों और रेस्तरां में कोयला और जलाऊ लकड़ी के उपयोग पर बैन लगाया गया है। आयोग ने एजेंसियों को पुराने पेट्रोल और डीजल गाड़ियों (बीएस -III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल) के संचालन पर सख्त निगरानी के आदेश दिए है। आयोग ने एजेंसियों से सड़क बनाने, रेनोवेशन प्रोजेक्ट और मेन्टेनेन्स एक्टिविटीज में एंटी-स्मॉग गन, पानी का छिड़काव और डस्ट रिपीलेंट तकनीकों के उपयोग को बढ़ाने के लिए भी कहा है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपियों को धार्मिक स्थलों पर भी तलाश रही पुलिस

मुंबई,(ईएमएस)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच चल रही है। हमलावरों की तलाश में पुलिस जुटी है। अभी भी तीन आरोपी फरार है जिनकी तलाश में पुलिस टीमें देश के अलग-अलग इलाकों में छानबीन कर रही हैं। नाम न छापने की शर्त पर पुलिस अधिकारियों ने कुछ अहम जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि एक आरोपी यूपी के बहराइच से शिवकुमार गौतम है और दूसरा पुणे का रहने वाला शुभम लोणकर है। एक संदिग्ध हैंडलर जीशान अख्तर भी मामले में वांटेड है। रिपोर्ट के मुताबिक शिव कुमार गौतम ने गोलियां चलाईं जिससे सिद्दीकी की मौत हुई। पुणे से गिरफ्तारी प्रवीण लोंकर ने ही गौतम को काम पर रखा था, जिसने हमले के लिए दो अन्य लोगों को शामिल किया। धर्मराज कश्यप और गुरमेल सिंह उस वक्त गौतम के साथ थे, जब उसने गोलियां चलाईं। इसके बाद ये अलग-अलग दिशाओं में भाग गए। धर्मराज और गुरमेल को कुछ समय बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया था। बाबा सिद्दीकी पर 6 राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें से 2 गोलियां उनके सीने में लगीं थी। मुंबई पुलिस ने तीनों आरोपियों की तलाश में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार पर फोकस कर रही हैं। मुंबई और एमपी की पुलिस टीमें महाकाल और ओंकारेश्वर मंदिरों सहित उज्जैन और खंडवा में पूजा स्थलों की तलाशी ले रही है।

नाबालिगों ने दी मुंबई-न्यूयॉर्क फ्लाइट में बम-ब्लास्ट की धमकी:छत्तीसगढ़ के कारोबारी के बेटे समेत 4 हिरासत में

राजनांदगांव : मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को 'X' पर बम से उड़ाने की धमकी मामले में मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में छापेमारी की है। पुलिस ने मोबाइल और कम्प्यूटर कारोबारी के बेटे समेत 4 नाबालिग संदेहियों को हिरासत में लिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मुंबई पुलिस की स्पेशल 5 सदस्यीय टीम कारोबारी के 17 साल के बेटे से पूछताछ कर रही है। टीम कारोबारी के घर सोमवार रात तक डटी रही। फिर वहां से उसे राजनांदगांव के विश्राम गृह लेकर आई है। आरोपी ने दूसरे की मेल आईडी हैक कर धमकी दी थी। पहले भी ये ट्रेन को उड़ाने की धमकी दे चुका है। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था।

लैपटॉप, मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त

टीम ने लैपटॉप, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस समेत आरोपी के कार को भी जब्त किया है। सभी की जांच की जा रही है। चारों नाबालिगों को अलग-अलग बैठाकर पूछताछ कर रही है। मौके पर राजनांदगांव पुलिस के भी 5 से 7 जवान भी मौजूद हैं।

दूसरे का ईमेल आईडी हैक कर धमकी दी

राजनांदगांव रेस्ट हाउस के अंदर साइबर की टीम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ आरोपी के ईमेल और कॉल डिटेल चेक कर रही है। केस कनेक्टिविटी का पता लगा रही है। आरोपी ने दूसरे का ईमेल आईडी हैक कर धमकी भरा मेल भेजा और 'X' पर पोस्ट किया है।

आरोपी लड़के के पिता का नाम मंगूलाल अग्रवाल है, जो मोबाइल और कंप्यूटर का शॉप चलाते हैं। इनका बड़ा कारोबार है। किसी वजह से शॉप कुछ दिनों से बंद है। कारोबारी का घर पहले डोंगरगढ़ के मूसरा गांव में था।

अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत:32 हजार करोड़ की डील फाइनल, तीनों सेनाओं को मिलेंगे; देश में ही बनेगी मेंटेनेंस फैसिलिटी

नई दिल्ली: अमेरिका और भारत के बीच मंगलवार को 32 हजार करोड़ की डिफेंस डील फाइनल हो गई है। इसके तहत भारत 31 प्रीडेटर (एमक्यू-9बी हंटर किलर) ड्रोन अमेरिका से खरीदेगा। ये अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है। ये ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जाएंगे। इसके मेंटेनेंस और रिपेयरिंग के लिए देश में ही फैसिलिटी बनाई जाएगी। डिफेंस अफसर ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि दोनों देशों के सीनियर अफसरों ने मंगलवार को डील पर दस्तखत किए गए। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में यह डील फाइनल हुई थी। भारत ने अमेरिका के साथ अमेरिकी चुनाव के एक हफ्ते पहले किया है।

15 ड्रोन नेवी और बाकी आर्मी-एयरफोर्स में बंटेंगे

अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स भारत को ये ड्रोन देगी। इन्हें चेन्नई में आईएनएस राजानी, पोरबंदर और गुजरात के सरसावा में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा इसे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भी तैनात किया जाएगा। इंडियन नेवी को 15 सी गार्जियन ड्रोन मिलेंगे। एयरफोर्स और आर्मी को ऐसे 8-8 ड्रोन मिलेंगे।

हेलफायर मिसाइल से लैस, इसी से मारा गया था अलजवाहिरी

- एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है। रीपर ड्रोन से हेलफायर मिसाइल को लॉन्च किया जा सकता है। अमेरिकी ने इसी हेलफायर मिसाइल से जुलाई 2022 में काबुल में अलकायदा के लीडर अल-जवाहिरी को मारा था।
- यह ड्रोन करीब 35 घंटे हवा में रह सकता है। यह फुली रिमोट कंट्रोल्ड है। इसके लिए दो लोगों की जरूरत पड़ती है। यह एक बार उड़ान भरने के बाद 1900 किलोमीटर क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। यह एक घंटे में 482 किलोमीटर उड़ सकता है।

एलएसी बॉर्डर पर चीन की हर चालाकी की निगरानी करेगा एमक्यू-9बी

- भारत थल, जल और वायु तीनों सेना के बेड़े में एमक्यू-9बी ड्रोन को तैनात करना चाहता है। इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है।
- कंपनी का कहना है कि जासूसी, सर्विलांस, इन्फॉर्मेशन कलेक्शन के अलावा एयर सपोर्ट बंद करने, राहत-बचाव अभियान और हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल हो सकता है।
- इस ड्रोन के दो वैरिएंट स्काई गार्डियन और सिबलिंग सी गार्डियन हैं। भारत यह ड्रोन दो वजहों से खरीद रहा है पहली- एलएसी से लगे एरिया में चीन को भनक लगे बिना उसकी निगरानी करने के लिए। दूसरा- साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ को रोकने के लिए।

सोमालिया, यमन और लीबिया में इस्तेमाल

अमेरिका ने 'वॉर ऑन टेरर' के दौरान प्रिडेटर और रीपर ड्रोन अफगानिस्तान के साथ ही पाकिस्तान के उत्तरी कबाइली इलाकों में भी तैनात किए थे। अमेरिका के ही ड्रोन इराक, सोमालिया, यमन, लीबिया और सीरिया में भी तैनात हैं। रीपर ड्रोन ही था, जिससे यूएस ने अलकायदा के ओसामा बिन लादेन की निगरानी की थी। जिसके बाद नेवी सील्स ने 2 मई 2011 को पाकिस्तान के ऐबटाबाद में लादेन को मार गिराया था।

कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट की जांच क्यों नहीं?

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर सोमवार को सुनवाई के बाद एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इस जनहित याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा कोरोना वैक्सीन के बाद जिस तरह से साइड इफेक्ट देखने को मिल रहे हैं। उसकी जांच कराने के लिए यह याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीबाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने इस याचिका को निरस्त करते हुए कहा, कि यह सनसनी फैलाने के लिए याचिका लाई गई है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कहा वैश्विक स्तर पर फैली महामारी पर संकट पाने के लिए वैक्सीन तैयार की गई थी। इस महामारी ने मानवता को हिलाकर रख दिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई किए बिना ही जिस तरीके से याचिका को खारिज किया है। उसने करोड़ों लोगों को निराश किया है। जो लोग वैक्सीन लगने के बाद से नई-नई विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें याचिका निरस्त होने से तगड़ा झटका लगा है। याचिका करता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में वैक्सीन लगने के बाद रक्त के थक्के जमने,शुगर बढ़ने और कई तरह के साइड इफेक्ट होने की बात याचिका में कही थी। जब कोरोना की महामारी फैली थी। तब कोरोना की वैक्सीन बनाना और उसे सुरक्षा की दृष्टि से लगवाना उस समय के हिसाब से सरकार का कदम सही था। लेकिन वैक्सीन लगने के बाद यदि कोई दुष्प्रभाव लोगों में देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में साइड इफेक्ट की जांच करना और उपयुक्त इलाज खोजना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ही जिम्मेदारी है। वैक्सीन लगने और नहीं लगने को लेकर यह याचिका नहीं थी। इस याचिका को इसलिए लगाया गया था। कोरोना महामारी से बचने के लिए जो वैक्सीन लगाई गई थी। मानव जीवन पर उसका किस तरह का प्रभाव हुआ है। इसके अलावा कोरोना महामारी के लक्षण होने पर जिन लोगों का इलाज अस्पतालों में हुआ था। मरीज के इलाज में जिस तरह की दवाइयों का प्रयोग किया गया था। मरीजों में उसके क्या असर हुए हैं। यदि कोई साइड इफेक्ट हैं,तो इसकी जांच होना जरूरी है। ब्रिटेन जैसे देश में कोरोना वैक्सीन और कोरोना महामारी के उपचार को लेकर कई तरह की जांच की गई है। वैक्सीन के साइड इफेक्ट को जानकर साइड इफेक्ट दूर करने के लिए मरीज को किस तरह की दवाई दी जाएं। जिससे मरीजों का जीवन सुरक्षित हो। ब्रिटेन की सरकार और ब्रिटेन की न्यायपालिका इसके लिए सजग है। नागरिकों के स्वास्थ्य की जवाबदारी सरकार और स्वास्थ्य विभाग की है। महामारी आती हैं, चिकित्सकों द्वारा हर संभव इलाज भी किए जाता है, महामारी के टीके भी समय-समय पर विकसित कर सुरक्षा की दृष्टि से सभी को लगाए जाते हैं। वैक्सीन की गुणवत्ता और उसके प्रभाव को कई स्तर पर जाँचने की व्यवस्था होती है। वैक्सीन का मानव जीवन में क्या प्रभाव पड़ा है। यदि कोई विपरीत प्रभाव है, उस दुष्प्रभाव को कैसे दूर किया जा सकता है। इसकी जांच हर हालत में होनी ही चाहिए। ब्रिटिश कंपनी एक्स्ट्रा जेनिका ब्रिटेन की हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई में शामिल है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग और ब्रिटेन की अदालतों में साइड इफेक्ट को लेकर जो बातें निकलकर सामने आईं हैं। उसके लिए कंपनी और सरकार क्या कर सकती है। इसका निर्णय वहां की न्यायपालिका कर रही है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के खोजकर्ताओं ने भी इस मामले में रिसर्च शुरू की थी लेकिन उसे रोक दिया गया। जिस महामारी का असर करोड़ों लोगों पर हुआ है। इस वायरस का कोई इलाज उसे समय चिकित्सा जगत के पास नहीं था। बीमारी सामने आने के बाद इलाज अपने-अपने तरीके से किए गए थे। जब कोरोना वैक्सीन आई, तो आशा की एक किरण जागी। लोगों ने वैक्सीन भी लगवाई। वैक्सीन लगने के बाद यदि कोई साइड इफेक्ट लोगों में देखने को मिल रहे हैं। तो साइड इफेक्ट के इलाज से ना तो सरकार को बचाना चाहिए। नाही न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहिए। इस मामले में ब्रिटेन की न्यायपालिका ज्यादा सजगता के साथ काम कर रही है। भारत में वैक्सीन लगने के बाद जिस तरह की मौत युवाओं की हो रही है। नाचते, गाते,चलते हुए, खेलते हुए जिस तरह से युवाओं की मौत हो रही है। वैक्सीन लगने के बाद शुगर के मरीज बढे हैं। जिस तरह की बीमारियां मरीजों को झेलनी पड़ रही हैं। याचिका की विस्तृत सुनवाई के बाद जांच के आदेश सुप्रीम कोर्ट को देने चाहिए थे। इस याचिका में टीका लगने के बाद,साइड इफेक्ट के लिए यदि कोई मुआवजे की मांग की गई होती। तो सुप्रीम कोर्ट उसे स्वीकार नहीं करती। स्थिति जन्य सरकार ने जो निर्णय लिया था, वह सही था। महामारी के बाद जिस तरह के साइड इफेक्ट लोगों में देखने को मिल रहे हैं। उसके लिए रिसर्च और इलाज के लिए भविष्य में किस तरह की कार्रवाई भविष्य में की जा सकती है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट को जरूर निर्णय करना चाहिए था। इस याचिका के निरस्त होने से लोगों में निराशा उत्पन्न हुई है। नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल करना सरकार का कर्तव्य है। सरकार इस दायित्व से बच रही है। ऐसी स्थिति में नागरिकों के पास न्यायपालिका ही एक सहारा होता है। यदि न्यायपालिका भी सरकार की तरह सोचेगी, तो यह नागरिकों का दुर्भाग्य है। यही कहा जा सकता है।

डॉ. मोहनराव भागवतः उपेक्षा जनित सक्रियता?

वह भी एक जमाना था, जब भारतीय जनता पार्टी के सत्तारूढ़ वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवानी अपनी सरकार का कोई भी अहम फैसला बिना राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राय व पूर्व अनुमति के बिना नही लेते थे, पहले संघ को विश्वास में लेते थे, उसके बाद फैसला, किंतु पिछले एक दशक से स्थिति ठीक इसके विपरीत है, सत्ता उसी भारतीय जनता पार्टी की है किंतु आज वही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपनी उपेक्षा से काफी पीड़ित व उद्वेलित है और इसी सत्ता की उपेक्षा ने संघ को अपने संगठन की साख बचाने हेतु नई सक्रियता की ऊर्जा प्रदान कर दी है, इसीलिए पिछले कुछ दिनों से संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत काफी सक्रिय और व्यस्त नजर आने लगे है, अब उन्हें अपनी सरकार की किसी तरह की भी चिंता नही रही, इसीलिए वे अपने संगठन की साख की रक्षा में पूरी तरह जुट गए है, चाहे फिर सत्तारूढ़ नेता उनसे अनवरत् सम्बंध बनाकर रखें या नहीं? इसकी उन्हें अब कोई चिंता नही रही, अब वे अपने संगठन की साख को कायम रखने में ही अपना सर्वस्व न्यौछावर करना चाहते है, ऐसे में यदि यह कहा जाए कि सत्तारूढ़ भाजपा व संघ के पदाधिकारी आमने-सामने खड़े नजर आ रहे है, तो कतई गलत नही होगा? इसी सन्दर्भ में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दक्षिण भारत में आयोजित संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में जाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो तेवर दिखाए थे, उनसे तभी यह तय हो गया था कि अब संघ और भाजपा एक साथ नही बल्कि दोनों आमने-सामने है और इस घटना के बाद से ही संघ के शीर्ष पदाधिकारियों ने अपने संगठन के अस्तित्व की लड़ाई खुद लड़ना शुरू कर दिया है, इसीलिए आज दोनों ही समान विचारधारावाले संगठनों के नेता अलग-अलग नजर आने लगे है और संघ कुछ अधिक ही सक्रिय नजर आने लगा है और शायद इसीलिए संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत का शब्द चयन काफी तीखा हो गया है, कोई आश्चर्य नही कि संघ सक्षम प्रतिपक्ष की भूमिका में नजर आने लगें, क्योंकि जो आज सत्ता के सामने प्रतिपक्ष है, वह देश व देशवासियों के अधिकारों व सहूलियतों की रक्षा के लिए इतना सक्षम नजर नही आ रहा है और इन्हीं सब स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए नेता प्रतिपक्ष की आलोचना भी शुरू हो गई है, इसीलिए ऐसी स्थिति में यदि संघ व उसके नेता प्रतिपक्षी की भूमिका में नजर आने लगे तो कोई आश्चर्य नही होगा?
इन्हीं सब स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में संघ प्रमुख मोहनराव भागवत के व्याख्यान ''द्विअर्थी'' नजर आने लगे है, कभी वे हिन्दू और हिन्दुत्व के नाम पर अपरोक्ष रूप से सत्ता पर हमला करते है तो कभी हमारे पड़ौसी देशों की साजिशों को सामने लाकर, आज एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने आपको विश्वस्तरीय लोकप्रिय नेता होने की झलक दिखाने का प्रयास करते है, तो कभी डॉ. मोहनराव भागवत विदेशी सम्बंधों व पड़ौसी देशों की कार-गुजारियों की आड़ में हमारी विदेश नीति की आलोचना कर रहे है, श्री भागवत का स्पष्ट आरोप है कि हमारे सामाजिक रिश्तों को विदेशी ताकते अपनी साजिशों के माध्यम से ध्वस्त करने का प्रयास कर रही है और हम और हमारी सरकार खुली आंखों से यह सब चुपचाप देख रहें है, इस प्रक्रिया को नही रोका गया तो हमारा काफी नुकसान होगा। अब उन्होंने यह चेतावनी भी देनी शुरू कर दी है कि यदि हम दुर्बल और असंगठित रहे तो वह हमारे लिए अत्याचार को निमंत्रण देने जैसा होगा, इसलिए हमें अभी से सचेत हो जाना चाहिए।

कब भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

> गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है।

ललित गर्ग

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।' आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादा को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है।

इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है।

इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।'' अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है।

ई वी एम संदिग्धता : या इलाही ये माजरा क्या है ?

> एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टासफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। गत वर्ष एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए।

गुजरात हादसा : क़ब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर। (लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

क़ब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है बेशक प्रतिवर्ष 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। केवल मात्र एक दिन बड़े-बड़े सैमिनार, गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जाते है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है। प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। ताज़ा हादसा 12 अक्टूबर को गुजरात के मेहसाणा के कड़ी कस्बे मे घटित हुआ जहाँ काम करते समय 9 मजदूर जिन्दा दफन हो गए सभी मजदूरों के शव निकाल दिए है दफन होने वाले मजदूर 25 से तीस साल के थे। मजदूरों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी। देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तरकाशी में बेकसूर मजदूरों ने 17 दिन और 16 रातें कैसे निकाली थी यह मजदूर ही जानते होंगे। खौफनाक मंजर क़ो कभी नहीं भूल पाएंगे। 17 दिन सूर्य क़े दर्शन नहीं हुए थे। मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगे। करोड़ों देश वासिओं की दुआएं रंग लाई और मजदूरों क़ो नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थे। 12 तारीख क़ो एक तरफ रविवार क़ो दीपावली क़े दिन जहाँ पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड क़े उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दुःखद हादसा हुआ था जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग क़े अंदर फंस गए थे। उत्तरकाशी क़े सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत क़े बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों क़ो बाहर निकालने क़े लिए जारी रेस्क्यू अभियान का 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा था और मजदूरों क़ो सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था। देश प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है। कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौंगटे खड़े हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईंटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईंटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है। हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।

500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टासफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपुर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। गत वर्ष एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई यह बहुत ही दुखद हादसा था। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में फिर एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी।

हर मनुष्य के जीवन हैं दुख

एक बार भगवान बुद्ध से किसी भिक्षु ने पूछा-भगवान! ईश्वर है या नहीं है? बुद्ध ने इसका सीधा उत्तर न देकर प्रश्नकर्ता भिक्षु से कहा-मनुष्य की समस्या ईश्वर के होने या न होने की नहीं है। मनुष्य की मुख्य समस्या है उसके जीवन में आने वाले दुखों की। भगवान बुद्ध ने अपने कथन को स्पष्ट करते हुए तब कहा कि तुम स्वयं देखो। जन्म दुख है, जीवन दुखों का समूह है। जिसे वृद्धावस्था कहते हैं वह दुख है और मरण दुख है। इस रूप में मनुष्य का जन्म, वृद्धावस्था और मरण सभी दुख स्वरूप ही हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य जो चाहता है वह उसे कभी नहीं मिलता। यह उसके जीवन का दुख है। जिसे वह कभी नहीं चाहता वह उसे अवश्य मिलता है-यह इसका दुख है। अपने परम प्रिय का वियोग इसके जीवन का दुख है और जो अप्रिय है, उसका संयोग इसके जीवन का परम दुख है।

उस प्रश्नकर्ता भिक्षु को संबोधित करते हुए भगवान ने कहा कि भिक्षु! अधिक विस्तार में न जाकर तुम संक्षेप में इतना ही जानो कि रूप, वेदना, संज्ञा, संस्कार और विज्ञान ये सभी के सभी दुख स्वरूप ही हैं। रूप यानी जो संसार में दिख रहा है, यह रूप है और दुखात्मक है। वेदना यानी अनुभूति, दुख की अनुभूति दुखात्मक है। तथाकथित सुखात्मक अनुभूति भी अंततः दुख ही देती है। संज्ञा अर्थात् नाम। यह भी अच्छे, बुरे, स्मरणीय और अविस्मरणीय के रूप में दुखात्मक है। संस्कार, जो पिछले अनेक जन्मों से चला आ रहा है, वर्तमान जन्म में हमारी आदत के रूप में दुख देता है। विज्ञान यहां आशय यानी विशेष ज्ञान, जो अहंकार आदि के रूप में प्रकट होकर हमारे दुख का कारण बनता है। इसलिए उन्होंने कहा कि भिक्षु! मनुष्य की समस्या ईश्वर के अस्तित्व या अनस्तित्व की नहीं है, उसकी समस्या है, उसके जीवन में व्याप्त दुखों की और इसका उपाय जानने के लिए मार्ग है, जीवन में प्राप्त होने वाले दुखों को सत्य रूप में देखना। यानी अपने अज्ञान को ज्ञान से नष्ट करने का प्रयास करना। यही दुख-निवृत्ति का सहज, सरल और सार्वकालिक मार्ग है। इसी मार्ग पर चलकर हमारी ऋषि-परंपरा के दार्शनिकों ने दुख-निवृत्ति का मार्ग पाया है। भौतिक वस्तुओं के पीछे भागने से आनंद की प्राप्ति नहीं होगी, यह परम सत्य है। भौतिक पदार्थों से अंत में दुख ही मिलता है। इस सत्य को जानकर व्यक्ति दुखों से निवृत्त हो जाता है।

जाल हैं राग और द्वेष

परमानंद को समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में तुम्हें तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रेत के साथ तुम्हारा दिव्य मिलन और संसार में बाकी सबकुछ तुम्हें इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारण, विभिन्न तरीकों से तुम्हें उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने, जो न समझे जा सकते हैं, न बताए जा सकते हैं, तुम्हें घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है, तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का, सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है।

एक बार मानव जीवन पाकर, तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि तुम्हें यह समझ में नहीं आता, तो तुम बड़े नुकसान में हो। राग और द्वेष तुम्हारे हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है तो केवल व्यवहार में विनम्रता होने से कोई लाभ नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि तुम अंदर से कैसे हो। संसार केवल तुम्हारा बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु, ईश्वर को यह परवाह नहीं कि तुम बाहर से कैसे हो- वे केवल तुम्हारे अंदर देखते हैं। थोड़ा-सा भी राग या द्वेष का अंश कभी भी अपने दिल में मत बसाओ। इसे तो गुलाब के फूल की तरह रहने दो- ताजा, कोमल और सुगंधित। यह कैसा भ्रम है- तुम किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो, और यह तुम्हारे हृदय को कठोर बनाता है। और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं जो तुम्हें अनमोल खजाने से दूर रखते हैं।

इस भौतिक संसार में कोई भी चीज तुम्हें तृप्ति नहीं दे सकती। बाहरी दुनिया में संतुष्टि खोजने वाला मन अधिक अतृप्त हो जाता है और यह अतृप्ति बढ़ती ही जाती है; शिकायतें तथा नकारात्मक स्वभाव दिमाग को कठोर बनाने लगते हैं, सजगता को ढक देते हैं और पूरे वातावरण में नकारात्मकता का विष फैला देते हैं। जब नकारात्मकता शिखर छूती है, एक अत्यधिक फूले हुए गुब्बारे की तरह फूट जाती है और फिर से दिव्यता में आ जाती है।

ऑडियोलॉजी में करियर कैसे बनाएं

यह हेल्थ सर्विस का अलाइड फील्ड है, जिसके प्रोफेशनल्स फिजीशियन नहीं, बल्कि स्पीच लैंग्वेज और हियरिंग के एक्सपर्ट होते हैं। इनका काम स्पीच (कम्युनिकेशन), वॉयस या लैंग्वेज डिसॉर्डर से ग्रसित बच्चों या वयस्क लोगों की पहचान, बचाव और फिर उन्हें रिहैबिलिटेट करना होता है। ऑडियोलॉजिस्ट्स लोगों में हियरिंग लॉस, ऑडिटरी, बैलेंस और दूसरे सेंसरी एवं न्यूरल प्रॉबलम्स के लक्षणों का परीक्षण करते हैं। ये ऑडियोमीटर्स, कंप्यूटर्स और टेस्टिंग डिवाइस की मदद से मरीजों के ऑडिटरी एवं बैलेंस प्रॉब्लम्स के प्रभाव का पता लगाते हैं। इसके बाद ही मरीज का लाइन ऑफ ट्रीटमेंट तय किया जाता है

ऑडियोलॉजिस्ट की बढ़ती डिमांड

हमारे देश में ऐसे बच्चों और लोगों की संख्या लाखों में है, जो स्पीच लैंग्वेज और हियरिंग डिसॉर्डर के शिकार हैं। लेकिन इस अनुपात में देश में क्वालिफाइड स्पेशलिस्ट्स की अभी काफी कमी है। जाहिर है, आप ऑडियोलॉजी में स्पेशलाइज्ड कोर्स करके इस फील्ड का अहम हिस्सा बन सकते हैं।

क्या है स्पीच ऑडियोलॉजी?

यह हेल्थ सर्विस का अलाइड फील्ड है, जिसके प्रोफेशनल्स फिजीशियन नहीं, बल्कि स्पीच लैंग्वेज और हियरिंग के एक्सपर्ट होते हैं। इनका काम स्पीच (कम्युनिकेशन), वॉयस या लैंग्वेज डिसॉर्डर से ग्रसित बच्चों या वयस्क लोगों की पहचान, बचाव और फिर उन्हें रिहैबिलिटेट करना होता है। ऑडियोलॉजिस्ट्स लोगों में हियरिंग लॉस, ऑडिटरी, बैलेंस और दूसरे सेंसरी एवं न्यूरल प्रॉबलम्स के लक्षणों का परीक्षण करते हैं। ये ऑडियोमीटर्स, कंप्यूटर्स और टेस्टिंग डिवाइस की मदद से मरीजों के ऑडिटरी एवं बैलेंस प्रॉब्लम्स के प्रभाव का पता लगाते हैं। इसके बाद ही मरीज का लाइन ऑफ ट्रीटमेंट तय

किया जाता है।

पेशेंस होना जरूरी

एक ऑडियोलॉजिस्ट को विभिन्न उम्र, संस्कृति, सोशल बैकग्राउंड के लोगों के साथ डील करना होता है। इसके लिए स्ट्रॉन्ग इंटरपर्सनल स्किल, साइंटिफिक एटीट्यूड के साथ पेशेंस होना जरूरी है। साथ ही, टेक्निकल अपग्रेडेशन करते रहना होगा, क्योंकि इन दिनों हियरिंग एड्स, कोकलियर इंप्लांट्स, लिसनिंग डिवाइस जैसे कई उपकरण बाजार में आ गए हैं, जिनकी मदद इस प्रोफेशन में ली जा रही है। इसके अलावा, लीडरशिप और मैनेजमेंट स्किल्स को भी तराशते रहना होगा।

शैक्षणिक योग्यता

स्पीच ऑडियोलॉजिस्ट बनने के लिए आपके पास स्पीच ऐंड हियरिंग साइंस में ग्रेजुएशन या मास्टर्स डिग्री जरूरी है। वैसे इस फील्ड में डिप्लोमा कोर्स करके भी आया जा सकता है। हालांकि, ऑडियोलॉजी ऐंड स्पीच, हियरिंग लैंग्वेज ऐंड स्पीच, ऑडियोलॉजी ऐंड स्पीच रिहैबिलिटेशन, स्पीच लैंग्वेज ऐंड हियरिंग साइंस या बैचलर इन स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी कोर्स करना सही रहेगा। इंडिया में करीब 20 यूनिवर्सिटीज में स्पीच पैथोलॉजी एवं ऑडियो से संबंधित कोर्स संचालित किए जाते हैं, जो रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त हैं। स्टूडेंट्स को एडमिशन मेरिट के आधार पर मिलता है। कई संस्थानों में एंट्रेंस एग्जाम के जरिए एडमिशन दिया जाता है।

बहुत अच्छे विकल्प

ऑडियोलॉजिस्ट्स फिजिशियंस, साइकोलॉजिस्ट्स, या सोशल वर्कर्स के साथ काम करते हैं। आप चाहें तो स्कूल्स, हॉस्पिटल्स, रिहैबिलिटेशन सेंटर्स, नर्सिंग केयर फैसिलिटीज, एडल्ट केयर सेंटर, रिसर्च लैबोरेटरी आदि को अपनी सेवाएं दे सकते हैं। आपके पास पैरा मेडिकल कॉलेज में शिक्षण कार्य से जुड़ने के अलावा साइन लैंग्वेज एंटरप्रेटर, लैंग्वेज स्पेशलिस्ट, लिंग्विस्ट के तौर पर काम करने के भी अवसर हैं। विदेशों में भी ऑडियोलॉजिस्ट्स के लिए बहुत अच्छे विकल्प हैं।

मास्टर्स करने पर मिलेगी ग्रोथ

भारत में करीब 7.5 फीसदी लोगों को स्पीच, जबकि 18.9 फीसदी को हियरिंग रिलेटेड प्रॉब्लम है। ऐसे में स्पेशलाइज्ड प्रोफेशनल्स यानी ऑडियोलॉजिस्ट्स या स्पीच पैथोलॉजिस्ट्स के लिए काफी स्कोप है। वे प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर में काम करने के अलावा निजी प्रैक्टिस कर सकते हैं। एक ग्रेजुएट ऑडियोलॉजिस्ट को शुरुआत में 18 से 20 हजार रुपये महीने मिलते हैं, जबकि ऑडियोलॉजी ऐंड स्पीज लैंग्वेज पैथोलॉजी आदि सब्जेक्ट में मास्टर्स या पीएचडी करने वालों को इनसे लगभग दोगुनी सैलरी मिलती है।

प्रमुख संस्थान

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच ऐंड हियरिंग मैसूर
- अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द हियरिंग हैंडीकैप्ड, मुंबई
- श्रीरामचंद्र मेडिकल कॉलेज ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, चेन्नई
- पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन ऐंड रिसर्च, चंडीगढ़
- मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन

वर्कआउट के दौरान भी सावधानी बरतना जरूरी

आजकल ज्यादातर युवा अपनी हेल्थ को मेन्टेन रखने के लिए जिम जाते हैं या घर पर ही कसरत करके खूब पसीना बहाते हैं। किसी को अपनी अच्छी बॉडी बनानी है, तो कोई अपने वजन को कम करने की जुगत में लगा है और इसलिए वर्कआउट करता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि हम कैसे वर्कआउट को बेहतर बना सकते हैं? इसके लिए ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं...

दोबारा वर्कआउट से पहले लें आराम

युवाओं में जोश होता है, इसलिए वह जिम में ज्यादा से ज्यादा पसीना बहाते हैं। ऐसे में हम अगर ये कहें कि आप खुद को थोड़ा रेस्ट देकर वर्कआउट करें तो आपको ज्यादा फायदा होगा। क्या आप इस बात पर यकीन करेंगे? जी हां, थोड़ा सा रेस्ट लंबे समय तक आपके लिए अच्छा हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि एक जैसी एक्सर्साइज दोबारा करने से पहले 48 घंटे का आराम अच्छा होता है। क्योंकि लगातार एक्सर्साइज या वर्कआउट के बाद दोबारा से रिपेयर होने के लिए मांसपेशियों को 5 दिन का समय लगता है। लिहाजा मसल्स को थोड़ा आराम दें ताकि वे दोबारा स्ट्रॉन्ग बन सकें।

हल्की-फुल्की कसरत करें

अब हम आराम की बात करते हैं, तो इसका मतलब ये नहीं कि आप एक्सर्साइज पूरी तरह से बंद कर दें। ऐसे में आप अपनी मांसपेशियों अच्छी तरह रिपेयर करने के लिए छोटी-मोटी एक्सर्साइज कर सकते हैं। इस बात का ख्याल रखें कि इस दौरान आप खुद की बॉडी को अनावश्यक तनाव न दें, बल्कि उतनी ही एक्सर्साइज करें, जिससे आपकी मांसपेशियों की टूट-फूट दोबारा से सही हो सके। आप इस दौरान ब्रिस्क वॉक या स्विमिंग कर सकते हैं।

सतर्कता है जरूरी

इस बात का ख्याल रखें कि वर्कआउट के समय आपको किसी प्रकार की चोट न लगे। आपको जानकर हैरानी होगी कि जब आप अपनी मसल्स को तनाव देना बंद करते हैं, तब आपकी मांसपेशियों से सूक्ष्म आंसू निकलते हैं। यह आंसू आपकी मांसपेशियों के उपचार की एक प्रक्रिया है, जो उन्हें और मजबूत बनाती है। इसलिए आप जब भी ओवर ट्रेनिंग करते हैं, तब आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनने के लिए आराम की जरूरत होती है। लिहाजा वर्कआउट के दौरान भी सावधानी बरतना जरूरी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आपको कैसे पता चलेगा कि कब हमारी मांसपेशियों को आराम की जरूरत है? इसके लिए आपको एक्सर्साइज के बाद जब भी तकलीफ महसूस हो, बाकी दिनों से ज्यादा कमजोरी फील हो तो यह इस बात का सबूत है कि आपको आराम की जरूरत है।

पटना के विकाश वर्मा की पहली इंडो पोलिश फिल्म "नो मीन्स नो" की रिलीज डेट बढ़ी

अब जून में रिलीज होगी फ़िल्म

दिग्गज फिल्म स्टार संजय दत्त ने अपने ट्वीट में डायरेक्टर विकाश वर्मा द्वारा निर्मित पहली इंडो पोलिश फिल्म नो मीन्स नो की रिलीज़ डेट को आगे बढ़ाने के निर्णय की सराहना की है। बड़ी बजट की फिल्म नो मीन्स नो को 5 नवंबर को रिलीज़ किया जाना था, परंतु इसकी रिलीज़ जून 2022 तक टाल दी गयी। पहले बहुत से फिल्म एनालिस्ट भी फिल्म नो मीन्स नो की रिलीज़ डेट टालने के इस कदम को गेम चेंजर बताया हैं। पटना के कंकड़बाग के रहने वाले विशाल वर्मा ने पहली बार एक इंडो पोलिस फ़िल्म को डायरेक्ट की है, जिससे उन्हें काफी उम्मीदें हैं।

एक बड़े न्यूज़पेपर ने डब्ल्यूएचओ का हवाला देते हुए बताया कि कोविड-19 का प्रभाव 2022 जून के अंत तक कम हो सकता है, उसके बाद ही आम जीवन सामान्य हो पाएगा। कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन के कारण भारत के कई शहरों में धारा 144 तक लगा दिया गया है, लॉकडाउन के अनिश्चितता के आशंका के बीच अगर कोई फिल्म रिलीज़ होती है तो उससे फिल्म निर्माता को करोंडो का नुकसान हो सकता है।

जो फिल्में कोविड महामारी के बाद रिलीज़ हुईं, उनमें से बस देखा जाए तो सूर्यवंशी ही सुपरहिट साबित हुई। उसके साथ की सलमान ख़ान की अंतिम और अहान शेट्टी की तड़प ने दर्शकों पर पकड़ बनाये रखा पर उसके अलावा ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गयी। बहुत सी फिल्में तो अपनी लागत भी नहीं निकाल पायी हैं।आपको बता दे कि नो मीन्स नो एक इंटरनेशनल फिल्म है, जो पूरी दुनियाभर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज़ होगी। नो मीन्स नो के बारे में कहा जाता है कि जैसे राजकपूर ने अपनी फिल्मों के जरिए भारत और रूस के रिश्ते मज़बूत किए थे, वही काम फिल्ममेकर विकाश वर्मा अपनी इंडो-पोलिश फिल्म नो मीन्स नो के जरिए भारत और पोलैंड के बीच रिश्तों में कर रहे हैं। उनकी इस फिल्म को बनाने में लेटैस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है और पोलैंड की ख़ूबसूरती को बख़ूबी दिखाया गया है। पोलैंड की सरकार ने फिल्म के शूट में फिल्ममेकर्स को पूरी तरह से सहयोग दिया है। इस बड़े बजट की फिल्म को लेकर फिल्ममेकर्स कोई रिस्क नहीं लेना चाहते, इसलिए आरआरआर और केजीएफ-2 की ही तरह इस चर्चित इंडो-पोलिश फिल्म की भी रिलीज़ आगे बढ़ाई गयी है और इस फिल्म के अगले साल जून में केजीएफ-2 के साथ रिलीज़ होने की संभावना है।

अपने बच्चों को हाई बीपी से करें बचाव

अभिभावक बचपन से ही बच्चों का ध्यान रखें क्योंकि आजकल आरामदायक जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर भोजन के कारण छोटे बच्चे भी उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) जैसी बिमारी से पीड़ित पाये जा रहे हैं। एक रिपोर्ट में सामने आया है कि प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में लगभग 23 प्रतिशत बच्चे उच्च रक्तचाप (बीपी) की समस्या से पीड़ित हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बचपन में हाई बीपी से वयस्क होने पर हृदय रोगों की शुरुआत होने का खतरा रहता है। मोटापे से ग्रस्त या अधिक वजन वाले बच्चों में अगर समय पर जांच और उपचार न हो तो स्थिति और भी खतरनाक हो सकती है।

जंक फूड बढ़ा रहा बीपी

वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक, आजकल के बच्चे जीवन के शुरुआती चरण में ही विभिन्न प्रकार के जंक फूड के संपर्क में आ जाते हैं। यह खाद्य पदार्थ दुकानों व घरों में लंबे समय तक रखे रहते हैं, जिसके लिए उनमें अत्यधिक मात्रा में नमक और चीनी मिलाई जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। वहीं इसकी जगह ब्राउन शुगर, गुड़ और पाम शुगर का सेवन करना चाहिये।

जो चावल हम आज इस्तेमाल करते हैं, वह भी अत्यधिक परिष्कृत या प्रोसेस्ड होता है और केवल कुछ समय में ही पच जाता है। इससे ग्लूकोज के स्तर में वृद्धि होती है और हमें अक्सर भूख लगती रहती है, जिससे दिन में बार-बार कुछ खाते रहने की इच्छा बनी रहती है।

हाई बीपी से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। ऐसे में बच्चों में शुरुआत से ही अच्छे पोषण संबंधी आदतें विकसित करना महत्वपूर्ण होता है। छोटी उम्र से ही पर्याप्त शारीरिक गतिविधि तय करना हर बच्चे के विकास का एक समान रूप से महत्वपूर्ण पहलू है। जीवनशैली की बीमारियों की रोकथाम शुरू होनी चाहिए। स्कूल अपने छात्रों के जीवन को सही दिशा देने में मदद कर सकते हैं और बचपन में मोटापे के खिलाफ लड़ाई में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बचपन की स्वस्थ आदतें आगे के स्वस्थ जीवन की नींव रखती हैं। बच्चों में शुरू से ही खाने की अच्छी आदतों को प्रोत्साहित करें। उनके पसंदीदा व्यंजनों को सेहत के लिए उचित तरीके से बनाने का प्रयास करें। कुछ बदलावों से स्नैक्स को भी स्वास्थ्यप्रद बनाया जा सकता है। कैलोरी से भरपूर भोजन से बच्चों को दूर ही रखें। उन्हें ट्रीट देने में हर्ज नहीं है, लेकिन संयम के साथ और वसा, चीनी व नमक की मात्रा का ध्यान रखते हुए। बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का महत्व समझाएं। हर दिन कम से कम 60 मिनट तक मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि में शामिल करें। एक जगह बैठे रहने की आदत को कम करें। पढ़ना एक अच्छा विकल्प है, इसलिए स्क्रीन पर अधिक समय न बिताएं। बच्चों को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल या कम्प्यूटर से हटाकर कुछ आउटडोर गतिविधियों में लगा दें।

इजराइल ने लेबनान में ईसाई ठिकाने पर हमला किया: 21 लोगों की मौत; नेतन्याहू बोले हिजबुल्लाह के सभी ठिकानों को निशाना बनाएंगे

बेरूत : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सोमवार को उत्तरी लेबनान में इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हैं। अलजजीरा के मुताबिक, इजराइल का ये हमला त्रिपोली के एक ईसाई इलाके ऐतोउ में हुआ। आमतौर पर इजराइल ईसाई इलाके में हमला नहीं करता।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऐतोउ में एक अपार्टमेंट में दक्षिण लेबनान से पलायन कर आए लोग रह रहे थे। त्रिपोली लेबनान के सुरक्षित इलाके में गिना जाता रहा है। हालांकि, इजराइल ने पिछले हफ्ते पहली बार यहां एक शरणार्थी कैंप पर बमबारी की थी।

इजराइली सेना ने इस हमले पर कुछ नहीं कहा है। इससे कुछ ही घंटे पहले इजराइल के PM बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बेरूत समेत हर उस इलाके पर हमला किया जाएगा, जहां हिजबुल्लाह के ठिकाने हैं।

गाजा में भी इजराइली हमला जारी, 29 की मौत इजराइल का गाजा पर मंगलवार को भी हमला जारी रहा। अलजजीरा के मुताबिक इजराइली सेना ने मंगलवार सुबह दक्षिणी गाजा में सलाह-अल-दीन मस्जिद पर बमबारी की थी। इसमें 29 लोगों की मौत हो गई।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने नागरिकों के बीच छिपे आतंकवादियों को निशाना बनाया था। हालांकि, उसने कोई सबूत नहीं दिया। इजराइल ने कई बार भीड़ वाले शरणार्थी शिविरों और तंबुओं में बनाए गए शिविरों पर हमला किया। आरोप लगाया कि हमास के लड़ाके हमलों के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

इससे कुछ घंटे पहले गाजा पट्टी में एक अस्पताल परिसर पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई। फिलिस्तीनी चिकित्सकों ने बताया कि हमले के चलते युद्ध से विस्थापित लोगों के लिए बनाए गए एक शरणार्थी शिविर में आग लग जाने से कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

दो हफ्ते बाद दिखे IRGC चीफ, मारे जाने की खबर थी ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के ब्रिगेडियर जनरल इस्माइल कानी 2 हफ्ते बाद दिखाई दिए। CNN के मुताबिक, उनके इजराइली हमले में मारे जाने की आशंका जताई जा रही थी।

इस्माइल कानी मंगलवार की सुबह ईरानी टेलीवजन चैनलों पर दिखाई दिए। वे तेहरान एयरपोर्ट पर अब्बास निलफोरुशन के शव को रिसीव करने पहुंचे थे। सितंबर में बेरूत पर इजराइली ड्रोन हमले में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के साथ निलफोरुशन की भी मौत हो गई थी। निलफोरुशन बेरूत में नसरल्लाह को ईरानी लीडर खामेनेई का मैसेज देने पहुंचे थे।

संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव-1701 सिर्फ दिखावा.......ना इजराइल मान रहा न हिजबुल्लाह

वाशिंगटन (ईएमएस)। इजरायल और लेबनान के बीच चल रही जंग में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएन) प्रस्ताव-1701 बेमतलब साबित हो रहा है। एनएफआईएल (यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फ़ोर्स लेबनान) ने बताया कि लगातार इजरायली सैनिक उनकी चौकी को निशाना बना रहे हैं। वहीं इजराइली डिफेंस फोर्सेस का कहना है कि हिजबुल्लाह के ठिकाने एनएफआईएल की चौकियों के पास हैं, जहां से हिजबुल्लाह इजरायल पर रॉकेट और मिसाइल दाग रहा है।

इजरायल ने लेबनान पर ग्राउंड अटैक शुरू किया था तब एनएफआईएल से वहां से पीछे हटने को कहा था लेकिन एनएफआईएल ने इंकार कर वहां डटे रहे। इजराइल और लेबनान के बीच के एरिया को ब्लू लाइन के नाम से जाना जाता है। इसकी कुल लंबाई 120 किलोमीटर है। ये एक बफर जोन है जहां यूएन फ़ोर्स तैनात है, जो पीसकीपिंग फोर्स है। एनएफआईएल के तहत भारत सहित दुनिया के 50 देशों की सेना के 10 हज़ार से ज़्यादा सैनिक तैनात हैं। इसमें भारत के भी करीब 900 सैनिक हैं। एनएफआईएल ने कहा कि राम्याह में यूएन चौकी पर तैनात पीसकीपर्स ने देखा कि इजरायली डिफेंस फोर्सेस के तीन प्लाटून ब्लू लाइन को पार कर लेबनान में घुस गए। सुबह तड़के साढ़े चार बजे इजरायल के दो मर्कवा टैंकों ने यूएन चौकी के मुख्य गेट को नष्ट कर जबरदस्ती प्रवेश कर लाइट बंद करने को कहा।

वहीं इजरायली डिफेंस फोर्सेस का कहना है कि हम यूएन चौकी को नहीं बल्कि हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। आईडीएफ ने कहा है कि दक्षिण लेबनान में एनएफआईएल चौकियों के पास हिजबुल्लाह के ठिकाने हैं और पिछले महीनों में वहां से कीरब 25 रॉकेट और मिसाइलें इजरायली समुदाय और इजरायली सैनिकों पर दागी गई। इन हमलों में दो इजरायली सैनिक मारे भी गए।

प्रस्ताव 1701 को लागू करने में विफलता?

आईडीएफ ने कहा कि लेबनान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने प्रस्ताव 1701 को लागू करने में विफलता दिखाई है, जबकि इसे लागू करने के लिए बार-बार अनुरोध किए गए हैं। आईडीएफ ने कहा कि कई सालों से हिज़्बुल्लाह ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का गंभीर उल्लंघन करते हुए दक्षिणी लेबनान बना हुआ है।

क्या है प्रस्ताव 1701

2006 में इजरायल-लेबनान युद्ध को खत्म करने के लिए यूएन का प्रस्ताव 1701 आया था। इसमें इजरायल और हिजबुल्ला के बीच के संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने, लेबनान से इजरायली सेना को वापस बुलाने और लेबनान में एनएफआईएल के सैनिकों को तैनात करने का प्रस्ताव था। इसमें दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह को डिसआर्म (बिना हथियारों का) करना शामिल था।

एससीओ बैठक में पीएम मोदी आते तो अच्छा होता, उनसे करता मुलाकातः नवाज

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। एससीओ बैठक में शामिल होने पीएम मोदी आते तो ज्यादा अच्छा होता, मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे मुलाकात करूंगा। पाकिस्तान में 15 अक्टूबर यानी मंगलवार से एससीओ की बैठक से पहले ये बात पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने कही। पाकिस्तान ने अगस्त में पीएम मोदी को एससीओ का न्योता भेजा था, लेकिन दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के चलते विदेश मंत्री एस जयशंकर इस बैठक में शामिल हो रहे हैं।

जयशंकर वहां 24 घंटे बिताएंगे। विदेश मंत्री पाकिस्तान जाने पहले ही ये साफ कर चुके हैं कि वहां जाने का मकसद सिर्फ एससीओ बैठक है, दोनों देशों के रिश्तों पर कोई भी बातचीत नहीं होगी। भारत के अलावा रूस और चीन समेत दस देशों के प्रतिनिधि भी इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। इसके मद्देनजर सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए इस्लामाबाद में लॉकडाउन लगा दिया गया है। साथ ही पूरे शहर में तीन दिन के लिए छुट्टी घोषित कर दी गई है।

विदेश मंत्री जयशंकर करीब आठ महीने बाद पाकिस्तान जाने वाले भारत के पहले नेता हैं। इसलिए भी ये दौरा खास है। उनसे पहले 25 दिसंबर 2015 को भारत के पीएम नरेंद्र मोदी पाकिस्तान के दौरे पर गए थे। तब मोदी एक सरप्राइज विजिट पर लाहौर गए थे।

इंडोनेशिया में राष्ट्रपति जोको विडोडा और उनकी पत्नी इरीना जोको विडोडा अपने बेटे गैब्रियन की सिल्वी से शादी के अवसर पर खुशी मनाते हुए।

मास्को में बर्फबारी के दौरान छाते लेकर जाते हुए लोग।

9/11 जैसा हमला करना चाहता था हमास, ईरान को भी थी जानकारी

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा: खान युनूस सुरंगों में मिले दस्तावेजों से हुआ खुलासा

येरुशलम,(ईएमएस)। हमास इजराइल पर 9/11 जैसा हमला करने की फिराक में था। तैयारी भी थी। हर एक चीज की जानकारी ईरान को थी। यह खुलासा हुआ है लीक हुए कुछ दस्तावेजों से जिसे इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने खान युनुस की सुरंगों से हासिल किया था। मीडिया रिपोर्ट में इन दस्तावेजों के आधार पर खबरें आ रही हैं। 10 महीने से इजराइल के पास ये दस्तावेज मौजूद थे, तो ये इस समय क्यों और कैसे लीक हुए। कहा जा रहा है कि इजराइल ने जानबूझकर इन दस्तावेजों को लीक किया है, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमास-हिज्बुल्लाह और ईरान के खिलाफ मत हासिल किया जाए।

कुछ लोगों का मानना है कि दस्तावेज जारी करने की वजह ये भी हो सकती है कि जब इजराइल ईरान पर हमला करे तो दुनिया उसके साथ रहे। क्योंकि ईरान ने हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइलें इजराइल पर दागी थीं। इजरायल ये बताना चाहता है कि हमास के हमले की जानकारी ईरान को थी। वह उसे सपोर्ट कर रहा था। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2023 में हमास प्रमुख याह्या सिनवार का डिप्टी खलील अल हाया ने अपना प्लान अक्टूबर के हमले से एक महीने पहले ही लेबनान कमांडर मोहम्मद सैद इजादी को बता चुका था। इजादी आतंकी संगठन और ईरानी सरकार के बीच की कड़ी है। जो दोनों की डील कराता है।

हिज्बुल्लाह के 9/11 जैसे हमले के प्लान का ईरान ने स्वागत किया था। हमास ने इस प्लान को सफल बनाने के लिए ईरान से पैसे भी मांगे थे। साथ ही इस हमले में शामिल होने का न्यौता भी दिया था। इसके बाद ईरान ने हमास के हमले के समय हिज्बुल्लाह से रॉकेट और मिसाइल दागने को कहा था। खुद नहीं किया। हमास असल में 2022 में ये हमला करना चाहा था। जब इजराइल के प्रधानमंत्री याइर लापिड थे। उस समय नेतन्याहू ज्यूडिशियल रिफॉर्म प्लान में लगे थे। उस समय इजराइल में राजनीतिक उथल-पुथल चल रही थी। साढ़े तीन साल में पांचवीं बार चुनाव हो रहे थे। हमास चाहता था कि हिज्बुल्लाह उसके साथ हमले में रहे। हिज्बुल्लाह ने हमास के हमले के समय इजराइल पर काफी रॉकेट दागे थे।

न्यूयार्क स्टॉक एक्सचेंज के बाहर एक फिलिस्तीन समर्थक को हरासत में लेते हुए पुलिस अधिकारी।

नासा ने बृहस्पति के चांद यूरोपा पर स्पेसक्राफ्ट भेजा:2030 में पहुंचेगा, जीवन की संभावनाएं तलाशेगा; बर्फीली सतह के नीचे समुद्र होने के संकेत

न्यूयॉर्क : बृहस्पति ग्रह के चांद यूरोपा पर जीवन की संभावना की तलाश करने के लिए नासा ने सोमवार को यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया। स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया।

यह मिशन 6 साल का होगा और इस दौरान स्पेसक्राफ्ट करीब 3 अरब किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। यूरोपा क्लिपर 11 अप्रैल 2030 में बृहस्पति की कक्षा में दाखिल होगा। इसके बाद 4 साल में यह 49 बार यूरोपा चांद के करीब से गुजरेगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वैज्ञानिकों को लगता है कि बृहस्पति के चांद की बर्फीली सतह के नीचे समुद्र हैं, जो इस उपग्रह को रहने लायक बना सकते हैं। यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट पर कई सोलर पैनल लगे हैं।

नासा ने मिशन पर 43 हजार करोड़ खर्च किए यह किसी दूसरे ग्रह की जांच के लिए नासा की तरफ से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्पेसक्राफ्ट है। इसका साइज एक बास्केटबॉल कोर्ट से भी बड़ा है। इस मिशन पर नासा ने 43 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

स्पेसक्राफ्ट यूरोपा चांद की जांच के लिए अपने साथ 9 उपकरण लेकर गया है। इनमें कैमरा, स्पेक्ट्रोमीटर, मैग्नेटोमीटर और रडार शामिल हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक बृहस्पति के चांद पर मौजूद समुद्र की गहराई का पता लगाया जाएगा। इसके अलावा वे यूरोपा की सतह पर जीवन के लिए जरूरी दूसरी चीजों की मौजूदगी भी तलाशेंगे। साथ ही वे चांद की सतह पर मैग्नेटिक फील्ड को भी चेक करेंगे।

28 साल पहले यूरोपा पर खारे पानी होने के संकेत मिले 1979 में वॉयजर 2 मिशन बृहस्पति के करीब से गुजरा था। तब उसने यूरोपा चांद की कुछ तस्वीरें ली थीं। इनमें चांद पर कुछ गड्ढे और क्रेटर दिखे थे, जिसे जियोलॉजिकल प्रोसेस की संभावना के तौर पर देखा गया था।

1996 में नासा के गैलीलियो स्पेसक्राफ्ट ने यूरोपा की मैग्नेटिक फील्ड की जांच की थी। तब यूरोपा पर खारे पानी होने के संकेत मिले थे। अमेरिका के प्लैनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट ने वैज्ञानिक टॉम मैक्कॉर्ड ने बताया कि यूरोपा क्लिपर मिशन की प्लानिंग 1995 में शुरू की गई थी।

यूरोपीय एजेंसी ने भी बृहस्पति पर भेजा था मिशन इससे पहले पिछले साल 14 अप्रैल को यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ESA) ने बृहस्पति के यूरोपा चांद पर जीवन की संभावना तलाशने के लिए जूस मिशन लॉन्च किया था। यह 2031 में बृहस्पति ग्रह तक पहुंचेगा। जूस मिशन के तहत बृहस्पति के 3 मुख्य चंद्रमा- गैनीमीड, कैलिस्टो और यूरोपा पर रिसर्च होगी।

अब तक 8 स्पेसक्राफ्ट बृहस्पति के करीब तक पहुंच चुके हैं। इनमें सबसे पहला पायनियर-10 था, जिसे दूसरे ग्रहों पर रिसर्च के लिए 1973 में भेजा गया था। 2011 में स्पेसक्राफ्ट जूनो लॉन्च किया गया था। यह साल 2016 से उसकी परिक्रमा कर रहा है। पिछले साल जूनो ने बृहस्पति की 50 परिक्रमाएं पूरी की थीं।

तबाह हो चुके गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान शुरु

गाजा (ईएमएस)। इजरायली हमलों में तबाह हो चुके गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण शुरु किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभियान गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र में शुरू हुआ।रिपोर्ट के अनुसार, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि दो सप्ताह से भी कम समय में, यूएनआरडब्ल्यूए (फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी), विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष का लक्ष्य 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 5,90,000 बच्चों को नोवल ओरल पोलियो वैक्सीनेशन की दूसरी खुराक देना है। टीकाकरण का पहला चरण 1 से 12 सितंबर तक लागू हुआ था, तब 5,59,000 से अधिक बच्चों तक पहुंचा गया। पहले दौर की तरह, दूसरे दौर में भी तीन चरण होने हैं, जिनमें से प्रत्येक में तीन अभियान दिवस और एक कैच-अप दिवस शामिल होगा।

पन्नू ने कनाडा के सांसद आर्य को लेकर कहा.....क्या हश्र होता है, ये वक्त ही बताएगा

टोरंटो (ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस का प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू की हिम्मत बढ़ती जा रही हैं। अब आंतकी पन्नू ने कनाडा के सांसद चंद्र आर्य को धमकी दे दी है। आर्य ने कनाडा में बढ़ते खालिस्तानी उग्रवाद की निंदा की है। इससे गुस्साएं पन्नू ने आर्य को देख लेने की धमकी दी है। पन्नू ने ऑडियो संदेश में कहा है कि सांसद आर्य भारत सरकार के मुखपत्र हैं। पन्नू ने धमकी भरे लहजे में कहा, सांसद आर्य का क्या हश्र होता है, ये वक्त ही बताएगा।सोमवार को एक और वीडियो वायरल हुआ, इसमें कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा को निशाना बनाते हुए दिखाया गया। उनके पुतले जलाए गए और उग्रवादियों ने उन पर निज्जर की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया, जिन्हें उन्होंने शहीद बताया। कनाडा से आए इस वीडियो ने तनाव को और बढ़ा दिया है।कनाडा में भारत के पूर्व उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने इन घटनाक्रमों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार के रुख से भारत और कनाडा के बीच भू-राजनीतिक तालमेल (जियो-पॉलिटिकिल अलाइनमेंट) कमजोर हो रहा है। उन्होंने इन घटनाक्रमों को बेवजह का उकसावा बताया और अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए द्विपक्षीय संबंधों में खटास लाने के लिए कनाडाई नेतृत्व की आलोचना की। हाल के महीनों में सांसद आर्य ने खालिस्तानी उग्रवाद की मुखर आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि इससे पहले की बहुत देर हो जाए, बढ़ती हिंसा से सख्ती से निपटा जाए। आर्य के बयानों के जवाब में पन्नू ने सांसद और उनके हिंदू-कनाडाई समर्थकों से कहा है कि वे मोदी के भारत ही चले जाएं। आर्य ने पन्नू की धमकियों का जवाब देकर कहा कि खालिस्तानी उग्रवादी कनाडा का माहौल खराब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खालिस्तानी कनाडाई चार्टर ऑफ राइट्स से मिली स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं।

नाइजीरिया का इगबूरा की पहचान ट्विंस कैपिटल के रूप में

नाइजीरिया (ईएमएस)। नाइजीरिया मे इगबुरा मे वर्ल्ड ट्विन्स फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। इस फेस्टिवल में बड़े पैमाने पर दुनिया भर के ट्विंस बच्चे आए हैं। इग्बुरा में 1000 बच्चों के पैदा होने पर 50 बच्चे ट्विंस पैदा होते हैं। विश्व के अन्य देशों में 1000 बच्चों में अधिकतम 12 बच्चे ट्विन्स पैदा होने का रिकॉर्ड है। जिसके कारण इग्बुरा को वर्ल्ड ट्विंस कैपिटल के रूप में सारी दुनिया में जाना जाता है।

7 अक्टूबर के इजराइली हमले में शामिल अबु दक्का एक हमले में मारा गया

आईडीएफ का दावा-हमास के ड्रोन अटैक और पैरा-ग्लाइडिंग यूनिट को करता था लीड यूरुशलम,(ईएमएस)। इजराइल ने हमास के एक और बड़े कमांडर समीर अबु दक्का को मार गिराने का दावा किया है। इजराइल का कहना है दक्का ने पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए हमले में अहम भूमिका निभाई थी। वह हमास के ड्रोन अटैक और पैरा-ग्लाइडिंग यूनिट को लीड कर रहा था। उसकी ही मदद से हमास लड़ाके पिछले साल इतनी आसानी से इजराइल की सीमा में घुसकर इतना बड़ा हमला करने में सफल हुए थे। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) और इजराइल सिक्योरिटी एजेंसी (आईएसएफ) ने समीर अबु दक्का के मारे जाने की पुष्टि की है। इजराइल ने सितंबर 2024 में हमले किए थे, जिसमें हमास के एरियल यूनिट के चीफ समीर अबू दक्का मारा गया था। तब उसके मारे जाने की पुष्टि नहीं हो सकी थी। अब सूत्रों से पता चल गया है कि दक्का मारा जा चुका है। दक्का इजराइली क्षेत्र और आईडीएफ सैनिकों की ओर ड्रोन और यूएवी लॉन्च करने समेत कई हमलों को अंजाम दे चुका है। वह हमास की एरियल यूनिट में ज्ञान के एक अहम सोर्स के रूप में काम करता था। इजराइल का कहना है कि समीर अबु दक्का ने हमास की एरियल यूनिट को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह पहले मई 2021 में ऑपरेशन 'गार्डियन ऑफ द वॉल्स' तक हमास के यूएवी डिवीजन के प्रमुख के रूप में कार्यरत था। इसके अलावा वह हमास में हथियारों को बनाने वाली प्रोडक्शन यूनिट को भी लीड कर चुका है। उसे हमास की मिलिट्री यूनिट को मजबूत करने के लिए कई अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई थी। खुफिया जानकारी के मुताबिक इजराइल के एक साल से जारी हमलों के बावजूद अब नॉर्दर्न गाजा के जबालिया इलाके में अपनी सेनाओं को फिर से संगठित करने और पुनर्निर्माण करने की कोशिश कर रहा है। इजराइली डिफेंस फोर्स नॉर्दर्न गाजा के इलाके में हमास के खिलाफ जमीनी लड़ाई तेज कर चुकी है।

मस्क ने ऑप्टीमस जेन 2 ह्यूमनॉइड रोबोट किया पेश

सैन फ्रांसिस्कों (ईएमएस)। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने ऑप्टीमस जेन 2 ह्यूमनॉइड रोबोट को पेश किया है। मस्क ने 11 अक्टूबर को कैलिफोर्निया के बरबैंक में इस अत्याधुनिक रोबोट का अनावरण किया। यह रोबोट इंसानों की तरह चलने, बात करने और कई रोज़मर्रा के कार्यों में निपुण है, जो पहले संभव नहीं थे। ऑप्टीमस जेन 2 न केवल कुत्ते को घुमा सकता है, बल्कि बच्चों की देखभाल, घास काटने और ड्रिंक्स सर्व करने जैसे काम भी कर सकता है। इवेंट के दौरान रोबोट ने लोगों को ड्रिंक्स सर्व किया और इंसानों की तरह बातचीत भी की। मस्क ने इसे अब तक का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बताया और कहा कि इसकी संभावनाएं असीमित हैं। रोबोट की कीमत 20,000 डॉलर से 30,000 डॉलर के बीच होगी। मस्क ने ऑप्टीमस के भविष्य को लेकर कहा, दुनिया के 8 अरब लोग एक ऑप्टीमस साथी चाहेंगे। उन्होंने इसे दुनिया में क्रांति लाने वाला बताया। ऑप्टीमस जेन 2 ने अपनी नई स्किल्स के साथ शर्ट फोल्ड करना और इंसानों की तरह चलना भी दिखाया है, जो मस्क द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है। बता दें कि एलन मस्क ने दिसंबर 2023 में इसका लेटेस्ट वर्जन पेश किया गया था, जिसमें अब इंसानों की तरह तेजी से चलने और हाथों के उंगलियों से चीज़ों का स्पर्श महसूस करने की क्षमता जोड़ी गई है।

इजरायली डिफेंस फोर्स वह ताकतवर डिविजन...... जिनके सामने हमास और हिज़बुल्लाह ध्वस्त

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) की डिवीजन 98, जो हाल ही में लेबनान में बड़े सैन्य आक्रमण का नेतृत्व कर रही है, इजरायल की सबसे शक्तिशाली और प्रशिक्षित सैन्य इकाइयों में से एक मानी जाती है। इसी डिविजन ने फिलिस्तीन के खान यूनिस में हमास के सबसे मजबूत ठिकानों को ध्वस्त किया था। अब यह डिवीजन लेबनान में घुसकर हिज़बुल्लाह के खिलाफ जंग छेड़ रही है।

कमांडो यूनिट आईडीएफ की सबसे खतरनाक और प्रभावी यूनिट्स में से एक है। इस यूनिट को दुश्मन की सीमा के अंदर गुप्त और जटिल ऑपरेशनों के लिए जाना जाता है। यह इकाई तेजी से और सटीकता के साथ ऑपरेशन करने में माहिर होती है। इसकी प्रमुख भूमिका गुप्त मिशनों और आतंकवादी ठिकानों पर आक्रमण में होती है। इगोज यूनिट इजरायल की स्पेशल फोर्स यूनिट है, इस जंगल और पहाड़ी इलाकों में भीषण लड़ाई के लिए जाना जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य आतंकवादियों और गुरिल्ला युद्ध तकनीकों से निपटना है। आईडीएफ के पैराट्रूपर्स को अत्यधिक जोखिम भरे मिशनों को अंजाम देने के लिए पहचान जाता है। ये सैनिक हेलीकॉप्टर या हवाई जहाज से दुश्मन के इलाके में पैराशूट के जरिए उतरते हैं और तुरंत कार्रवाई में जुट जाते हैं। पैराट्रूपर्स का इस्तेमाल अक्सर दुश्मन के पीछे के इलाकों में महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा करने या वहां से दुश्मन को हटाने के लिए होता है।

गर्भावस्था परीक्षण के प्रकार कब और कैसे होने चाहिए

गर्भावस्था परीक्षण एक महिला के रक्त या मूत्र में हार्मोन का पता लगाकर काम करते हैं- एचसीजी (मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन) उत्पन्न होता है जब गर्भाशय में अंडे लगाया जाता है। गर्भावस्था परीक्षण दो प्रकार के होते हैं, एक खून का उपयोग करता है, और दूसरा मूत्र (घरेलू परीक्षण) का उपयोग करता है, एक मात्रात्मक रक्त परीक्षण गुणात्मक रक्त या मूत्र परीक्षण से पहले एचसीजी का पता लगाता है। अधिकांश होम गर्भावस्था परीक्षण , मूत्र प्रवाह में एचसीजी का पता लगाता है, जब कुछ मिनटों के बाद, परीक्षण सकारात्मक होता है, (गर्भावस्था का संकेत) सबसे मूत्र गर्भावस्था परीक्षण निर्देश कुछ दिनों में एक दूसरे परीक्षण का आग्रह करते हैं, चाहे कोई भी पहला परिणाम न हो, पैकेज निर्देशों का पालन करें, यदि कोई नियंत्रण संकेतक प्रकट नहीं होता है, तो परीक्षण के परिणाम भरोसेमंद नहीं होने चाहिए।

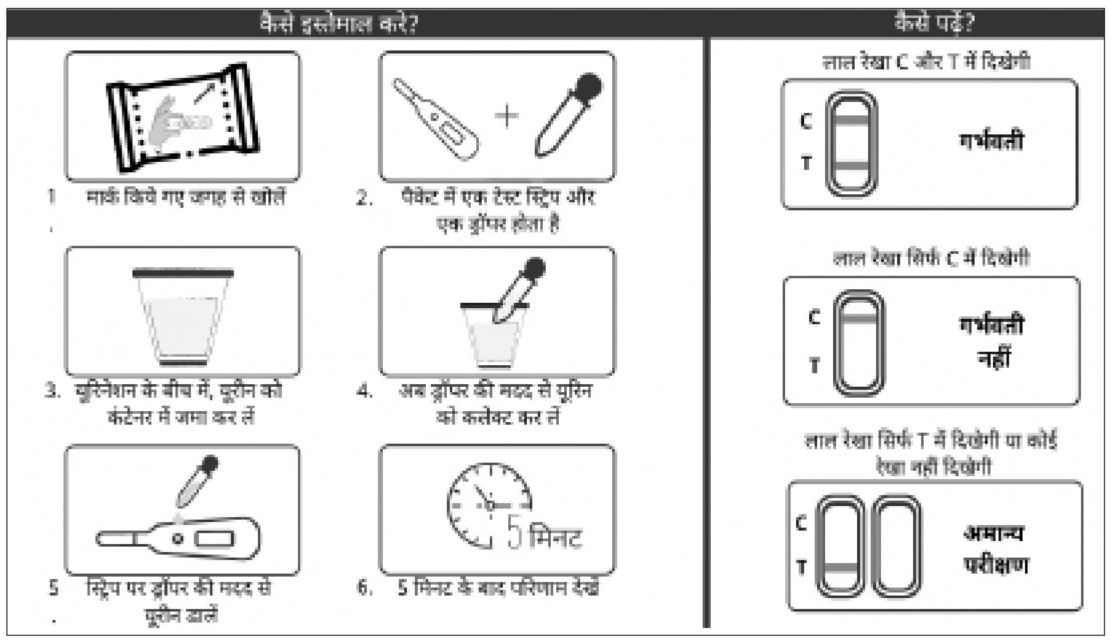

होम टेस्ट सटीक हैं, दूसरों की तुलना में कुछ बेहतर (प्रारंभिक गर्भावस्था दिखाने में अधिक संवेदनशील)। होम गर्भावस्था परीक्षण एक चूक अवधि के पहले दिन सकारात्मक परीक्षण कर सकते हैं, लेकिन लगभग सभी एक चूक अवधि के बाद 1 सप्ताह गर्भावस्था का पता लगा सकते हैं। यदि आप होम परिक्षण के साथ गर्भावस्था के लिए सकारात्मक परीक्षण करते हैं, तो एक नियुक्ति के लिए अपने चिकित्सक से बात करें। आप गर्भवती हो सकती है, और एक नकारात्मक होम गर्भावस्था परीक्षण हो सकती है, यही कारण है, कि आपको परीक्षण को दोहराने के लिए एक सप्ताह का इंतजार करना चाहिए। अधिकांश दवाएं और अन्य यौगिक (शराब, नशीले पदार्थ) गर्भावस्था के परीक्षणों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। हालांकि, एचसीजी (कुछ प्रजनन दवाओं) युक्त कोई भी दवा झूठी परीक्षण के परिणाम दे सकती है। किसी भी सवाल या गर्भावस्था के परीक्षण के साथ समस्याओं पर अपने चिकित्सक से चर्चा की जानी चाहिए।

परीक्षण कैसे काम करते हैं

सभी गर्भावस्था परीक्षण मूत्र या रक्त में एक निश्चित हार्मोन का पता लगाकर काम करते हैं, जो कि केवल जब एक महिला गर्भवती होती है। इस हार्मोन को मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन कहा जाता है, या एचसीजी इसे गर्भावस्था हार्मोन भी कहा जाता है। एचसीजी तब होता है, जब गर्भाशय में निषेचित अंडे प्रत्यारोपण होता है।

- यह आम तौर पर अंडा और शुक्राणु विलय के छह दिनों के बाद होता है। लेकिन अध्ययनों से पता चलता है, कि महिलाओं की 10 प्रतिशत तक, मिलावटी अवधि के पहले दिन के बाद, बहुत देर तक आरोपण नहीं होता है। एचसीजी की मात्रा तेजी से आपके शरीर में हर गुजरते दिन आप गर्भवती होती है।

परीक्षण के प्रकार

- गर्भावस्था के दो प्रकार के परीक्षण हैं। एक गर्भावस्था हार्मोन, एचसीजी के लिए रक्त का परीक्षण करता है, आपको रक्त परीक्षण करने के लिए चिकित्सक को दिखाने की आवश्यकता है। दूसरी एचसीजी हार्मोन के लिए मूत्र जांचता है। आप किसी चिकित्सक के कार्यालय में या होम गर्भावस्था परीक्षण (एचपीटी) के साथ घर पर मूत्र परीक्षण कर सकते हैं।
- इन दिनों, कई महिलाओं ने पहली बार एक एचपीटी का इस्तेमाल करने के लिए पता किया है, कि क्या वे गर्भवती हैं। एचपीटीएस सस्ती, निजी और उपयोग में आसान हैं। एचपीटी भी सही तरीके से सटीक और सही समय पर प्रयोग किया जाता है। एचपीटी आपको यह बता सकेंगे कि क्या मिस्ड अवधि के एक हफ्ते के बाद आप गर्भवती हैं। गर्भावस्था परीक्षण की जांच के लिए चिकित्सक दो प्रकार के रक्त परीक्षण का उपयोग करते हैं। मूत्र परीक्षणों की तुलना में रक्त परीक्षण गर्भावस्था में पहले एचसीजी को उठा सकता है। रक्त परीक्षण आपको बता सकता है, कि क्या आपके गर्भ से गर्भ धारण करने के छह-आठ दिनों के बाद (या अंडाशय से अंडा छोड़ देता है) एक मात्रात्मक रक्त परीक्षण (या बीटा एचसीजी परीक्षण) आपके रक्त में एचसीजी की सटीक मात्रा को मापता है।

तो यह एचसीजी की भी थोड़ी मात्रा में पा सकते हैं। यह बहुत सटीक बनाता है, एक गुणात्मक एचसीजी रक्त परीक्षण केवल यह देखने के लिए जांचता है, कि क्या गर्भावस्था हार्मोन मौजूद है या नहीं। तो यह परीक्षा हां या कोई जवाब देती है। गुणात्मक एचसीजी रक्त परीक्षण एक मूत्र परीक्षण के रूप में सटीक है।

गर्भावस्था परीक्षण कैसे करें

- कई विभिन्न प्रकार के होम गर्भावस्था परीक्षण (एचपीटी) हैं, अधिकांश दवा दुकानों काउंटर पर एचपीटीएस बेचते हैं। वे सस्ती हैं, लेकिन लागत ब्रांड पर निर्भर करती है, और बॉक्स में कितने टेस्ट आते हैं। अधिकांश एचपीटी एक समान तरीके से काम करते हैं। कई लोग मूत्र धारा में एक छड़ी रखने के लिए निर्देश देते हैं। दूसरों में एक कप में मूत्र एकत्र करना और फिर इसमें छड़ी को डुबो देना।
- कम से कम एक ब्रांड महिला को एक कप में पेशाब इकट्ठा करने के लिए कहता है, और फिर एक ड्रॉपर का उपयोग एक विशेष कंटेनर में कुछ मूत्रों को डालने के लिए करता है। तब महिला को कुछ मिनट इंतजार करना पड़ता है। विभिन्न ब्रांडों ने महिला को अलग-अलग समय की प्रतीक्षा करने का निर्देश दिया है। समय बीत जाने के बाद, उपयोगकर्ता को परिणाम विंडो का निरीक्षण करना चाहिए।
- अगर कोई रेखा या प्लस प्रतीक दिखाई देता है, तो आप गर्भवती हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लाइन कितना है, एक पंक्ति, चाहे बोल्ड या बेहोश हो, इसका मतलब है कि परिणाम सकारात्मक है। नए डिजिटल परीक्षण गर्भवती या गर्भवती नहीं शब्द दिखाते हैं। अधिकांश परीक्षणों में परिणाम विंडो में नियंत्रण सूचक भी होता है।
- यह रेखा या प्रतीक दिखाता है, कि परीक्षण ठीक से काम कर रहा है या नहीं। यदि नियंत्रण सूचक दिखाई नहीं देता है, तो परीक्षण ठीक से काम नहीं कर रहा है। आपको एचपीटी से किसी भी परिणाम पर भरोसा नहीं करना चाहिए, जो कि दोषपूर्ण हो सकता है। अधिकांश ब्रांड उपयोगकर्ताओं को कुछ दिनों में टेस्ट दोहराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिणाम क्या हैं।
- एक नकारात्मक परिणाम (विशेष रूप से एक चूक अवधि के बाद) का हमेशा मतलब नहीं होता, कि आप गर्भवती नहीं हैं। सभी एचपीटी लिखित निर्देशों के साथ आते हैं। अधिकांश परीक्षणों में टोल-फ्री फ़ोन नंबर भी उपयोग या परिणामों के बारे में प्रश्नों के मामले में कॉल करते हैं।

परीक्षण कितने सही हैं

- घर गर्भावस्था परीक्षण (एचपीटी) काफी सटीक हो सकते हैं। लेकिन सटीकता इस पर निर्भर करती है, जैसे-
- आप उनका उपयोग कैसे करते हैं- सुनिश्चित करें, कि समाप्ति की तारीख को जांचें और निर्देशों का पालन करें। परिणाम खिड़की की जांच करने के लिए टेस्ट लेने के दस मिनट बाद प्रतीक्षा करें। अनुसंधान बताता है, कि 10 मिनट के इंतजार से सबसे सही परिणाम देगा।
- जब आप उनका इस्तेमाल करते हैं- आपके मूत्र में एचसीजी या गर्भावस्था हार्मोन की मात्रा समय के साथ बढ़ जाती है, तो एक चूक अवधि के पहले, जो आप परीक्षा लेते हैं, तो यह मुश्किल है, कि एचसीजी कई एचपीटी आपकी दावा अवधि के पहले दिन 99% सटीक होने का दावा करते हैं। लेकिन शोध से पता चलता है, कि ज्यादातर एचपीटी (एचपीटी) हमेशा एचसीजी के निम्न स्तर का पता नहीं लगाते हैं।
- जो सामान्यत गर्भावस्था में पेश करते हैं, और जब वे करते हैं, तो परिणाम अक्सर बेहोश होते हैं। ज्यादातर एचपीटीएस एक चूक अवधि के बाद एक हफ्ते के बाद गर्भावस्था का सटीक रूप से पता लगा सकते हैं। इसके अलावा, सुबह में पहली बार अपने मूत्र का परीक्षण सटीकता को बढ़ावा दे सकता है।
- उनका उपयोग कौन करता है- प्रत्येक महिला अपने माहवारी चक्र में एक अलग समय पर अंडाकार करती है। इसके अलावा, निषेचित अंडे अलग-अलग समय पर एक महिला के गर्भाशय में प्रत्यारोपण कर सकते हैं। एचसीजी केवल उत्पन्न होता है, एक बार आरोपण होता है। महिलाओं की 10 प्रतिशत तक, मुक्ति अवधि के पहले दिन तक आरोपण नहीं होता है। इसलिए, एचपीटी कुछ महिलाओं की छुट्टियों के एक दिन बाद ही ठीक हो जाएगी, लेकिन दूसरों के लिए नहीं।

क्या कुछ भी घर गर्भावस्था के परीक्षण के परिणामों को प्रभावित कर सकता है?-

- अधिकांश दवाएं घर गर्भावस्था परीक्षण (एचपीटी) के परिणामों को प्रभावित नहीं करती हैं। इसमें गर्भनिरोधक गोलियां और एंटीबायोटिक दवाओं सहित ओवर-द-काउंटर और प्रिस्क्रिप्शन दवाएं शामिल हैं। जिन दवाओं में गर्भावस्था हार्मोन एचसीजी है, उनमें केवल एक सकारात्मक सकारात्मक परिणाम दे सकता है। एक झूठी सकारात्मक है, जब एक परीक्षण का कहना है, कि जब आप नहीं हैं, तो आप गर्भवती हैं। कभी-कभी एचसीजी वाली दवाएं बांझपन के इलाज के लिए उपयोग होती हैं (गर्भवती नहीं होने के लिए)।
- शराब और अवैध ड्रग्स एचपीटी परिणाम को प्रभावित नहीं करते हैं। लेकिन इन पदार्थों का उपयोग न करें, यदि आप गर्भवती होने की कोशिश कर रहे हैं, या यौन सक्रिय हैं, और गर्भवती हो सकते हैं।

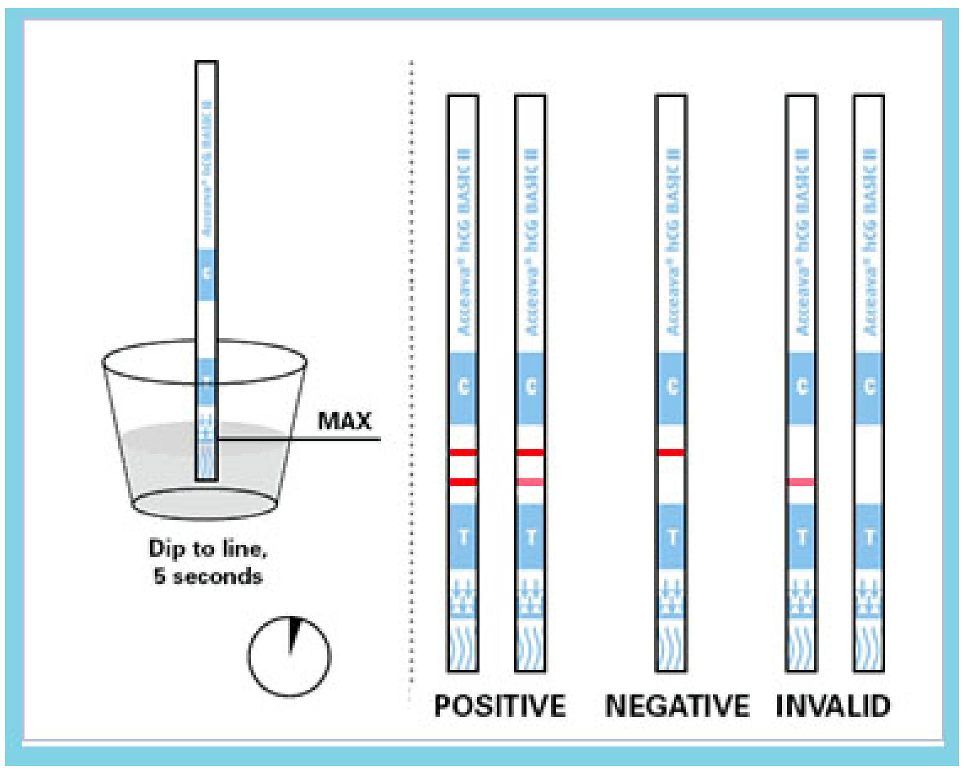

गर्भवती की शारीरिक कमजोरी समाधान, निदान और उपचार

गर्भवती की शारीरिक कमजोरी , यह थका हुआ महसूस करने के लिए पूरी तरह से सामान्य है, खासकर गर्भावस्था के पहले 12 हफ्तों में, ऐसा तब होता है। गर्भवती की शारीरिक कमजोरी, जब आपके शरीर के लगभग हर प्रणाली में भारी परिवर्तन हो जाते हैं, जिससे आपको बहुत थकान महसूस होती है।

गर्भवती की शारीरिक कमजोरी यह इसलिए होता है, क्योंकि गर्भावस्था के दौरान आपका शरीर कड़ी मेहनत करता है। लेकिन सबसे बड़ा प्रयास पहले त्रैमासिक में आता है। ऐसा तब होता है। जब आपके बच्चे के प्रमुख अंगों का गठन होता है, और नालिका, आपके बच्चे की जीवन सहायता प्रणाली, बढ़ती जाती है। आपके हार्मोन के स्तर और चयापचय तेजी से बदल रहे हैं, जबकि आपके रक्त में शर्करा और रक्तचाप के स्तर में गिरावट होती है। यदि आप अपनी पीठ का सोने के लिए उपयोग कर रहें है, तो आप अपने पक्ष में सोने के लिए इस्तेमाल करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, जो इसे पर्याप्त शट-आंख प्राप्त करना कठिन बना सकता है। लेकिन तीसरे त्रैमास में साइड-स्लीपिंग वास्तव में मृतकों का खतरा कम कर देता है, इसलिए यह दृढ़ता से लायक है। यह सब लगातार थकावट की भावना में योगदान देता है, जिससे आप अनुपस्थित-दिमाग और भुलक्कड़ बन सकते हैं।

गर्भवती की शारीरिक कमजोरी चिंता कब

1. थकावट और कम ऊर्जा के स्तर का कभी-कभी यह मतलब हो सकता है, कि आप लोहे (एनीमिया) में बहुत कम हैं, जो गर्भावस्था में काफी आम है।
2. आपकी प्रसाविका आपकी बुकिंग की यात्रा के दौरान एनीमिया के लिए आपके खून की जांच करेगी और बाद में गर्भावस्था में, आपके नियमित रक्त परीक्षणों के भाग के रूप में।
3. थके हुए और रन-डाउन होने के कारण आप थोड़ा कम महसूस कर सकते हैं। कभी- कभी, गर्भवती की शारीरिक कमजोरी होना और परेशान होने के कारण अवसाद के लक्षण भी हो सकते हैं।
4. अगर आपको निराशा की भावना है, और जिन चीजों का आनंद लेने के लिए आपकी रुचि थी, तो अपने जीपी या दाई से बात करें, अब सहायता प्राप्त करना ज़रूरी है, क्योंकि आपके बच्चे को होने के बाद अवसाद नहीं उठा सकते है।

गर्भवती की शारीरिक कमजोरी की अवधि

1. यह हर मां से होकर अलग है, लेकिन आप अपने पहले त्रैमासिक और आपके तीसरे तिमाही में बहुत थकान महसूस करते हैं। इससे पहले कि आप अन्य लोगों को भी बताएं कि आप गर्भवती हैं, तो आप थकावट से जूझ सकते हैं।
2. अपने पहले त्रैमासिक में, थकान अक्सर मस्तिष्क, भूख की हानि और कभी-कभी उल्टी के साथ गर्भावस्था के लक्षणों में से एक है।
3. यदि महसूस करना और बीमार होने पर आप अपनी नींद से परेशान हैं। तो आपको और भी थका हुआ और चिड़चिड़ा लगेगा। आप जितना आराम कर सकते हैं, उतना आराम करने की कोशिश करें, क्योंकि थकान मतली का कारण सकती है, और उल्टी ज्यादा बदतर हो सकती है।
4. आप पाएंगे कि आपकी गर्भावस्था में बीमारी 16 सप्ताह तक आसान हो जाती है। लेकिन मतली के विभिन्न स्तरों में कुछ महिलाओं के लिए 20 सप्ताह या उससे भी ज्यादा समय तक रहना पड़ सकता है।
5. ज्यादातर महिलाओं को दूसरे तिमाही में थका हुआ नहीं लगता है, लेकिन आप 28 सप्ताह के आसपास कुछ समय फिर से उर्जा खो देंगे। इस समय तक, आपकी पेट की आकृति बड़ी हो रही होगी और आपके लिए बिस्तर पर आराम पाने और रात की नींद अच्छी न हो पाने के लिए कठिन हो सकता है।

एक बूम के साथ सो रही है

गर्भावस्था में आप जो अतिरिक्त वजन ले रहे हैं, वह दिन के दौरान आपको थका हुआ महसूस कर सकता है। हालांकि, यह हर महिला या हर गर्भधारण के लिए भी नहीं है। आप अपनी पूरी गर्भावस्था में थका हुआ महसूस कर सकते हैं, या आप शायद ही धीमा हो सकते हैं। कई महिलाओं का कहना है, कि वे दूसरे या बाद में गर्भधारण में बहुत अधिक थक गए हैं।

शारीरिक कमजोरी का निदान

1. अपने शरीर के संकेतों को सुनो, यदि आप कर सकते हैं, ऊंघ ले या एक शुरुआती रात है। आपको प्रारंभिक गर्भावस्था में अधिक नींद की आवश्यकता होगी, इसलिए जब भी आप आराम कर सकते हैं करें।
2. अपना समय समायोजित करने का प्रयास करें, आप अपने घंटों के काम को कम कर सकते हैं, या यदि यह संभव नहीं है, तो शायद जब आप काम करते हैं, तब घंटे समायोजित करें। या, यदि आप पहले से ही एक मां हैं, तो अपने आप को अब ब्रेक दें, और अपने बच्चों को किसी और के साथ छोड़ दें, ताकि आप अपनी नींद पूरी कर सकें। सहायता के लिए अपने परिवार और दोस्तों से पूछें, और मदद के प्रस्ताव स्वीकार करें।
3. यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें, कि आप अच्छी तरह से खा रहे हैं। एक स्वस्थ आहार आपकी ऊर्जा के स्तर को बनाए रखेगा का एक संयोजन है, जैसे

I. साबुत अनाज कार्बोहाइड्रेट्स, जैसे पूरे मील रोटी और पास्ता, और ब्राउन चावल।
II. फल और सब्जियां, आदर्श रूप से प्रतिदिन पांच दिन।
III. दुग्ध उत्पाद।
IV. दलहन, जैसे मसूर, सेम और मटर।
V. अंडे
VI. मछली
VII. दुबला, अच्छी तरह से पका हुआ मांस।

जब आप बीमार महसूस कर रहे हैं, तब अच्छी तरह भोजन करना आसान नहीं है, लेकिन थोड़ा और अक्सर खाने की कोशिश करें, एक खाली पेट होने से आपको और अधिक शर्मनाक और थका हुआ महसूस हो सकता है। अपने रक्त में शर्करा के स्तर को किसी भी नरमी पर रखें, दिन के दौरान नरम, सूखे भोजन की थोड़ी मात्रा में निगलने से, यदि आप एक मुख्य भोजन का सामना नहीं कर सकते हैं, तो हमारे कुछ स्वस्थ गर्भावस्था के लिए स्नैक्स की कोशिश करें।

4. हल्का व्यायाम करें, भले ही यह आखिरी चीज है, जो आपको करना पसंद है। टहलने या तैरने के लिए जाने से आपको ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, और आपको कम थके हुए महसूस करने में मदद मिलेगी।
5. वहां रुको, क्योंकि आप जल्द ही अपने दूसरे तिमाही में होंगे और उम्मीद है, कि अपने आप की तरह अधिक महसूस कर रहे हैं। आप एक फिल्म देखने के लिए भी महसूस कर सकते हैं, या अपने नवजात शिशु के आने से पहले एक सप्ताहांत के ब्रेक पर जा सकते हैं, और रातों की नींद फिर से शुरू होती है।

थका हुआ महसूस करना आपको या आपके बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचाएगा, हालांकि यह निराशाजनक हो सकता है। जितना भी हो सके उतना आराम पाने की कोशिश करें, जब भी आप कर सकते हैं।

पता करें कि गर्भावस्था में थकान के साथ अन्य माताएं सामना कैसे करती है, आप उनसे आहार से संबंधित सुझाव भी प्राप्त कर सकती है।

आज भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत की लय बरकारार रखने उतरेगी

बेंगलुरू (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में बेहतर प्रद्रर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले बांग्लादेश को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के अलवा युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

शुभमन ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि यशस्वी ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे जाना रहेगा। शुभमन ने पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों की अंदर आती गेंदों का सामना करना सीख लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरी में तेज गेंदबाज हसन महमूद की गेंद पर परेशान रहे थे।

वहीं यशस्वी भी तेज गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों का शिकार बने हैं। ऐसे में इस सीरीज में उन्हें इस कमजोरी से निजात पानी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी तेज तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में शुभमन और यशस्वी की राह आसान नहीं रहेगी।

कप्तान रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया पर पिछली 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। इसक अलावा विराट ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है ,ऐसे में उन्हें अब रन बनाने होंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र से सावधान रहना होगा। इन दोनो ने पहले भी देखा जाये तो मेहमान टीम न्यूजीलैंड की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। हाल में उसे श्रीलंका ने 2-0 से हराया है। इस दौरान उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। उसके कोच ने भी माना है कि मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी भी फार्म में नहीं हैं। ऐसे में उसके लिए भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का सामना करना और भी कठिन रहेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में अश्विन और जडेजा अपनी फिरकी में उन्हें फंसा सकते हैं। इनके अलावा तेज जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में ही 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी विचार करना होगा। पिछली सीरीज की तरह ही इस इसमें भी युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर रखा जा सकता है। इसके अलवा स्पिनर कुलदीप यादव या बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल को भी भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। इन दोनो का ही प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है।

दोनो ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रित बुमरा, आकाश दीप, कुलदीप यादव

न्यूजीलैंड : टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे, विल यंग, रचिन रविंद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, टिम साउथी (कप्तान), एजाज पटेल, मैट हेनरी।

सलीमा को 20 लाख , उदिता को मिले सबसे ज्यादा 32 लाख

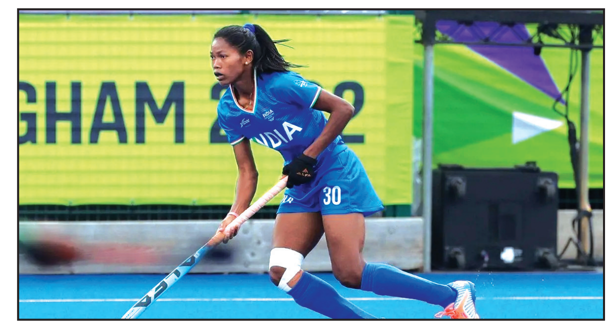

नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला हॉकी खिलाड़ियों के लिए बुधवार को पहली बार महिला हॉकी लीग के लिए हुई नीलामी में सभी टीम ने खिलाड़ियों पर जमकर बोली लगायी। हैरानकी बात ये रही कि युवा खिलाड़ियों पर अनुभवी खिलाड़ियों से ज्यादा रकम लगायी गयी।

भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेमसियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पूनिया को टीमों ने खीरीदा। सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में खरीदा। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान रहीं। उदिता के लिए कई टीमों ने बोली लगायी अंत में सूरमा और बंगाल के बीच मुकाबला हुआ जिसमें उदिता को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा।

टेस्ट क्रिकेट में हालातों के अनुसार ढ़लना पड़ा है : अश्विन

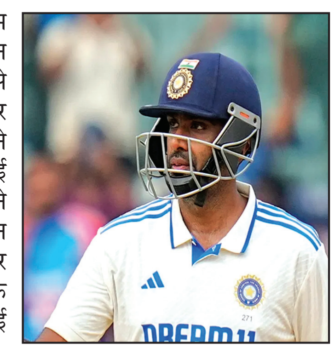

बेंगलूर (ईएमएस)। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे उच्च स्तर का क्रिकेट होता है और इसमें हालातों के अनुसार अपने को ढ़ालना पड़ता है। बीसीसीआई के एक वीडियो में अश्विन ने ये बातें कही हैं। इसमें अश्विन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में हर दिन खिलाड़ियों को हालात के हिसाब से ढलना पड़ता है और नई रणनीतियां अपनानी पड़ती हैं।

अश्विन ने कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलन के बारे में है। आप पांचवें दिन का खेल वैसे नहीं शुरू कर सकते जैसे पहले दिन किया था। हर दिन आपको हालात के हिसाब से ढलना जरूरी होता है। यही वजह है कि इसे क्रिकेट का शीर्ष स्तर कहा जाता है। बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले अश्विन अब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 527 विकेट लिए हैं।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय महिला टीम का सफर फिर निराशाजनक रहा

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की उम्मीदें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही समाप्त हो गयीं थीं। इसके बाद बची हुई उम्मीदें पाकिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार से समाप्त हो गयीं। पाक के साथ ही भारतीय टीम भी महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। यह आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का नौवां सत्र था जिसमें भारतीय टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने साल 2020 में फाइनल खेला था। भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में थी। इस ग्रुप में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी थीं। इसमें भारतीय टीम का भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ था। भारतीय टीम को इस मुकाबले में 58 रन से हार झेलनी पड़ी थी।

भारतीय महिला टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से हुआ था। इसमें भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। भारतीय महिलाओं ने इसके बाद श्रीलंका को भी आसानी से हरा दिया था। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 82 रन से जीता. यह टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत थी। भारत का आखिरी ग्रुप मैच ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया अपने पहले तीन मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था। भारत के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त खेल देखाकर 9 रन से जीत दर्ज की. भारत को इस मुकाबले को जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रन बनाने थे और उसके 5 विकेट बाकी थे। इसके बाद भी भारतीय टीम दबाव में 9 रन नहीं बना सकी थी। भारतीय टीम इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा ही हारती रही है।

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9000 रन पूरे कर सकते हैं विराट

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार से यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस मैच में अपने 9000 रनों को पूरा करने का अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल 53 रनों की जरूरत है। विराट हालांकि पिछली आठ पारियों में केवल एक अर्धशतक बना पाये हैं पर प्रशंसकों को उनसे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। विराट ने ये अर्धशतक साल 2023 में दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। विराट के अभी 8947 रन हैं। अगर वह 53 रन बनाकर 9000 रन पूरे करते हैं तो ऐसा करने चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

सरफराज अपने अवसर का इंतजार करें : परांजपे

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार सरफराज खान को अपने अवसरों का इंतजार करना चाहिये। परांजपे के अनुसार सरफराज को अब तक कुछ मैचों में इसलिए अवसर मिले क्योंकि उसमें खेलने वाले खिलाड़ी चोटिल थे। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार डेब्यू टेस्ट सीरीज के बाद भी सरफराज को अब तक अंतिम ग्यारह में अवसर नहीं मिला है। भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में उनकी जगह पर केएल राहुल को अवसर दिया और सरफराज को ईरानी कप खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया। यहां सरफराज ने दोहरा शतक लगाया पर राहुल ने भी दो टेस्ट मैचों में महत्वपूर्ण रन बनाए इसलिए टीम में कोई जगह खाली नहीं हुई।

अब राहुल और सरफराज दोनों ही न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में और यह देखना बाकी है कि सरफराज को तीन टेस्ट मैचों में खेलने का मौका मिलता है या नहीं। परांजपे चाहते हैं उन्हें अपने अवसरों का इंतजार करना चाहिए। परांजपे ने कहा, सरफराज की स्थिति में कुछ भी खराबी नहीं है। वह इसलिए खेल रहा था क्योंकि कोई और चोटिल था। बल्लेबाजी के लिए प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक है किसे कोई न कोई हमेशा बाहर हो ही जाता है पर जो खिलाड़ी बाहर हो जाता है, वह क्या कर सकता है? वह बस रन बनाता रहे और सरफराज ईरानी कप में ऐसा कर रहा है। उसे अच्छे फॉर्म में बने रहने, अपनी फिटनेस बनाए रखने की जरूरत है और उसके पास भी खेलने के अवसर आएंगे।

इस पूर्व चयनकर्ता के अनुसार सरफराज ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के में रिजर्व खिलाड़ी में हो सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर ऑस्ट्रेलिया भी ले जाया जा सकता है पर यह सिर्फ एक चीज है- आप सिर्फ 11 खिलाड़ियों के साथ ही खेल सकते हैं और सर्वश्रेष्ठ ग्यारह खिलाड़ियों का चयन होता है। ऐसा नहीं है कि वह अच्छा नहीं है पर अभी सभी स्थानों के लिए काफी प्रतिस्पर्धा है इस कारण उसे अवसर नहीं मिल रहा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 16 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगी।

फखर ने आजम को बाहर किये जाने पर सवाल उठाये

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज फखर जमां ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चयन पैनल की आलोचना करते हुए कहा है कि स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को बाहर किया जाना गलत है। फखर ने इस प्रकार सीधे तौर पर पीसीबी से झगड़ा मौल ले लिया है। फखर ने कहा कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली जब खराब दौर से गुजर रहे थे तो भारतीय बोर्ड ने उनका समर्थन किया था। उसे टीम से बाहर नहीं किया था। फखर ने कहा है कि बाबर को बाहर किए जाने से टीम में गलत संदेश जाएगा। फखर के इस प्रकार सवाल उठाने से पीसीबी भड़का हुआ है। चयनकर्ताओं ने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के लिए चुनी गई टीम से बाहर कर दिया है। पाक चयनकर्ताओं के इस फैसले से नाराज फखर ने भड़ास सोशल मीडिया पर इस मामले को उठाया है। फखर ने कहा कि जब कोहली खराब फॉर्म में होता है तब उसका बोर्ड उसके साथ होता है।फखर ने सोशल मीडिया पर लिखा,' आजम को बाहर करने के बारे में सुझाव सुनना चिंताजनक है। भारत ने विराट कोहली को 2020 और 2023 के बीच अपने कठिन दौर के दौरान बाहर नहीं रखा। उस समय उनका औसत काफी कम था। वहीं यदि हम अपने मुख्य बल्लेबाज को बाहर कर रहे तो ये गलत होगा। इससे अन्य खिलाड़ियों में भी गलत संदेश जाएगा। प्रमुख खिलाड़ियों को कमजोर करने की जगह हमें उनका समर्थन करना चाहिये।' फखर के इस बयान से पीसीब भड़का हुआ है। वहीं इस बारे में उससे अपना जवाब देने को कहा गया है।

कोणार्क सूर्या इरफान पठान की आक्रामक बल्लेबाजी से फाइनल में पहुंची

लीजेंड्स लीग

नई दिल्ली (ईएमएमएस)। ऑलराउंडर इरफान पठान की आक्रामक बल्लेबाजी से पूर्व क्रिकेटटरों की लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 में खेले गए दूसरे क्वालीफायर में जीत के साथ ही कोणार्क सूर्या की टीम फाइनल में पहुंच गयी है। इरफान की आक्रामक बल्लेबाजी से टीम कोणार्क ने टोयम हैदराबाद को अंतिम ओवर में एक रन से हराया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोणार्क सूर्या के केविन ओ ब्रायन के अर्धशतक और कप्तान इरफान पठान के तेज 49 रन की सहायता से टीम ने 5 विकेट पर 156 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए टोयम की टीम 6 विकेट पर 155 रन ही बना पाई।

इरफान के ऑलराउंड प्रदर्शन की इस मैच में अहम भूमिका रही। क्वालीफायर 1 में सदर्न सुपरस्टार के खिलाफ मिली हार के बाद टीम ने जबरदस्त वापसी की और अंतिम गेंद पर हैदराबाद को हराकर फाइनल में जगह बनायी। इस मैच में टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी ओडिशा की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर तीसरे नंबर पर केविन ओ ब्रायन के 39 बॉल पर 5 चौके और 1 छक्के के दम पर 50 रन की पारी खेल मैच बदल दिया। अंत में कप्तान इरफान पठान ने 35 बॉल पर 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 49 रन की पारी खेलकर 156 रन तक पहुंचाया दिया।

इस मैच में सदर्न सुपरस्टार को अंतिम ओवर में जीत के लिए 12 रनों की जरूरत थी। कप्तान इरफान पठान ने इस ओवर की पहली ही गेंद पर 1 रन बना फिर दूसरी पर 2 रन आए तीसरी गेंद पर समीउल्लाह शिनवारी ने जोरदार छक्का लगाया. अब 3 बॉल पर महज 3 रन की जरूरत थी। पठान ने अगली बॉल पर शिनवारी का विकेट लिया। . वहीं स्टुअर्ट बिन्नी ने 1 रन लेकर स्ट्राइक गुरकीरत मान को दी। पठान ने अंतिम गेंद पर रन नहीं देकर अपनी टीम को एक रन से जीत दिला दी।

पीसीबी ने फखर को नोटिस देकर 21 अक्टूबर तक जवाब मांगा

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बोर्ड की आलोचना और उसके फैसलों पर सवाल उठाने के लिए बल्लेबाज फखर जमां को नोटिस दिया है। बोर्ड के अनुसार फखर ने खिलाड़ियों की आचार संहिता का उल्लंघन किया है। बोर्ड ने कहा है कि बल्लेबाज ने उसकी नीति की आलोचना की है जो नियमों का उल्लंघन है। फखर को 21 अक्तूबर तक जवाब देना है।फखर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली हार के बाद अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को टीम से बाहर किये जाने पर सवाल उठाये थे। पीसीबी का कहना था कि बाबर लंबे समय से रन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्हें आराम दिया गया है। उनकी फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय थी। बाबर का बल्ला घरेलू मैदान पर भी नहीं चल रहा था और टीम को लगातार हार मिली थी। इसी कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। फखर के आजम के पक्ष में उतरने को पीसीब ने अनुशासन के खिलाफ माना है। इस कारण पीसीबी ने नाराज होकर फखर को नोटिस देकर जवाब देने कहा है। वहीं फखर ने बाबर को बाहर करने पपर विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा था कि उसे खराब दौर में भारतीय बोर्ड का समर्थन मिला।

फखर ने सोशल मीडिया पर लिखा, बाबर आजम को बाहर करने की बात सुनी। विराट कोहली 2020 से 2023 तक जब खराब फॉर्म में थे तब तक भारतीय बोर्ड ने उन्हें बाहर नहीं किया था। उन्होंने आगे लिखा, अगर हम हमारे मुख्य बल्लेबाज को बाहर कर दें जिसे पाकिस्तान का सबसे शानदार बल्लेबाज कहा जाता है। इससे पूरी टीम को एक नकारात्क संदेश जाएगा।

हेल्स वीजा नहीं मिलने के करण आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए नहीं आये

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओलंपिक स्वर्ण विजेजा नाथन हेल्स सहित ब्रिटेन के तीन शीर्ष शॉटगन निशानेबाज वीजा नहीं मिलने के करण आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए भारत नहीं आये हैं। नाथन के इसमें भाग नहीं लेने से इस प्रतियोगिता का आकर्षण घटा है। विश्व कप फाइनल कर्णी सिंह रेंज में हुआ जिसमें ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेताओं सहित दुनिया भर के शीर्ष निशानेबाजों ने ट्रेनिंग सत्र में भाग लिया।हेल्स के निजी कोच पूर्व निशानेबाज पीटर विल्सन ने कहा, नहीं, हेल्स नहीं भाग ले रहे। वह समय पर अपना व्यावसायिक वीजा प्राप्त नहीं कर सके। मुझे इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है पर यही परेशानी थी। मुझे लगता है कि एक निशानेबाज ने पर्यटक वीजा के लिए आवेदन किया था जिसे स्वीकार कर लिया गया था। इस दिग्गज डबल ट्रैप निशानेबाज ने कहा, फिर उन्हें बताया गया कि उन्हें व्यावसायिक वीजा के लिए आवेदन करना था और एक कठिनाई थी। वह ये की इसे या तो रद्द कर दिया गया और बाकी को लंबित छोड़ दिया गया और उनके पास इसकी प्रक्रिया पूरी करने का समय नहीं था। विल्सन ने कहा कि यह ब्रिटिश निशानेबाजों के लिए निराशानजक था। उन्होंने कहा, जाहिर है यह बहुत दुख की बात है कि वे प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई (ईएमएस)। क्रिकेट में कई रिकार्ड बनते रहे हैं। ये रिकार्ड इसने बड़े स्तर के हैं कि इनका टूटना निकट भविष्य में संभव नजर नहीं आता है। इसी कड़ी में पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने सबसे अधिक विकेट के रिकार्ड बनाये हैं। इसमें श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। इस सूची में एकमात्र भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने अपने करियर में कुल 956 विकेट लिए हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने अपने करियर में कुल 1347 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 593 पारी खेली हैं। सबसे अधिक विकेट उन्होंने टेस्ट करियर में लिए थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिवंगत शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने अपने करियर में कुल 1001 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने कुल 464 पारियां खेली थीं। उन्होंने भी सबसे अधिक विकेट टेस्ट करियर में ही लिए। वॉर्न कार साल 2021 में निधन हो गया था।

तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं. जिन्होंने हाल में ही संन्यास की घोषणा की है। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 560 इनिंग्स खेली थी. जिसमें उन्होंने कुल 991 विकेट लिए थे।

चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 501 मैचों में कुल 956 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होनें टेस्ट पारी में 10 विकेट लेने का भी कारनामा किया है. यह कारनामा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था.

इस लिस्ट में पांचवे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा हैं। साल 2007 में संन्यास लेने वाले मैकग्रा ने अपने देश के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 493 पारियां खेली थी। इस दौरान उन्होंने 949 विकेट अपने नाम किए थे।

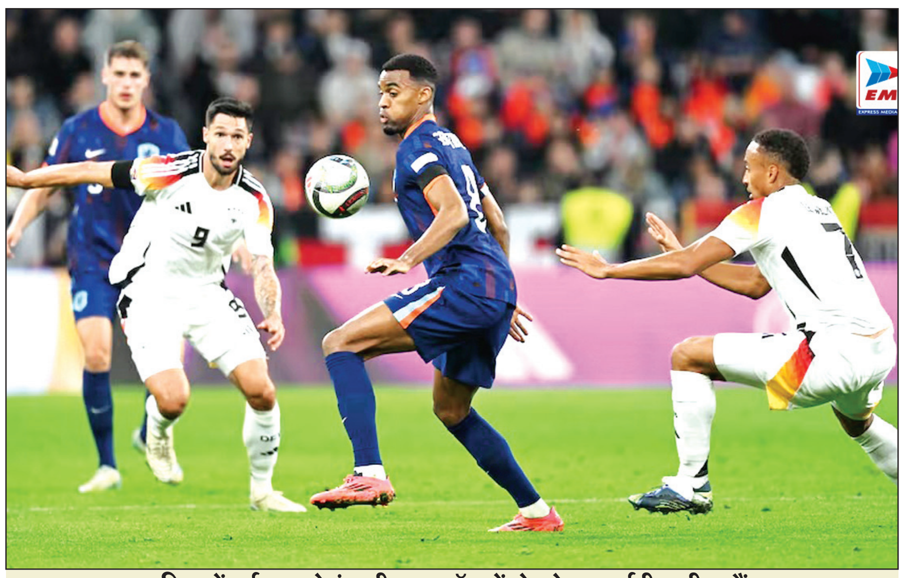

म्यूनिख में यूईएफए नेशंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए जर्मनी व नीदरलैंड।

बुमराह को खेल की अच्छी समझ के कारण ही उप-कप्तान बनाए गये : रोहित

बेंगलुरू (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उपकप्तान बनाने जाने पर खुशी जतायी है। रोहित ने कहा है कि बुमराह में नेतृत्व क्षमता होने के साथ ही खेल की अच्छी समझ है। इसके साथ ही वह शुरु से ही नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं। बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए उप कप्तान बनाया गया है।

इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया था। इससे संकेत मिलते हैं कि बुमराह भविष्य में टेस्ट टीम की कप्तानी कर सकते हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले कहा, 'बुमराह ने बहुत अधिक क्रिकेट खेली है। मैं उनके साथ काफी क्रिकेट खेल चुका हूं। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं। जब आप उनसे बात करते हैं तो वह खेल को समझते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इस बारे में अभी बहुत अधिक कुछ नहीं कह सकता क्योंकि बुमराह ने बहुत अधिक कप्तानी नहीं की है। जितना मुझे पता है उन्होंने अभी

तक एक टेस्ट मैच और कुछ टी20 मैचों में कप्तानी की है। गौरतलब है कि बुमराह ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत का नेतृत्व किया था। उन्हें पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था।

रोहित ने कहा, 'बुमराह को पता है कि क्या करना चाहिये। जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं जहां आपको एक नेतृत्वकर्ता की जरूरत महसूस होती है तो मुझे लगता है कि बुमराह उनमें से एक होंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुरू की 'बॉब उत्सव डिपॉजिट स्कीम': इसमें मिल रहा 7.90% तक का सालाना ब्याज, 400 दिन का होगा निवेश

नई दिल्ली: बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'बॉब उत्सव जमा योजना' नाम से नई डिपॉजिट स्कीम शुरू की है। इस स्कीम के तहत 400 दिनों के लिए एफडी कराने पर सामान्य नागरिकों को 7.30%, सीनियर सिटिजन्स को 7.80% और सुपर सीनियर सिटिजन्स को सालाना 7.90% ब्याज दिया जाएगा।

एसबीआई ने 'अमृत वृष्टि' डिपॉजिट स्कीम शुरू की

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी 'अमृत वृष्टि' नाम से नई डिपॉजिट स्कीम शुरू की है। इस स्कीम के तहत 444 दिनों के लिए एफडी कराने पर 7.25% सालाना ब्याज दिया जाएगा। वहीं सीनियर सिटीजन को सालाना 7.75% के हिसाब से ब्याज दिया जाएगा।

एफडी कराते समय इन 3 बातों का रखें ध्यान

1. सही टेन्योर चुनना जरूरी

एफडी में निवेश करने से पहले उसके टेन्योर (अवधि) को लेकर सोच-विचार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर निवेशक मेच्योरिटी से पहले विड्रॉल करते हैं, तो उन्हें जुर्माने का भुगतान करना होगा। एफडी मेच्योर होने से पहले उसे ब्रेक करने पर 1% तक की पेनल्टी देनी पड़ेगी। इससे डिपॉजिट पर कमाए जाने वाला कुल ब्याज कम हो सकता है।

2. एक ही एफडी में न लगाएं पूरा पैसा

यदि आप किसी एक बैंक में एफडी में 10 लाख रुपए का निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो इसकी जगह एक से ज्यादा बैंकों में 1 लाख रुपए की 8 एफडी और 50 हजार रुपए की 4 एफडी में निवेश करें। इससे बीच में पैसों की जरूरत पड़ने पर आप अपनी जरूरत के हिसाब से एफडी को बीच में ही तुड़वाकर पैसों की व्यवस्था कर सकते हैं। आपकी बाकी एफडी सेफ रहेंगी।

3. 5 साल की एफडी पर मिलती है टैक्स छूट

5 साल की एफडी को टैक्स सेविंग्स एफडी कहा जाता है। इसमें निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत आप अपनी कुल आय से 1.5 लाख रुपए की कटौती का दावा कर सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप सेक्शन 80C के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख तक कम कर सकते हैं।

आरबीआई ने 4 बैंकों और एक फिनसर्व कंपनी पर लगाया जुर्माना

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एसजी फिनसर्व लिमिटेड पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट से संबंधित कुछ खास शर्तों का पालन नहीं करने पर 28.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एसजी फिनसर्व को पहले मूंगिपा सिक्योरिटीज के नाम से जाना जाता था। आरबीआई समय-समय पर वित्तीय संस्थाओं के नॉन-कंप्लाइंस के मुद्दों पर नजर रखता है और पेनल्टी जैसे एक्शन भी लेता रहता है जिससे कंपनियों और बैंकों के ऊपर नजर बनी रहे। आरबीआई ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2022-23 के कंपनी की फाइनेंशियल डिटेल्स में अन्य बातों के साथ-साथ सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन (सीओआर) से जुड़ी खास शर्तों का पालन न करने का खुलासा हुआ। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने जारी किए गए सीओआर में खास शर्तों का पालन नहीं करने के बाद भी लोगों से पैसे डिपॉजिट के तौर पर लिए और लोन दिए हैं। रिजर्व बैंक ने अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक पर भी 14 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बैंक के ऊपर फाइनेंशियल क्राइटेरिया को मजबूत करने और अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) पर कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए यह जुर्माना लगाया गया है। छोटे या ग्रामीण इलाकों के बैंक में इस तरह की गलती हो जाती है लेकिन आरबीआई बैंकों का रेगुलेटर है और वो समय-समय पर एक्शन लेता रहता है।

सेंसेक्स 152 अंक गिरकर 81,820 पर बंद: निफ्टी में भी 70 अंक की गिरावट रही

मुंबई: शेयर बाजार में 15 अक्टूबर को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 152 अंक की गिरावट के साथ 81,820 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 70 अंक की गिरावट रही, ये 25,057 पर बंद हुआ। आज मेटल, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। वहीं एनर्जी और एफएमसीजी शेयर्स में तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली है।

एशियाई बाजार में मिलाजुला कारोबार

- एशियाई बाजार में आज गिरावट देखने को मिली है। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 3.67% और चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 2.53% गिरकर बंद हुआ।
- 14 अक्टूबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.47% चढ़कर 43,065 पर और नैस्डैक 0.87% चढ़कर 18,502 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 भी 0.77% बढ़कर 5,859 पर बंद हुआ।
- एनएसई के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने 14 अक्टूबर को 3,731 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 2,278 करोड़ के शेयर खरीदे।

हुंडई आईपीओ में बड़ी गिरावट, केवल 8 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

देश का सबसे बड़ा आईपीओ हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड (एचएमआई) मंगलवार से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इस आईपीओ के लेकर निवेशकों में काफी उत्साह देखा गया था। करीब 2 सप्ताह पहले जब अनलिस्टेड मार्केट में इस शेयर की ट्रेडिंग शुरू हुई थी, तब ये 570 रुपए के जीएमपी पर था यानी वहां से इसमें काफी बड़ी गिरावट आ चुकी है। बीएसई आंकड़ों के अनुसार हुंडई का आईपीओ पहले ही दिन मंगलवार को 11:09 बजे तक 8 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। निवेशक इस इश्यू में 17 अक्टूबर तक पैसे लगा सकते हैं। इसके लिए प्राइस बैंड 1,865 से 1,960 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बता दें कि साउथ कोरियाई वाहन मैन्युफैक्चरिंग हुंडई की भारतीय यूनिट हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने अपने आईपीओ से एक दिन पहले सोमवार को एंकर निवेशकों से 8,315 करोड़ रुपए जुटा लिए थे। यह आईपीओ 27,870 करोड़ रुपए (लगभग 3.3 अरब डॉलर) का है। इससे पहले एलआईसी आईपीओ का साइज 21,000 करोड़ रुपए का था। इनके अलावा, भारत में पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस नवंबर, 2021 में 18,300 करोड़ रुपए का आईपीओ लेकर आई थी। इसके अलावा कोल इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर, 2010 में 15,199 करोड़ रुपए का आईपीओ पेश किया था।

आरबीआई गवर्नर दास ने एआई के बढ़ते उपयोग से पैदा होने वाली चुनौतियों से आगाह किया

▪ बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को जोखिम कम करने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के बढ़ते उपयोग के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रौद्योगिकी ने भले ही वित्तीय संस्थानों के लिए कारोबार को बढ़ाने और बेहतर मुनाफे के लिए अवसर तो दिए हैं, मगर इन पर अत्यधिक निर्भरता वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को जोखिम कम करने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए।

आरबीआई द्वारा दिल्ली में हाल ही में आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन में दास ने कहा कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता से एक ही चीज पर केंद्रित होने का खतरा पैदा हो सकता है, खास तौर पर ऐसे समय में जब बाजार पर कुछ ही तकनीकी प्रदाताओं का दबदबा है। इससे प्रणालीगत जोखिम बढ़ सकता है, क्योंकि किसी भी विफलता अथवा व्यवधान का असर पूरे वित्तीय क्षेत्र में फैल सकता है। दास ने कहा कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इस प्रकार के जोखिम से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए। एआई के बढ़ते उपयोग से साइबर हमले और डेटा चोरी की आशंका जैसी नई चिंताएं पैदा हुई हैं।

साथ ही एआई की अपारदर्शिता के कारण निर्णय लेने वाले एल्गोरिदम का ऑडिट या व्याख्या करना मुश्किल हो जाता है। इससे बाजार में अप्रत्याशित परिणाम दिख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों को एआई एवं उभरती प्रौद्योगिकी का फायदा अवश्य उठाना चाहिए, लेकिन प्रौद्योगिकी को अपने ऊपर हावी कतई नहीं होने देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत उन चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है जहां चौबीसों घंटे काम करने वाली तत्काल सकल निपटान प्रणाली (आरटीजीएस) मौजूद है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय समझौतों के जरिये डॉलर, यूरो, पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन के निपटान के लिए आरटीजीएस में विस्तार की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आरटीजीएस आरबीआई द्वारा विकसित एक एकीकृत भुगतान एवं निरंतर (रियल टाइम) निपटान प्रणाली है। दास ने कहा कि भारत एवं कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय तरीकों से सीमा पार त्वरित भुगतान प्रणालियों के विस्तार के लिए प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि इस तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय में काफी कमी की जा सकती है। दास ने यह भी कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक अन्य ऐसा क्षेत्र है जहां सीमा पार भुगतान में कुशलता प्रदान करने की क्षमता है। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जहां थोक एवं खुदरा दोनों तरह की सीबीडीसी जारी की गई हैं।

लॉफिंग ज़ोन

नौकर ने घबराए हुए लहजे से मालकिन से कहा, 'मालकिन गजब हो गया। अभी-अभी एक आदमी ने मालिक को एक कागज और एक पैकेट ला कर दिया। उसे देखते ही मालिक बेहोश हो गए और अभी तक होश में नहीं आए।'

मालकिन (खुश होकर), 'अच्छा, मालूम होता है जौहरी वह हार बनाकर दे गया है जिसका आर्डर मैंने पिछले हफ्ते दिया था।'

□ □ □

अमित, 'सुमित अपने बर्थडे पर तुम्हें कौन-सा गिफ्ट सबसे ज्यादा पसंद आया?'

सुमित, 'बाजा।'

अमित, 'क्यों?'

सुमित, 'क्योंकि उसे न बजाने के लिए पापा मुझे रोज पांच रूपये देते हैं।'

□ □ □

हाथी और चीटी के बच्चे में दोस्ती हो गई। दोनों खेल रहे थे कि हाथी का बच्चा परेशान हो गया।

चींटी के बच्चे ने पूछा, 'क्या बात है तुम बड़े परेशान दिखाई देते हो?'

हाथी का बच्चा बोला, ' मेरे पापा आ गए है।

चींटी का बच्चा बोला, 'तो इसमें परेशान होने की क्या बात है तुम मेरे पीछे छुप जाओ।'

□ □ □

आज का इतिहास

- 1793 फ्रांसीसी क्रांति के दौरान रानी मेरी एंटोनेशे को मौत के घाट उतार दिया गया।
- 1943 शिकागो के मेयर एडवर्ड केली ने भूमिगत रेल प्रणाली का उद्घाटन किया।
- 1946 दस नाजी युद्ध अपराधियों को फांसी दी गयी।
- 1951 बंगाल का प्रथम विभाजन हुआ।
- 1964 चीन ने प्रथम परमाणु परीक्षण किया।
- 1971 अनवर सादात विधिवता मिस्त्र के राष्ट्रपति चुने गए।
- 1973 अमरीका के हेनरी किसिंजर और वियतनाम के ली डक को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई लेकिन ली डक ने उसे ठुकरा दिया।
- 1978 रोमन कैथोलिक पादरियों ने केरोल वोजतिलका को पोप चुना।
- 1983 बेरूत हवाई अड्डे पर हमले में अमरीकी कैप्टन माइकल ओलर मारे गए और कई अन्य सैनिक घायल हो गए।
- 1986 हरगोविंद खुराना को चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।
- 1988 अलास्का में आर्कटिक महासागर में फंसी तीन व्हेलों को बचाने के लिए बचाव कर्मियों ने प्रयास शुरू किए।
- 1993 दक्षिण पूर्व लंदन में रंगभेद विरोधी प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की।
- 1994 जर्मनी के चुनावों में चांसलर हेल्मुट कोल की सरकार को सफलता मिली।
- 2000 वीरप्पन ने अभिनेता राजकुमार के दामाद को मुक्त किया।
- 2002 भारतीय एथलीट सुनीता रानी से 14 वें एशियाई खेल में दोनों पदक वापस ले लिए गए।

दैनिक पंचांग

16 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

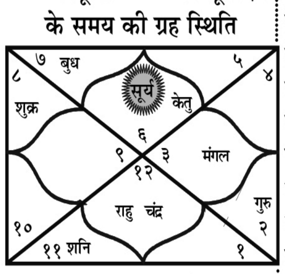

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.06 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	08.20 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	10.36 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.42 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.28 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	16.01 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.31 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.11 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.10 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कर्क	23.23 बजे से
		सिंह	01.39 बजे से
		कन्या	03.51 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 290 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 20.41 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 19.18 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 10.09 बजे तदनन्तर व्याघात 05.56 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** गर 10.32 बजे तदनन्तर वणिज 20.41 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08^{0} 59' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872134 **जूलियन दिन** 2460599.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 12 **विशेष** कोजागरी व्रत, शरद पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8159

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली - 8158 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7700

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

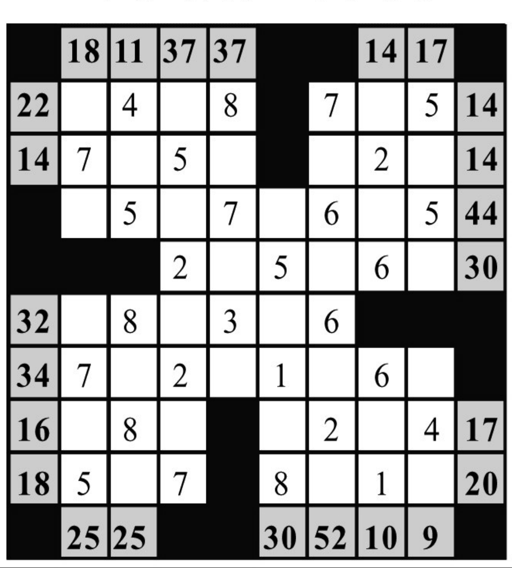

अंकजाल 7699 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6644

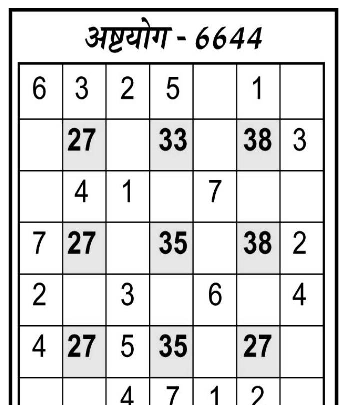

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6643 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6004

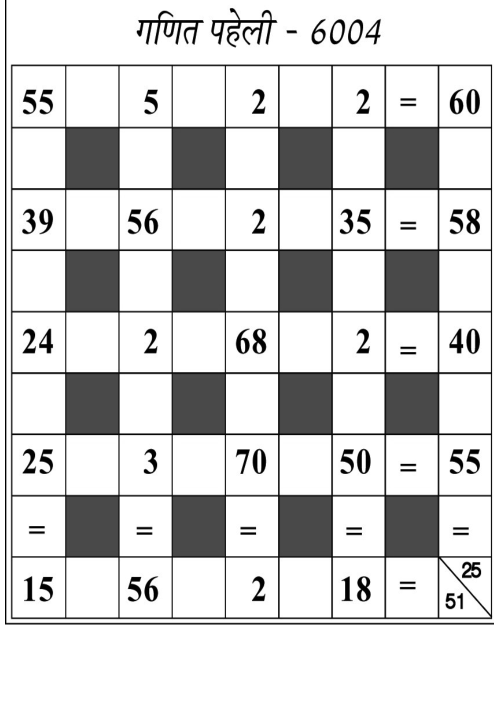

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6003

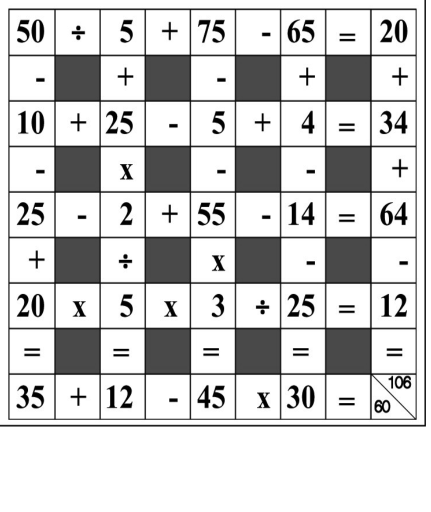

शब्दजाल- 7691

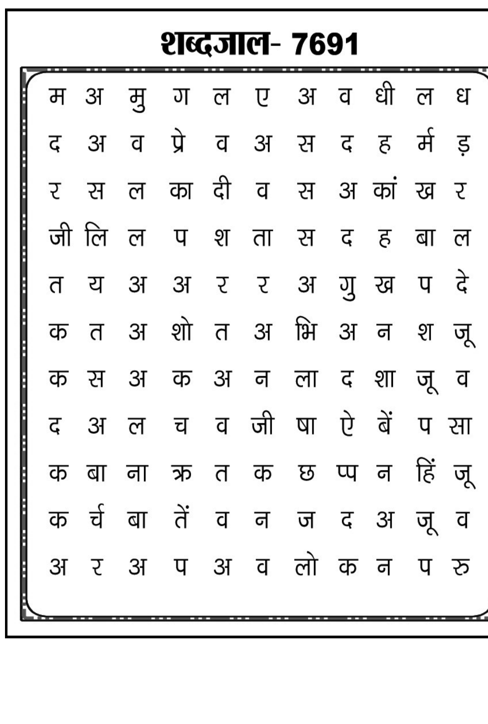

शब्द जाल में 'अ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अवधी, अवकाश, अवतार, अर्चना, असलियत, अखबार, अभिलाषा, अवलोकन, अशोकचक्र, अहिंसा.

शब्दजाल - 7690 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

विजयादशमी मिलन समारोह मनाया

जमशेदपुर । सोनारी में यूनाइटेड ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन सोशल जस्टिस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास के अध्यक्षता में उनके आवास पर एवं झारखंड टीम के द्वारा विजयादशमी मिलन समारोह का आयोजन बहुत ही सराहनीय रुप से किया गया। इस कार्यक्रम में उक्त संगठन के दो वरिष्ठ पदाधिकारी (झारखंड कानूनी सलाहकार) डी आई जी राजीव रंजन सिंह जी एवं डी एस पी कुजूर जी को सम्मानित किया गया और संगठन के मेंबर्स के साथ विजया दशमी मिलन समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में राजीव रंजन सिंह, कुजूर साहब , गोपाल कृष्ण , अप्पा राव, देवाशीष चंद्र, भागीरथ, अमित कुमार, रंजन शर्मा, राजेश दत्ता, रूपेश अग्रवाल, अनिल कुमार, राजेश साहू, राजेश साहू, सोमेश्वर राय,दीपक कुमार, बिस्वजीत, बलविंदर कल्षी आदि शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बना में मदद किए।

रिटायर्ड फौजी से 9 लाख की ठगी में अब तक कार्रवाई नहीं, एसएसपी से शिकायत

धनबाद : निरसा अनुमंडल क्षेत्र के एग्यारकुंड पानी टंकी निवासी रिटायर्ड फौजी कुणाल पालित से 9 लाख रुपए की ठगी मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. एफआईआर दर्ज हुए तीन माह बीतने को हैं, लेकिन पुलिस ने किसी की आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की है. इससे नाराज रिटायर्ड फौजी ने मंगलवार को धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दनन को फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी. गलफरबाड़ी ओपी पुलिस की शिकायत भी की. कहा कि दो माह तक टाल-मटोल के बाद 22 जुलाई को गलफरबाड़ी ओपी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की. एफआईआर में उसने भालुकसुंदा मुगमा निवासी भोला राम व कुमारधुबी कालीमंडा निवासी नीरज सिंह सहित पांच लोगों नामजद आरोपी बनाया है. लेकिन इनमें से किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है. सभी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं. उसे धमकी भी मिल रही है. भुक्तभोगी पालित ने बताया कि ठगी में अलग-अलग तीन लोगों के बैंक खाता का उपयोग किया गया. उसने ईंट की फैक्ट्री से जुड़े व्यवसाय के नाम पर नकद चार लाख व पांच लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किया था. ठगों ने धंधे में बड़ा लाभ का झांसा देकर 5 किस्तों में उससे 9 लाख रुपए ठग लिए. बाद में उनलोगों ने धंधे में सारे रुपये डूब जाने की झूठी कहानी गढ़ दी.

चुनाव की घोषणा के पूर्व विधायक कमलेश ने किया पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास

पलामू : हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने मंगलवार को चुनाव की घोषणा के पूर्व हैदरनगर कबराकला मुख्य पथ में परता गांव के समीप मुरही नदी पर पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इस सड़क का निर्माण पहले से चल रहा है. ग्रामीणों की मांग पर पुल निर्माण कार्य को स्वीकृत कराकर मंगलवार से कार्य प्रारंभ करा दिया गया. जर्जर पुल होने की वजह ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी. विधायक ने पुल निर्माण कार्य के अलावा विधायक कोटा की अन्य कई योजनाओं का भी ऑनलाइन शिलान्यास कर कार्य प्रारंभ कराया. शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की एक-एक सड़क पुल पुलिया का निर्माण कराने का काम किया है. इसके साथ ही जनता की हर एक समस्या के समाधान का ईमानदारी के साथ समाधान किया.

साहिबगंज जिले की राजमहल, बोरियो व बरहेट सीट पर 20 नवंबर को पड़ेंगे वोट

साहिबगंजः साहिबगंज जिले के अंतर्गत आने वाले 3 विधानसभा क्षेत्रों राजमहल, बोरियो (एसटी) व बरहेट (एसटी) में दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा. यह जानकारी डीसी हेमंत सती ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोज त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है. इसके साथ ही साहिबगंज जिला सहित पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. तय कार्यक्रम के अनुसार, जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर चुनाव दूसरे चरण में होगा. इसकी अधिसूचना 22 अक्टूबर को जारी होगी. नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर व नामांकन पत्रों की जांच 30 अक्टूबर को होगी. 1 नवंबर को नाम वापसी की आखिरी तारीख है. राजमहल विधानसभा के लिए निर्वाची पदाधिकारी एसडीओ बनाए गए हैं. वहीं, बोरियो विस. के निर्वाची पदाधिकारी सदर एसडीओ और बरहेट विस के निर्वाची पदाधिकारी अपर समाहर्ता होंगे. प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अमित कुमार सिंह, अपर समाहर्ता गौतम भगत, राजमहल एसडीओ कपिल कुमार, सदर एसडीओ अंगार नाथ स्वर्णकार, आईटीडीए के निदेशक संजय कुमार दास, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू व अन्य अधिकारी मौजूद थे.

कहां कितने वोटर व बूथ

डीसी ने बताया कि जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 863469 है. इनमें राजमहल विधानसभा क्षेत्र में 354408, बोरियो में 283673 व बरहेट विधानसभा क्षेत्र में कुल 225388 मतदाता हैं. राजमहल विस में कुल 383 बूथ बनाए गए हैं. जबकि बोरियो में 348 व बरहेट में कुल 277 बूथ हैं.

कार की चपेट में आकर बच्ची घायल, रेफर

साहिबगंज : साहिबगंज जिले के बरहेट-बड़हरवा मुख्य सड़क पर बरमसिया गांव के समीप मंगलवार की सुबह कार की चपेट में आकर 5 वर्षीय बच्ची घायल हो गई. घायल बच्ची साहिता खातून बरमसिया गांव की रहने वाली है. बताया गया कि बच्ची सड़क पार कर दुकान जा रही थी. तभी बड़हरवा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे चपेट में लिया. बच्ची सड़क किनारे गिर कर घायल हो गई. घटना के बाद कार चालक वाहन की गति तेज कर बरहेट की ओर भाग निकला. स्थानीय लोगों ने उसका पीछा भी किया, लेकिन सफल नहीं हुए. ग्रामीणों की मदद से घायल बच्ची को बरहेट सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया. डॉक्टर ने बताया कि बच्ची को गंभीर चोट लगी है.

पलामू में धारदार हथियार से युवक की हत्याःमर्डर के पीछे जमीन विवाद और पैसों के लेनदेन की चर्चा, चार घंटे बाद उठा बॉडी

पलामूः पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत खामडीह के पूर्णाडीह में एक युवक की सोए अवस्था में तेज धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन एवं स्थानीय लोगों ने पुलिस के वरीय अधिकारियों को मौके पर आने और खोजी कुत्ता से जांच करने की मांग की। इसे लेकर चार घंटे तक डेड बॉडी को उठने नहीं दिया।

हालांकि बाद में थाना प्रभारी अंचित कुमार के समझाने पर लोगों का आक्रोश शांत हुआ और पुलिस डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमआरएमसीएच मेदिनीनगर में भेजा। युवक की पहचान इसी टोल के निवासी 24 वर्षीय सकेंद्र साव पिता सरेश साव के रूप में हुई है। घटना के पीछे जमीन विवाद और पैसों के लेनदेन की चर्चा है।

क्या है पूरी घटना

जानकारी के अनुसार हर दिन की तरह सकेंद्र साव सोमवार रात पुराने घर से भोजन करके सोने के लिए नवनिर्मित पक्के मकान में चला गया था। मंगलवार की सुबह उसकी डेड बॉडी मकान के बरामदे में खून से लथपथ मिली। उसके सिर पर तीन जगह गड़ासा से वार करने के निशान पाए गए। घटना के क्रम में युवक बचने और भागने का प्रयास कर रहा होगा।

ऐसे में उसकी बॉडी मकान के पिलर के पास मिली। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और डेड बॉडी को कब्जे में लेने की कोशिश की तो परिजन और स्थानीय लोगों ने शव उठने नहीं दिया। बाद में समझाने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने दिया गया।

हत्या के पीछे की क्या है पूरी कहानी

परिजनों के अनुसार सकेंद्र और उसके पिता के बीच जमीन सहित अन्य मामले में अक्सर विवाद होता रहता था। सोमवार की रात भी सिकंदर का उसके पिता के साथ विवाद हुआ था। घटना के वक्त उसका पिता पोलपोल में था। पिता से पुलिस पूछताछ कर रही है।

सकेंद्र के परिजनों के अनुसार उसका पिता का दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध है और वह उसी के साथ घर से अलग रहता है। पति के साथ किसी तरह का संबंध नहीं रहने के कारण मृतक की मां ने मांग का सिंदूर पोंछ दिया है।

सकेंद्र डाल्टेनगंज- रांची मुख्य मार्ग पर पंचर की दुकान चलाता था। वह काफी मेहनती था और परिवार की देखभाल में हमेशा लगा रहता था। दो भाई एक बहन होता है। बहन की शादी कर दी है। एक छोटा भाई फिलहाल जेल में है। नेपाल बॉर्डर पर उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत पिछले वर्ष गिरफ्तार किया गया था। इस घटना से गांव में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के चाचा भिखारी साव ने मामले का खुलासा करने का आग्रह थाना प्रभारी से किया है।

जन आरोग्य केंद्र, सीसीएल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : जन आरोग्य केन्द्र, सीसीएल द्वारा राँची के पिस्का नगड़ी स्थित आदर्श वृद्धा आश्रम में एक निःशुल्क श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 40 वृद्धों की जाँच की गयी और उन्हें चिकित्सीय सलाह एवं आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवा भी दी गई। आश्रम में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ईसीजी एवं हाइपरटेंशन का निःशुल्क जाँच किया गया।

ज्ञात हो कि सीसीएल देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन के साथ-साथ अपने कर्मियों एवं हितधारकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए इस

तरह का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर करते रहती है।

शिविर के सफल आयोजन में सीएमएस, सीसीएल, डॉ. रत्नेश जैन; सीएमओ, सीएसआर, डॉ. प्रीती तिग्गा; डॉ. मेजर शिल्पी; डॉ. रंजीत कुमार; डॉ. दीपक सिंह; डॉ. अनीता होरो; डॉ. रजनी कुजूर; डॉ. दीपाली; डॉ. सत्यप्रकाश रंजन; डॉ. शिल्पी झा; डॉ. प्रियंका झा एवं पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

ज्ञात हो कि यह शिविर स्पेशल कैंपेन 4.0 के अंतर्गत लगाया गया था।सीसीएल इस अभियान के तहत मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मानगो में सैंकड़ों महिलाएं मइयां सम्मान योजना का लाभ नही मिलने की डालसा टीम से किया शिकायत

जमशेदपुर । जिला विधिक सेवा प्राधिकार , न्याय सदन , सिविल कोर्ट जमशेदपुर के निर्देशन में मोबाईल वैन द्वारा मंगलवार को डिमना चौक एवं आसपास के क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया । इस दौरान डालसा टीम में पीएलवी के रूप में नागेन्द्र कुमार , जोबा रानी बास्के, सदानंद महतो एवं प्रकाश मिश्रा शामिल थे। उक्त जागरूकता अभियान मानगो गोलचक्कर, डिमना रोड, डिमना चौक , मानगो अंचल कार्यालय के समीप मौजूद जरूरतमंद लोगों के बीच कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया । इस दौरान उन्हें पीएलवी द्वारा डालसा के कार्य व उद्देश्य के बारे में बताया गया । साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम , चाईल्ड प्रोटेक्शन , शिशु प्रोजेक्ट, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, डायन प्रथा, नशापान आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा राज्य एवम केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी बताया गया। जागरूकता अभियान के दौरान मानगो अंचल कार्यालय के समीप मौजूद सैंकड़ों की संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री मईया

सम्मान योजना में फॉर्म भरने के बाबजूद उन्हें 1000 की राशि नही मिलने की डालसा टीम से शिकायत की और कहा कि अंचल कार्यालय में पता करने पर बताया जा रहा है कि आपका बैंक खाता संख्या रजिस्ट्रेशन के समय गलत चढ़ गया है और उसे सही खाता संख्या देने पर उसमें सुधार भी नही किया जा रहा है। इस तरह सैंकड़ों महिलाएं पिछले कई दिनों से प्रतिदिन अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं , लेकिन उनका कोई सुनने वाला नही है । डालसा टीम ने इस मामले को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव से अवगत कराने का महिलाओं को भरोसा दिलाया है , ताकि सभी जरूरतमंद महिलाएं को मईया सम्मान योजना का लाभ शीघ्र मिल सके ।

खेल-खेल में बच्चियों ने पी ली कीटनाशकःसिमडेगा सदर अस्पताल में दो की मौत, एक की हालत गंभीर

सिमडेगाः सिमडेगा के जलडेगा थाना क्षेत्र में तीन नाबालिग़ मासूम बच्चियों ने मक्खी मारने की दवा धोखे से खाया। जिसके बाद दो की सिमडेगा सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान जलडेगा निवासी अनिल लुगुन की 4 वर्षीय पुत्री याचना लुगुन ,प्रमोद तोपनो की 5 साल की बेटी सृष्टि तोपनो के रूप में हुई। वहीं तीसरी बच्ची सृष्टि लोमगा पिता जोसेफ लोमगा जिसका इलाज चल रहा है।

कैसे घटी घटना

जानकारी देते हुए याचना के पिता अनिल ने बताया कि घर में कोई नहीं था। सभी लोग इधर-उधर अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान तीनों बच्ची ने खेल-खेल में पड़ोस के घर में रखे मक्खी मारने की दवा का सेवन कर लिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और तीनों बेहोश हो गए।

तुरंत उन्हें जलडेगा अस्पताल लाया गया। जहां पर उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इधर सदर अस्पताल सिमडेगा लाने के साथ ही दो बच्चियों की मौत हो गई। जबकि तीसरे का इलाज चल रहा है।

चक्रधरपुर में ट्रेन से कट कर हाथी की मौतःबंडामुंडा के ए-केबिन और आर के बीच की घटना, 27 हाथियों के रेलवे ट्रैक को किया जाम

चक्रधरपुर : पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर रेल मंडल के बंडामुंडा में ट्रेन से कटकर बच्चा हाथी की मौत हो गई है। हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलवे लाईन के बंडामुंडा रेल खंड के ए-केबिन और आर-केबिन के बीच यह घटना तब हुई जब 27 जंगली हाथियों का झुंड यहां से कुदुर बहाल जंगल से उतर कर बंडामुंडा के पोखरा बहाल की ओर जाने के लिये रेलवे ट्रैक पार हो रहे थे।

मालगाड़ी की चपेट में आया हाथी का बच्चा

इस दौरान यहां से गुजर रही मालगाड़ी के चपेट में हाथियों का झुंड आ गया। जिसमें एक हाथी के बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हाथी के बच्चे की मौत के बाद अन्य हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पर घंटों जमा रहा, जिससे रेल परिचालन भी घंटों ठप रहा। हाथियों का झुंड अभी भी रेलवे ट्रैक के आसपास जमा हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और बंडामुंडा घटना के जांच में जुट गई है।

विस चुनाव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयारः पलामू डीसी

पलामू : चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है. पलामू जिले के 5 सीट डालटनगंज, पांकी, बिश्रामपुर, हुसैनाबाद और छत्तरपुर विधानसभा सीट पर पहले चरण में 13 नवंबर को वोटिंग होगी. मतदान को लेकर डीसी शशिरंजन और एसपी रिष्मा रमेशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी. बताया कि पलामू जिला प्रशासन शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है. इस बार मतदाताओं के सहूलियत के लिए कई अहम कदम भी उठाए गए हैं.

उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले में चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं. मतदाताओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं. साथ ही स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रशासन सभी आवश्यक कदम उठा रहा है. एसपी ने बताया कि जिले के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान कर ली गई है, जहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है. दोनों अधिकारियों ने सभी राजनीतिक दलों और जनता से अपील की कि वे चुनाव के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखें और प्रशासन के साथ मिलकर निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में सहयोग करें.

बीएसएफ के 373 नवआरक्षकों ने ली देश सेवा की शपथ

हजारीबाग : सीमा सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र से हजारीबाग की देशभर में पहचान है. यहां विदेशों से भी सेना के पदाधिकारी और जवान ट्रेनिंग लेते हैं. मंगलवार को 373 नवआरक्षकों ने ट्रेनिंग पूरी कर दीक्षांत परेड में शामिल हुए. अब ये जवान देश सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे. बता दें कि हजारीबाग के बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र एवं स्कूल के रानी लक्ष्मीबाई परेड ग्राउंड में मंगलवार को दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में कुल 373 नवआरक्षकों ने देश सेवा की शपथ ली.

इस दौरान भव्य पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया एवं भारत माता की जय के नारे के साथ नवआरक्षकों ने देश की अखंडता, एकता के लिए तिरंगे के नीचे शपथ ली. 44 सप्ताह के कठिन परिश्रम, लगन के साथ नवआरक्षकों ने बुनियादी प्रशिक्षण पूरा किया. दीक्षांत परेड में बैंड की धुन पर कदम से कदम ताल मिलाकर जवानों ने परेड किया. वहीं दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महानिरीक्षक केएस बनियाल ने सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया. इस मौके पर हजारीबाग और

आसपास के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित हुए और परेड का आनंद उठाया.

इस मौके पर महानिरीक्षक केएस बनियाल ने नवआरक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि आज इस दीक्षांत परेड के बाद औपचारिक तौर पर सीमा सुरक्षा बल जो भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति है उसके सदस्य बन गए हैं. बीएसएफ में कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रथम कदम रखने जा रहे हैं. उन्होंने नवआरक्षकों के माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि आपने सपूतों को सीमा सुरक्षा बल में भेजकर जो महत्वपूर्ण योगदान दिया है इसे कभी भुला नहीं जा सकता है.

44 सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा

44 सप्ताह के प्रशिक्षण में देश के कोने-कोने से नवआरक्षक शामिल हुए. जिसमें पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु सहित कई राज्यों से जवान पहुंचे थे. प्रशिक्षण के बाद सभी जवान अब बीएसएफ के अंग बन पाए हैं. प्रशिक्षण के दौरान जवानों को हथियार चलाना, विभिन्न कानून की जानकारी, अंतरराष्ट्रीय कानून की जानकारी, मानवाधिकार, आतंकवाद, उग्रवाद से निपटने का भी प्रशिक्षण दिया गया. इसके अलावे खेलकूद और सामाजिक गतिविधि में हिस्सा लेने की भी इन्हें प्रशिक्षण दिया गया.

विधानसभा चुनाव के लिए पूर्वी सिंहभूम में 1145 भवनों में बनाए गए 1913 मतदान केंद्र

जमशेदपुर : चुनाव की घोषणा के साथ ही पूर्वी सिंहभूम जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. पूर्वी सिंहभूम जिले में पहले चरण 13 नवंबर को मतदान होना है. समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने तैयारियों एवं निर्वाचन के संबंध में जिला प्रशासन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी. बताया कि जिले के 1145 भवनों में कुल 1913 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. इसके अलावा कुल 18,73,589 वोटर्स हैं जिनमें 9,33,684 पुरुष और 9,39,742 महिला वोटर्स हैं. वहीं 163 थर्ड जेंडर मतदाता इस बार मतदान करेंगे. सर्विस वोटर्स की संख्या 2045 है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 6742 है, विभिन्न श्रेणी के दिव्यांग वोटर की संख्या 15945, आयुवार 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 83750, 20-29 आयु वर्ग में 395106, 30-39 आयु वर्ग में 502451 मतदाता और 39-49

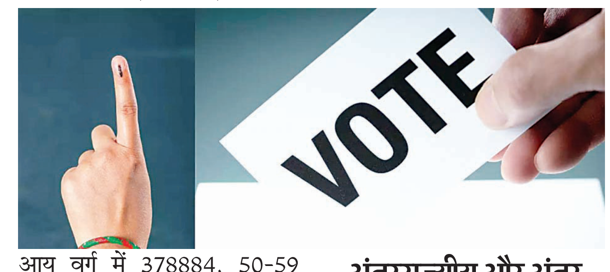

आयु वर्ग में 378884, 50-59 आयु वर्ग में 266514 मतदाता, 60-69 आयु वर्ग में 158350 मतदाता तथा 70-79 आयु वर्ग में 69535, 80-89 आयु वर्ग में 16935 तथा 90-99 में 2025 मतदाता और 100-109 आयु वर्ग में 37, 110-119 आयु वर्ग में एक एवं 120 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में एक मतदाता शामिल हैं. निर्वाचन आयोग की पहल पर इस बार भी होम वोटिंग की सुविधा दी जाएगी. इसके लिए सर्वे का कार्य बीएलओ द्वारा कराया जा रहा है. विधि व्यवस्था संधारण एवं चुनाव पर्यवेक्षण हेतु 18 एफएसटी, 21 एसएसटी, 06 वीवीटी, 14 वीएसटी, 06 एटी, 233 सेक्टर पदाधिकारी, 14 एमसीसी के अलावा 9182 मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी.

अंतरराज्यीय और अंतर जिला चेकपोस्ट पर रखी जाएगी निगरानी

वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चुनाव के पारदर्शी, स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के मद्देनजर अंतरराज्यीय व अंतरजिला चेकनाका पर सघन निगरानी और चेकिंग बढ़ा दी गई है. असामाजिक तत्वों और चुनाव को प्रभावित करने वाले आपराधिक तत्वों के विरूद्ध अभियान जारी है. लाइसेंसी हथियार का सत्यापन थाना स्तर से कराने का निर्देश सभी थाना प्रभारी को दिया गया है. सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण को लेकर जिले में पर्याप्त संख्या में अर्धसैनिक बल और पुलिस बल की तैनाती रहेगी.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।